प्रयागराज, रविवार 14 सितम्बर 2025 से 20 सितम्बर 2025 तक
वर्ष-13 , अंक-37
पृष्ठ- 8 मूल्य: 3 रूपये
आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

आधुनिक समाचार
हिन्दी साप्ताहिक

नगर संस्करण 13

डाक पंजीयन नं. 99/2018-20
E-mail:-adhuniksamachar2014@gmail.com
website:www.adhuniksamachar.com

नेपाल की पहली महिला पीएम बनीं सुशीला कार्की, राष्ट्रपति का ऐलान- 6 महीने में होंगे चुनाव
भारतीय राजदूत ने पीएम बनने पर मिलकर बधाई दी

काठमांडू। सुशीला कार्की नेपाल की पहली महिला अंतरिम पीएम बन गई हैं। उन्हें राष्ट्रपति रामचंद्र पौडेल ने शुक्रवार रात राष्ट्रपति भवन शीतल निवास में शपथ दिलाई। फिलहाल किसी और को मंत्री नहीं बनाया गया है। राष्ट्रपति ने ऐलान किया है कि अगले छह महीनों के भीतर संसद का नया चुनाव कराया जाएगा। वहीं, जेन-ज़ी नेताओं ने इस सरकार में शामिल होने से इनकार कर दिया। उनका कहना है कि वे सरकार में शामिल नहीं होंगे, लेकिन सरकार के कामकाज की निगरानी करेंगे। सुशीला कार्की नेपाल की पहली महिला चीफ जस्टिस भी रह चुकीं हैं। उन्होंने बनारस हिंदू यूनिवर्सिटी से पॉलिटिकल साइंस में पोस्ट ग्रेजुएशन किया है। नए संविधान के लागू होने के बाद सभी सरकारें अनुच्छेद 76 के तहत बनाई जाती थीं। लेकिन सुशीला कार्की को अनुच्छेद 61 के अनुसार प्रधानमंत्री नियुक्त किया गया। अनुच्छेद 61 में सीधे प्रधानमंत्री के पद या शक्तियों का कोई जिक्र नहीं है। इसमें मुख्य रूप से राष्ट्रपति का काम और जिम्मेदारियां बताई गई हैं। राष्ट्रपति अनुच्छेद 61 के मुताबिक संविधान की रक्षा का काम करते हैं। इसलिए, राष्ट्रपति ने उसी अनुच्छेद के अनुसार पीएम की नियुक्ति की है। नेपाल ने 5 दिन में वो सब कुछ देख लिया जो इतिहास में शायद ही पहले कभी देखा हो। सोशल मीडिया बैन और करप्शन को लेकर 8 सितंबर को जेन-ज़ी ने प्रोटेस्ट शुरू किया। अगले दिन देश में माहौल हिंसक हो गया। संसद, सुप्रीम कोर्ट, पॉलिटिकल पार्टियों के ऑफिस, राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री-मंत्रियों के घर और काठमांडू के सिंह दरबार समेत सब जला दिया गया। सभी जेन-ज़ी शुरू में सिर्फ बालेन शाह को

बतौर पीएम देखना चाहते थे, लेकिन वो अंतरिम सरकार में पीएम बनने को राजी नहीं थे। लिहाजा उन्होंने बालेन शाह की पसंद सुशीला कार्की के साथ जाने पर सहमति जताई।जेन-ज़ी डेलिगेशन से जुड़े एक लीडर बताते हैं, 'सुशीला कार्की के नाम पर सहमति के लिए कुछ शर्तें भी रखी गई थीं। इसके तहत कोई भी पॉलिटिकल पार्टी का लीडर सरकार का हिस्सा नहीं होगा। इसलिए कार्की के अलावा किसी और ने मंत्री पद की शपथ नहीं ली। सारे विभाग पीएम सुशीला कार्की के पास ही होंगे।' जेन-ज़ी डेलिगेशन ने मांग रखी थी कि सरकार के अलग-अलग विभागों से जुड़े फैसले लेने के लिए एक उर्हें एडवाइजरी ग्रुप बनेगा। ये एडवाइजरी ग्रुप एक तरह से मंत्रिपरिषद यानी कैबिनेट की तरह काम करेगा। इस तरह सरकार सुशीला कार्की के नाम की होगी, लेकिन पीछे से जेन-ज़ी का एडवाइजरी ग्रुप फैसले लेने में अहम भूमिका निभाएगा। सुशीला को बालेन के एकतरफा समर्थन के पीछे क्या वजह-सोर्स के मुताबिक, जेन-ज़ी के लिए पीएम पद का सबसे चहेता चेहरा काठमांडू के मेयर बालेन शाह थे। वो नेपाल के मौजूदा हालात में कोई रिस्क नहीं लेना चाहते थे। लिहाजा उन्होंने शुरू से ही साफ कर दिया था कि वो अंतरिम सरकार का जिम्मा नहीं संभालेंगे। बालेन 6 महीने बाद चुनाव के जरिए जनमत हासिल करके प्रधानमंत्री पद संभालना चाहते हैं। बालेन को भी ऐसे चेहरे की तलाश थी, जो उनकी बात मानें और जिन्हें जेन-ज़ी भी पसंद स्वीकार कर लें। सोर्स के मुताबिक-'सुशीला कार्की, बालेन की पहली पसंद बनकर उभरीं। सबसे पहले बालेन ने ही उनके नाम का समर्थन किया और इसी वजह से जेन-ज़ी प्रदर्शनकारियों ने भी उनके नाम पर भरोसा जताया। हालांकि, जेन-ज़ी सुशीला के नाम पर भी एकदम से सहमत नहीं हुए।' नेपाल में भारत विरोध की राजनीति मशहूर है। सुशीला कार्की ने मीडिया को दिए कुछ इंटरव्यू में भारत और पीएम मोदी के बारे में तारीफ भरे लहजे में बात की। इसकी वजह से जेन-ज़ी प्रदर्शनकारियों का एक गुट उनके विरोध में उतर आया लेकिन ये विरोध जल्द ही दबा दिया गया और सुशीला को जेन-ज़ी नेताओं को समर्थन हासिल हो गया। वहीं, अगले 6 महीनों में बालेन शाह जरूरत पड़ने पर पीएम सुशीला कार्की और जेन-ज़ी एडवाइजरी ग्रुप को सलाह देंगे। बालेन का मकसद पर्दे के पीछे से अंतरिम सरकार चलाना और अगले 6 महीने तक चुनाव के लिए तैयारी करना है। वो 6 महीने बाद चुनाव लड़ेंगे और फिर मजबूत दावेदारी पेश करके पीएम बनने की कोशिश करेंगे। नेपाल में भारत के राजदूत नवीन श्रीवास्तव ने भी सुशीला कार्की से मिलकर उन्हें बधाई दी। अब सुशीला कार्की पर 5 मार्च, 2026 से पहले नए संसदीय चुनाव कराने की जिम्मेदारी है। राष्ट्रपति रामचंद्र पौडेल ने कल संसद भंग करने का भी ऐलान किया था। पूर्व पीएम केपी ओली की कम्युनिस्ट पार्टी (यूएमएल) ने इस फैसला का विरोध किया है। यूएमएल महासचिव शंकर पोखरेल ने पार्टी कार्यकर्ताओं से इसके खिलाफ सड़कों पर उतरने की अपील की है।

मोदी की मणिपुर में रैली-पीएम मोदी खराब मौसम के कारण आइजोल नहीं जा सके
लेंगपुई एयरपोर्ट से नई बैराबी-सैरांग रेलवे लाइन का उद्घाटन किया

इंफाल। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी आज से 2 दिन के नॉर्थईस्ट दौरे पर हैं। पीएम सुबह 9.10 बजे मिजोरम के लेंगपुई एयरपोर्ट पर उतरे। लेकिन खराब

मौसम के कारण राजधानी आइजोल नहीं जा सके। उन्होंने एयरपोर्ट से ही बैराबी-सायरंग रेलवे लाइन समेत 9000 करोड़ के प्रोजेक्ट का शिलान्यास और उद्घाटन किया। इन परियोजनाओं से रेलवे, सड़क, ऊर्जा, खेल सहित कई क्षेत्रों में फायदा होगा। यहां वे एक जनसभा को भी संबोधित करेंगे। मोदी राज्य के सबसे खास प्रोजेक्ट बैराबी-सायरंग रेल लाइन का उद्घाटन करेंगे, जो आइजोल को पहली बार देश के अन्य हिस्सों से रेल नेटवर्क से जोड़ेगी। मिजोरम और देश के बाकी हिस्सों के बीच सीधा रेल संपर्क क्षेत्र के लोगों को सुरक्षित, कुशल और किफायती यात्रा विकल्प देगा। इससे अनाज, फर्टिलाइजर और अन्य जरूरी चीजों की समय पर और विश्वसनीय आपूर्ति भी सुनिश्चित करेगा। पीएम 13 से 15 सितंबर तक मिजोरम, मणिपुर, असम, पश्चिम बंगाल और बिहार का दौरा करेंगे। इस दौरान वे करीब 71,850 करोड़ रुपए के प्रोजेक्ट्स का उद्घाटन और शिलान्यास करेंगे। पीएम मोदी के मिजोरम में अन्य कार्यक्रम- मोदी 500 करोड़ रुपए से ज्यादा की लागत वाली 45 किलोमीटर लंबी आइजोल बाईपास, थेनजोल-सियालसुक रोड और खानकाउन-रोंगूरा रोड की आधारशिला रखेंगे। पीएम लॉन्टलाई-सियाहा रोड पर छिमटुईपुई नदी पुल का शिलान्यास करेंगे। यह यात्रा के समय को दो घंटे कम करेगा। यह पुल कलादान मल्टीमॉडल ट्रांजिट ढांचे के तहत सीमा पार व्यापार को भी बढ़ावा देगा। मोदी खेल विकास के लिए तुइकुआल में खेलो इंडिया बहुउद्देशीय इंडोर हॉल की आधारशिला रखेंगे। यह हॉल आधुनिक खेल सुविधाएं देगा, जिससे मिजोरम के युवाओं को नेशनल और इंटरनेशनल कॉम्पटीशन में फायदा होगा। पीएम आइजोल के मुआलखांग में 30 हजार मीट्रिक टन प्रति वर्ष क्षमता वाले एलपीजी बॉटलिंग प्लांट का शिलान्?यास करेंगे। इससे मिजोरम और पड़ोसी राज्यों में एलपीजी की लगातार आपूर्ति होगी। इससे रोजगार भी मिलेगा। प्रधानमंत्री जन विकास कार्यक्रम योजना के तहत मोदी त्लांगनुआम में एकलव्य मॉडल और कवरथा में आवासीय विद्यालय का उद्घाटन करेंगे। यह स्कूल नामांकन में सुधार करेगा, स्कूल छोड़ने की दर को कम करेगा और जनजातीय युवाओं के लिए समग्र शिक्षा के अवसर देगा। स्कूल में आधुनिक कक्षाएं, छात्रावास और फुटबॉल मैदान सहित खेल सुविधाएं उपलब्ध होंगी। इससे 10 हजार से ज्यादा बच्चों और युवाओं को लाभ होगा।

भागवत बोले- डर के चलते भारत पर टैरिफ लगाया गया,उनका सोचना हैं हम मजबूत हुए तो उनका क्या होगा

नागपुर। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत कहा कि अगर हम दया दिखाएं और डर पर काबू पा लें, तो हमारा कोई

ने शुक्रवार को कहा कि लोगों (अमेरिका) को डर है कि अगर भारत मजबूत हुआ तो उनका क्या होगा, इसलिए टैरिफ लगाए जा रहे हैं। भागवत ने किसी देश का नाम लिए बिना कहा कि ऐसे कदम वो लोग उठाते हैं, जो खुद को हमेशा चर्चा में देखना चाहते हैं। भागवत ने ये बातें नागपुर में ब्रह्माकुमारी विश्व शांति सरोवर के 7वें स्थापना दिवस पर कहीं। दरअसल ट्रम्प ने 30 जुलाई को भारत पर 25फीसदी टैरिफ का ऐलान किया था। यह 7 अगस्त को लागू हुआ। वहीं रूसी तेल खरीदने की वजह से भारत पर 25फीसदी एक्स्ट्रा टैरिफ लगाया गया, जो 27 अगस्त से लागू हुआ। ट्रम्प का कहना था कि भारत रूस से सस्ता तेल खरीदकर खुले मार्केट में बेच रहा है। इससे पुतिन को यूक्रेन के खिलाफ जंग जारी रखने में मदद मिल रही है। भागवत बोले- दुनिया को मैं छोड़कर हम को समझना होगा भागवत ने आगे कहा कि जब तक मनुष्य अपने वास्तविक स्वरूप को नहीं समझेंगे, तब तक उन्हें और देशों को समस्याओं का सामना करना पड़ता रहेगा। उन्होंने दुश्मन नहीं रहेगा। आज दुनिया समाधान खोज रही है, क्योंकि अपनी अधूरी दृष्टि के कारण वह आगे का रास्ता नहीं खोज पा रही है। उनके सिर्फ मैं वाले दृष्टिकोण के कारण उनके लिए रास्ता खोजना असंभव है। भागवत बोले- भारत आगे का रास्ता दिखाने में सक्षम आरएसएस प्रमुख ने कहा कि भारत देश महान है और भारतीयों को भी महान बनने का प्रयास करना चाहिए। उन्होंने कहा कि भारत बड़ा है लेकिन यह और भी बड़ा होना चाहता है। भारतीयों में अपनेपन की प्रबल भावना होती है। कठिनाई और दुख में भी, यहां के लोग अपनेपन की इसी भावना के कारण संतुष्ट रहते हैं। भागवत ने कहा था, दुनिया भारत को उसके अध्यात्म (आध्यात्मिक ज्ञान) के लिए महत्व देती है। इसी वजह से हमें विश्वगुरु मानती है। दुनिया को इस बात से मतलब नहीं है कि हमारी अर्थव्यवस्था कितनी तेजी से बढ़ रही है। भले ही हमारी इकोनॉमी 3 ट्रिलियन डॉलर से ज्यादा हो जाए, तब भी दुनिया को उसका आश्चर्य नहीं होगा।

दिवाली से पहले एटीएम से निकाल सकेंगे पीएफ का पैसा,10-11 अक्टूबर को ईपीएफओ की बैठक में फैसला होगा; मंथली पेंशन बढ़ाने पर भी चर्चा

नयी दिल्ली। केंद्र सरकार दिवाली से पहले प्रोविडेंट फंड

(पीएफ) अकाउंट होल्डर्स को पीएफ का पैसा एटीएम से निकालने की सुविधा दे सकती है। श्रम और रोजगार मंत्री मनसुख मंडाविया की अध्यक्षता में 10-11 अक्टूबर को एक बड़ी बैठक होगी, जिसमें इस प्रस्ताव पर चर्चा की जाएगी। सरकार का मकसद दिवाली से पहले 8 करोड़ ईपीएफओ सब्सक्राइबर्स को खर्च करने के लिए अधिक सुविधाएं देना है। इस बैठक में ईपीएफओ का बोर्ड न्यूनतम पेंशन को 1,000 रुपए मासिक से बढ़ाकर 1,500-2,500 रुपए तक करने के प्रस्ताव पर भी विचार कर सकता है, जो कि लंबे समय से ट्रेड यूनियनों की मांग रही है। ईपीएफओ जल्द ही अपनी नई डिजिटल सेवा 'ईपीएफओ 3.0' लॉन्च करने जा रहा है। ये न केवल पैसे निकालने को सरल बनाएगा, बल्कि जानकारी अपडेट करने, क्लेम करने जैसी प्रोसेस को भी तेज कर देगा। कर्मचारी यूएएन को एक्टिव करके और आधार को खाते से जोड़कर एटीएम से पैसे निकाल सकेंगे। इस नई प्रोसेस में ईपीएफओ अपने सब्सक्राइबर्स को एक विशेष एटीएम कार्ड जारी करेगा, जो उनके पीएफ अकाउंट से लिंक होगा। इस कार्ड का इस्तेमाल करके सब्सक्राइबर्स एटीएम मशीनों से सीधे अपने पीएफ का पैसा निकाल सकेंगे। वहीं यूपीआई से पैसा निकालने के लिए आपको अपने पीएफ अकाउंट को यूपीआई से लिंक करना होगा। इसके बाद सब्सक्राइबर्स पीएफ का पैसा अपने बैंक अकाउंट में ट्रांसफर कर सकेंगे। पीएफ विड्रॉल के नियम के तहत अगर किसी मेंबर की नौकरी चली जाती है तो वह 1 माह के बाद पीएफ अकाउंट से 75फीसदी पैसा निकाल सकता है। इससे वह बेरोजगारी के दौरान अपनी जरूरतें पूरी कर सकता है। पीएफ में जमा बाकी 25फीसदी हिस्से को जॉब छूटने के दो महीने बाद निकाला जा सकता है। कर्मचारी को यदि किसी कंपनी में सेवाएं देते 5 साल पूरे हो जाते हैं और वो पीएफ निकालता है तो उस पर इनकम टैक्स की कोई लायबिलिटी नहीं होती। 5 साल की अवधि एक या इससे ज्यादा कंपनियों को मिलाकर भी हो सकती है। एक ही कंपनी में 5 साल पूरे करना जरूरी नहीं। कुल अवधि कम से कम 5 साल होना जरूरी होता है।

एक बच्चा मर गया तो सब आ गए, हजार जिंदा हैं लड्डू खाने जाइए-गोंडा सीएमओ का गैर जिम्मेदाराना बयान

गोंडा। उत्तर प्रदेश के गोंडा जिले का वीडियो सोशल मीडिया पर जोरों से वायरल हो रहा है। वायरल वीडियो में

एक महिला यह कहती नजर आ रही है कि एक बच्चा मर गया तो उसके लिए सब आ गए, हजार जिंदा हैं लड्डू खाने जाइए। वीडियो में हंसते हुए अपने शब्दों पर जोर देकर बोलने वाली कोई और नहीं, बल्कि गोंडा की मुख्य चिकित्सा अधिकारी रश्मि वर्मा है। बता दें कि ये वही रश्मि वर्मा हैं, जिन पर बीते दिनों गोंडा के सातों विधानसभा के विधायकों ने भ्रष्टाचार का आरोप लगाया था। शहर के बीचोंबीच अवैध तरीके से संचालित एक नर्सिंग होम में दो नवजात बच्चों की मौत हो गई थी। नर्सिंग होम में बच्चों की मौत के बाद परेशान परिजन रोने-बिलखने लगे और नर्सिंग होम पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए हंगामा किया। बताया जा रहा है कि यहां पर कटरा बाजार के रहने वाले विनय सिंह की पत्नी ने एक सितंबर को कटरा बाजार सीएचसी में बच्चे को जन्म दिया था। नवजात की हालत बिगड़ने पर उसे महिला अस्पताल ले जाया गया, लेकिन जगह न होने की बात कहकर रेफर कर दिया गया। इसके बाद बच्चे को जानकी नगर स्थित इस अवैध अस्पताल में महिला अस्पताल में तैनात अज्ञात कर्मचारी और दलालों ने भर्ती कराने को कहा। नवजात की स्थिति देखते हुए परिजनों ने दलालों की बात मान ली। जहां इलाज के दौरान नवजात की मौत हो गई। वहीं, दूसरी तरफ सतई पुरवा के रहने वाले मोहित की पत्नी ने 5 सितंबर को जिला महिला अस्पताल में बच्चे को जन्म दिया था। बच्चा बीमार पड़ा तो उसे भी इसी अस्पताल में भर्ती कराया गया, लेकिन वह भी बच नहीं सका। एक ही नर्सिंग होम में एक ही घंटे के अंदर दो नवजात की मौत से पूरे इलाके में सन्नाटा सा पसर गया। जिसने भी यह सुना वह निशब्द हो गया, लेकिन सीएमओ रश्मि वर्मा के शब्दों ने दोनों परिवार सहित पूरे गोंडा के लोगों को झकझोर दिया है। ऐसा अमानवीय और संवेदनहीन बयान सुनकर हर कोई स्तब्ध है। सवाल उठ रहा है कि जब जिले की स्वास्थ्य व्यवस्था के जिम्मेदार अधिकारी इस तरह के बयान देंगे तो आम जनता की पीड़ा को कौन समझेगा? यह वही सीएमओ रश्मि वर्मा हैं, जिन पर पहले भी गोंडा के सातों विधानसभा के विधायक भ्रष्टाचार और मनमानी के गंभीर आरोप लगा चुके हैं।हालांकि, इस पूरे मामले पर स्वास्थ्य विभाग ने कार्रवाई करते हुए अस्पताल को सील कर दिया है। सीएमओ का कहना है मामले की जांच की जा रही है। पर, सीएमओ यह नहीं बता पाईं कि नर्सिंग होम का संचालन कौन कर रहा था और न ही यह बता सकी हैं कि नर्सिंग होम में कौन सा डॉक्टर इलाज कर रहा था।

टोल प्लाजा से युवक का अपहरण,चलती कार से कूदा, फिर झाड़ियों में छिपा,6 आरोपियों में 3 की पहचान हुई

प्रयागराज। औद्योगिक थाना क्षेत्र के मुरारी टोल प्लाजा के पास 8 सितंबर 2025 को दोपहर में एक

युवक के साथ अपहरण और मारपीट की घटना सामने आई। मेजा थाना क्षेत्र के उपडौरा गांव निवासी अंकित यादव को छह लोगों ने जबरन कार में भरकर उठाया और मारपीट की।मुंगारी टोल प्लाजा के पास एक सफेद डिजायर कार (UP70HL9504) में सवार 6 लोगों ने अंकित को रोका। आरोपियों में गौरव यादव, जितेंद्र यादव, अभिषेक वर्मा और तीन अन्य अज्ञात लोग शामिल थे। पुरानी रंजिश के चलते उन्हें जबरन कार में बैठाया गया और करीब 15 मिनट तक बुरी तरह पिटाई की गई। अंकित यादव ने मौका देखकर चलती कार से छलांग लगा दी और नजदीकी झाड़ियों में छिपकर अपनी जान बचाई। इस दौरान उसके सिर और शरीर के अन्य हिस्सों में चोटें आई हैं। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। पुलिस की कार्रवाई पुलिस ने पीड़ित की शिकायत पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। गौरव यादव अकोढा गांव का, जितेंद्र यादव आधी गांव का और अभिषेक वर्मा औता गांव का रहने वाला है। तीन अन्य आरोपी अभी अज्ञात हैं। पुलिस सभी आरोपियों की तलाश में जुटी हुई है। इस घटना ने टोल प्लाजा के आसपास की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़ा कर दिया है। पुलिस अधिकारी मामले की गंभीरता को देखते हुए सभी आरोपियों की जल्द गिरफ्तारी के लिए टीम गठित कर रहे हैं।

पति-पत्नी और वो-2 की शूटिंग पूरी,सारा अली खान ने मां अमृता के साथ अलोप शंकरी मंदिर में करि पूजा

प्रयागराज। दरअसल, इन दिनों प्रयागराज में बीआर चोपड़ा फिल्म्स की ओर से बन रही फिल्म पति-पत्नी और वो-2 की शूटिंग कामना की। मंदिर के पुजारी ने टीम को विधिवत पूजा करवाई और प्रसाद वितरित किया। फिल्म की शूटिंग प्रयागराज के कई शहरवासियों के लिए यह शूटिंग किसी उत्सव से कम नहीं रही। शूटिंग देखने पहुंचे स्थानीय लोग सितारों की एक झलक पाने के लिए

चल रही थी। शहर के अलग-अलग हिस्सों में हुई इस शूटिंग को देखने के लिए हजारों की भीड़ उमड़ी। शूटिंग के अंतिम दिन शुक्रवार को फिल्म के निर्माता-निर्देशक भूषण कुमार और कपिल चोपड़ा, अभिनेत्री सारा अली खान और उनकी मां सहित पूरी टीम मां अलोप शंकरी मंदिर पहुंची और पूजन-अर्चन किया। सारा अली खान ने अपनी मां के साथ मंदिर में दर्शन कर पूजा-अर्चना की। उन्होंने मां अलोप शंकरी के पालने पर मत्था टेका और देश-प्रदेश की खुशहाली की ऐतिहासिक और चर्चित स्थानों पर हुई। इसमें रेल गांव कॉलोनी, एयरपोर्ट, पत्थर गिरजाघर, सीएवी इंटर कॉलेज, खुसरोबाग, बोट क्लब, सरस्वती घाट, ग्लास फैक्ट्री और रामबगिया प्रमुख रहे। शूटिंग के दौरान इन लोकेशंस पर फिल्मी माहौल देखने लायक रहा। फिल्म पति-पत्नी और वो-2 में कई बड़े चेहरे नजर आएंगे। इसमें आयुष्मान खुराना, सारा अली खान, वामिका गब्बी, रकुल प्रीत सिंह, विजय राज और तिग्मांशु धूलिया मुख्य भूमिकाओं में हैं। घंटों इंतजार करते रहे।खासकर सारा अली खान को देख भीड़ बार-बार तालियां बजाकर उत्साह जताती रही। शूटिंग संपन्न होने के बाद मंदिर दर्शन ने इस फिल्मी सफर को और यादगार बना दिया। पति पत्नी और वो 2 की शूटिंग शुक्रवार की देर शाम खत्म हो गई। इसके बाद अभिनेत्री सारा आली खान टीम संग माँ अलोपशंकरी देवी के दरबार पहुंचीं और माता रानी के दरबार में मत्था टेक आशीर्वाद लिया। मौके पर मौजूद भक्त उन्हें देख रोमांचित हो उठे।

आधुनिक समाचार-विशेष साक्षात्कार
वरिष्ठ आईपीएस अजय साहनी से बातचीत - सुधांशु शर्मा के साथ
प्रस्तुतिः सुधांशु शर्मा, प्रमुख - आधुनिक समाचार रेडियो

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज। **प्रश्न 1: आपकी सेवा में तीन दशकों से अधिक का अनुभव है। इस दौरान आपने पुलिस व्यवस्था में क्या सबसे बड़ा बदलाव**

सुधांशु शर्मा रेडियो प्रमुख आधुनिक समाचार

देखा है? अजय साहनी:-सबसे बड़ा बदलाव तकनीक का आगमन है। पहले जांच-पड़ताल का तरीका काफी पारंपरिक था, लेकिन अब डिजिटल फॉरेंसिक, CCTV, और डेटा एनालिटिक्स जैसी तकनीकों ने पुलिसिंग को ज्यादा प्रभावशाली बना दिया है। **प्रश्न 2: आज के युवा आईपीएस अधिकारियों को आप क्या सलाह देना चाहेंगे?** अजय साहनी:-ईमानदारी और संवेदनशीलता बनाए रखें। आज का युवा अधिकारी बहुत प्रतिभाशाली है, लेकिन उन्हें जमीनी हकीकत से जुड़ना ज़रूरी है। जनता से संवाद और न्यायप्रिय दृष्टिकोण ही उन्हें एक अच्छा अफसर बनाएगा। **प्रश्न 3: क्या आपको लगता है कि पुलिस व्यवस्था में और सुधार की गुंजाइश है?** अजय साहनी:-बिल्कुल। पुलिस व्यवस्था को और पारदर्शी, जवाबदेह और जनोन्मुखी बनाना ज़रूरी है। थानों को तकनीकी रूप से उन्नत करने के साथ-साथ स्टाफ की मानसिक सेहत का भी ध्यान रखना होगा। **प्रश्न 4: आपके नेतृत्व में कई संवेदनशील मामलों को सफलतापूर्वक सुलझाया गया है। कोई ऐसा मामला जो आपके दिल के करीब हो?** अजय साहनी:-एक बार एक बाल तस्करी रैकेट को तोड़ना था, जिसमें बच्चों को बांग्लादेश के रास्ते ले जाया जा रहा था। हमारी टीम ने दिन-रात काम करके कई बच्चों को बचाया। वो पल आज भी मेरी सबसे बड़ी उपलब्धियों में से एक है। **प्रश्न 5: पुलिस और जनता के बीच विश्वास बढ़ाने के लिए क्या कदम उठाए जाने चाहिए?** अजय साहनी:-विश्वास बनाने के लिए संवाद सबसे महत्वपूर्ण है। बीट प्रणाली को मज़बूत करना, सामुदायिक पुलिसिंग को बढ़ावा देना और सोशल मीडिया का सकारात्मक उपयोग करना समय की मांग है। **प्रश्न 6: सेवानिवृत्ति के बाद क्या योजनाएं हैं?** अजय साहनी:-समाज सेवा में सक्रिय रहने का इरादा है।

वरिष्ठ आईपीएस अजय साहनी

खासकर पुलिस सुधारों पर काम करने का मन है। साथ ही युवाओं को मार्गदर्शन देना चाहता हूं ताकि वे भी देश सेवा में योगदान दे सकें। संपादकीय टिप्पणी:-अजय साहनी जैसे अधिकारियों की सोच और सेवा भावना ही देश की सुरक्षा और व्यवस्था को मज़बूती देती है। आधुनिक समाचार उनके अनुभव और दृष्टिकोण को सलाम करता है।

संघ के प्रांत प्रचारक रमेश जी ने नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र के स्किल डेवलपमेंट कार्यक्रमों की करी समीक्षा

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज। राष्ट्रीय स्वयंसेवक

संघ के प्रांत प्रचारक श्री रमेश जी ने नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र के स्किल डेवलपमेंट कार्यक्रमों की समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने सेंटर में चल रहे विभिन्न कौशल विकास कार्यक्रमों का जायजा लिया और उनके प्रभाव का मूल्यांकन किया। यह समीक्षा इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि स्किल डेवलपमेंट कार्यक्रमों का उद्देश्य युवाओं को रोजगार के अवसर प्रदान करना और उन्हें आत्मनिर्भर बनाना है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की इस पहल से निश्चित ही युवाओं को लाभ होगा और वे अपने कौशल में सुधार कर पाएंगे। कुछ महत्वपूर्ण बिंदु जो इस समीक्षा से निकलकर सामने आते हैं:- स्किल डेवलपमेंट कार्यक्रमों का उद्देश्यः युवाओं को रोजगार के अवसर प्रदान करना और उन्हें आत्मनिर्भर बनाना। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की भूमिकाः संघ ने स्किल डेवलपमेंट कार्यक्रमों को बढ़ावा देने और युवाओं को कौशल प्रशिक्षण प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उद्देश्य की प्राप्तिः समीक्षा के दौरान यह देखा गया कि कार्यक्रमों के उद्देश्य को प्राप्त करने में कितनी सफलता मिली है और आगे क्या सुधार किए जा सकते हैं। इस तरह की समीक्षा से न केवल कार्यक्रमों की गुणवत्ता में सुधार होता है, बल्कि युवाओं को भी अपने कौशल में सुधार करने और रोजगार के अवसर प्राप्त करने में मदद मिलती है। क्या अवसर पे उपसिया के अध्यक्ष अरविंद राय एवं अन्य उद्योगपति मौजुद रहे।

2047 तक विकसित उत्तर प्रदेश समर्थ उत्तर प्रदेश कार्यक्रम के तहत उद्यमी संवाद का हुआ आयोजन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। रायबरेली विकास प्राधिकरण

के एकता विहार कालोनी स्थित सामुदायिक केंद्र में हुआ कार्यक्रम का आयोजन। नोडल अधिकारी प्रमुख सचिव चिकित्सा पार्थ सारथी सेन शर्मा ने प्रबुद्ध जनों एवम् उद्यमियों से किया संवाद। कार्यक्रम में जिले के उद्यमीगण, व्यापारी नेता, ट्रेड यूनियन तथा प्रबुद्ध जन उपस्थित रहे।

खिलाड़ी अपना विधायक खेल स्पर्धा पर कराए पंजीयन : राम किशोर

रायबरेली। जिला युवा कल्याण एवं प्रा0वि0द0 अधिकारी राम किशोर ने बताया है कि महानिदेशक युवा कल्याण एवं प्रान्तीय रक्षक दल उ0प्र0 लखनऊ द्वारा विभाग एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा विभिन्न आयु वर्ग में (सब जूनियर, जूनियर एवं सीनियर वर्ग) में जनपद स्तर पर मा0 सांसद एवं विधान सभा क्षेत्र स्तर पर 08 विधाओं में यथा एथलेटिक्स, कबड्डी, कुश्ती, बॉलीबॉल, फुटबाल, भारोत्तलन, जूड़ो एवं बैडमिन्टन में महिला (बालिका) एवं पुरूष (बालक) श्रेणी में ग्रामीण खेल प्रतियोगिता का आयोजन कराया जाना है। मा0 विधायक खेल स्पर्धा में ग्रामीण क्षेत्र में इच्छुक खिलाड़ी अपना पंजीकरण ऑनलाइन युवा साथी पोर्टल पूेः// ब्ल्यूप.ग्ह पर मा0 विधायक खेल स्पर्धा पंजीयन टैब पर कर सकते है।

'मम्मी पैसे दे दो, वरना ये मार देंगे', लखनऊ से 2 बच्चों को किडनैप किया था गिरफ्तार,लखीमपुर से बच्चे सकुशल बरामद,10 लाख की मांगी थी फिरौती

लखनऊ। लखनऊ में 2 बच्चों का अपहरण करने वाला किडनैपर कुछ दिन पहले ही पुणे से नौकरी छोड़कर आया था। उसने साइकिल बरामद किया गया। एफआईआर के अनुसार- अर्जुन (12) अपने साथी प्रद्युम्न यादव (10) के साथ गुरुवार को खेलने निकला था। देर शाम तक करते हुए पता चला कि अपहरणकर्ता बच्चों को चारबाग तक साइकिल से लेकर गया था। उसके बाद लखीमपुर खीरी गया। पुलिस की 5 टीमें लगाई

चला रहे दोनों बच्चों से दोस्ती का नाटक खेला। उन्हें बहलाते हुए बोला कि अगर तुम लोग मेरे साथ स्टिंग (स्ट्रॉन्ग ड्रिंक) पीओगे तो रु50-रु50 दूंगा।दोनों बच्चे किडनैपर के झांसे में आ गए। किडनैपर ने दोनों को एक ही साइकिल से घुमाते हुए चारबाग पहुंचा। यहां उसने स्टिंग पिलाई, चाट खिलाई। इससे भी ज्यादा घुमाने की बात कहकर बस से दोनों बच्चों को लखीमपुर खीरी लेकर पहुंच गया। इधर, बच्चे जब देर शाम तक घर नहीं पहुंचे तो घरवाले बेचैन हो गए। उन्होंने गुमशुदगी लिखाई। अगली सुबह किडनैपर का मैसेज आया। बच्चों से उसने कॉल कराया जिसमें बच्चों ने कहा- मम्मी पैसे दे दो वरना ये हमें मार डालेंगे। यूपी की राजधानी लखनऊ में 10 और 12 साल के दो बच्चों का अपहरण करने वाले किडनैपर को लखीमपुर खीरी से गिरफ्तार कर लिया गया। उसके कब्जे से दोनों बच्चों को सकुशल दोनों के वापस न लौटने पर परिजनों ने इलाके में खोजबीन शुरू की। बच्चे रातभर नहीं मिले। आज शुक्रवार सुबह 6 बजे किडनैपर्स का संजय सिंह के वॉट्सऐप पर मैसेज आया। जिसमें लिखा था- तुम्हारे बच्चे हमारे पास हैं। अगर इन्हें वापस चाहिए तो 10 लाख रुपए देने होंगे। इससे परिजन डर गए। थाना आलमबाग में पहुंचकर रिपोर्ट दर्ज कराई। परिजनों ने पुलिस को बताया- किडनैपर्स ने कहा था कि अगर 10 लाख रुपए नहीं दिए तो बच्चों को जान से मार दिया जाएगा। साइकिल पर ले गया किडनैपर-एसएचओ आलमबाग सुभाष चंद्र सरोज ने बताया- बच्चों की तलाश में पांच टीमें लगी हुई हैं। सीसीटीवी फुटेज में गुरुवार शाम 3 बजे दोनों बच्चे साइकिल चलाते दिखे। उनके पास एक युवक आया। उसने कुछ बात की इसके बाद बच्चों की एक साइकिल वहीं छोड़ी और दूसरी पर दोनों को बैठाकर ले गया। सीसीटीवी फॉलो गई हैं। प्रद्युम्न यादव रेडियल पब्लिक स्कूल में 4वीं का छात्र है। उसके पिता संजय यादव टैक्सी ड्राइवर है। संजय के बड़े भाई रेलवे में नौकरी करते हैं। अर्जुन बाल मॉडल स्कूल में 8वीं का छात्र है। दोनों की साइकिल चारबाग में मोहन होटल के पास से बरामद हुई हैं। घटना के बाद परिवार ने पहले खुद ही बच्चों की तलाश शुरू की, लेकिन देर रात तक कोई पता न चलने पर पुलिस को सूचना दी गई। सूचना मिलते ही पुलिस ने सक्रियता दिखाते हुए सर्विलांस टीम की मदद से तलाश शुरू की। सूत्रों के अनुसार देर रात दोनों बच्चों को सुरक्षित बचा लिया गया। हालांकि पुलिस ने अभी पूरे मामले का खुलासा नहीं किया है। पुलिस ने बताया- आलमबाग के ही रहने वाले विजय शर्मा ने दोनों बच्चों का अपहरण किया था। एक बच्चे के पिता को 10 लाख की फिरौती का मैसेज किया था। पीड़ित पिता ने पुलिस में रिपोर्ट दर्ज कराई थी।

जनपद में 94 धान क्रय केन्द्र स्थापित,धान क्रय केन्द्रों पर शासन के निर्देशों के अनुरूप करें कार्यवाहीः डीएम

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। जिलाधिकारी हर्षिता माथुर ने बताया है कि खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 के लिए किसानों से

सीधे धान क्रय किये जाने हेतु जनपद रायबरेली में क्रय एजेंसी खाद्य विभाग की विपणन शाखा, पी0सी0एफ0 पी0सी0यू0 एवं यू0पी0एस0एस0 द्वारा पूर्व में कुल 59 धान क्रय केंद्र अनुमोदित किये जा चुके है। क्रय एजेंसी की विपणन शाखा के 03, पी0सी0एफ0 के 23, पी0सी0यू0 के 01, यू0पी0एस0ए0 के 04, भारतीय खाद्य निगम के 02 एवं मण्डी परिषद के 02 कुल 35 धान क्रय केंद्र को खोले जाने की स्वीकृति प्रदान की गई। जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों/कर्मचारियों को निर्देश दिये है कि धान क्रय केंद्रों पर धान खरीद से संबंधित समस्त व्यवस्थाएं तत्काल प्रभाव से शासनादेशानुसार/नियमानुसार ससमय पूर्ण कराना सुनिश्चित करें। जिलाधिकारी ने धान क्रय केन्द्रों के बारे में बताया है कि खाद्य विभाग के कुल 28 धान क्रय केन्द्र है जिसमें रायबरेली मण्डी प्रथम, द्वितीय, तृतीय, चतुर्थ एवं पंचम, षष्ठम्, हरचन्दपुर प्रथम एंव द्वितीय, सतांव, महराजगंज उपमण्डी प्रथम, द्वितीय, तृतीय, चतुर्थ, पंचम, षष्ठम्, शिवगढ़ एट जडावगंज, लालगंज मण्डी प्रथम, द्वितीय, ऊँचाहार उपमण्डी प्रथम, द्वितीय, तृतीय, डलमऊ उपमण्डी प्रथम, द्वितीय, सलोन मण्डी प्रथम, द्वितीय, तृतीय, डीह, एवं नसीराबाद (छतोह) में धान क्रय केन्द्र स्थापित किये गये है। इसी प्रकार भारतीय खाद्य निगम के कुल 02 धान क्रय केन्द्र है जिसमें रायबरेली मण्डी एवं हरचन्दपुर में धान क्रय केन्द्र खोले गये है। मण्डी परिषद के कुल 02 धान क्रय केन्द्र है जिसमें रायबरेली मण्डी एवं लालगंज मण्डी धान क्रय केन्द्र खोले गये है।पी0सी0एम0 के कुल 39 धान क्रय केन्द्र है जिसमें बी-पैक्स उत्तरपारा, रतन्सीपुर, खुरैहटी, खागीपुर सड़वा, क्र0वि0सह0स0लि0 रायबरेली एट मण्डी, मुंशीगंज, क्र0वि0सह0स0लि0 रायबरेली एट लोधवारी, बी-पैक्स रसेहता, दुसौती, लालूपुर चौहान, बावन बुजुर्ग बल्ला, डिघिया, खिजिरपुर करौंदी, कृ0से0कें0 महराजगंज, बी-पैक्स कोटवा मोहम्दाबाद, टूक, सह0 संघ शिवगढ़, बी-पैक्स बैंती, डी0सी0डी0एफ0 एट राजामऊ संघ, गूढ़ा संघ, बी-पैक्स कलुईखेड़ा, ऊँचाहार, रामसाण्डा, किशुनदासपुर, कृ0से0कें0 पटेरवा, बी-पैक्स दौलतपुर उड़वा, भीख, कठगर, भीरा गोविन्दपुर, घुरवारा, गोविंदपुर माधौ, गौरा हरदों, क्र0वि0सह0स0लि0 एट मण्डी सलोन, बी-पैक्स डीह, कृ0से0कें0 पंचायत भवन रोखा, बी-पैक्स जायस एट काजीपुर तोलियानी, बेवल, छतोह में धान क्रय केन्द्र खोले गये है। पी0सी0यू0 के कुल 13 धान क्रय केन्द्र है जिसमें बी-पैक्स लोधवामऊ, चंदापुर, खीरों, खुर्रमपुर, लोदीपुर उतरावां, जलालपुर धई, सुक्ठा पश्चिम, पारी, बरवलिया, उमरी, धरई, टेकारी दांदू, नसीराबाद में धान क्रय केन्द्र खोले गये। यू0पी0एस0एस0 के कुल 10 धान क्रय केन्द्र है जिसमें बी-पैक्स रहवां, कोरिहर, कसरावां, मीठापुर बढैया, मल्केगांव, इब्राहिमपुर, मऊ, पदमपुर बिजौली, पैरया नमकसार एवं बारा नं0-1 में धान क्रय केन्द्र स्थापित किये गये है।

रोजगार मेले का आयोजन 15 सितम्बर को

रायबरेली। जिला सेवायोजन अधिकारी विजय बहादुर सिंह सेंगर

ने बताया है कि जिला सेवायोजन कार्यालय द्वारा 15 सितम्बर 2025 को रोजगार मेले का आयोजन, स्वामी सत्यमित्रानंद महाविद्यालय, महानन्दपुर, रायबरेली में किया जाना प्रस्तावित हैं जिसमें निजी क्षेत्र की कम्पनी ब्राइट फ्यूचर आग्रेनिक हर्बल लि0, पुखराज हेल्थ केयर, एस0पी0एन0एन0 बिजनेस सर्विसेज प्रा0 लि0, शिवशक्ति बायोटेक्नोलॉजी लि0, बूसा मैनेजमेंट मार्केटिंग लि0 एवं टाटा मोटर्स लि0, द्वारा प्रतिभाग किया जाना है। जिसमें न्यूनतम हाईस्कूल पास अभ्यर्थी प्रतिभाग कर सकते हैं। इच्छुक अभ्यर्थी मेले में अपने साथ मूल शैक्षिक अभिलेख एवं पासपोर्ट साइज फोटो के साथ सम्मिलित हो सकते है। रोजगार मेले में प्रतिभाग करने के लिये सर्वप्रथम अभ्यर्थियों को रोजगार संगम पोर्टल https://rojgaarsangam.up.gov.in पर ऑनलाइन पंजीयन कराना अनिवार्य हैं। पंजीकरण में असुविधा होने पर जिला सेवायोजन कार्यालय, रायबरेली में किसी भी कार्य दिवस में संपर्क किया जा सकता है।

मीडिया क्लब अध्यक्ष आलोक द्विवेदी ने की रक्षामंत्री से मुलाक़ात

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। मीडिया क्लब के अध्यक्ष

आलोक द्विवेदी और आईएमए के पूर्व अध्यक्ष डॉ नरेंद्र शर्मा ने केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से मुलाक़ात की। रक्षा मंत्री के दिल्ली स्थित आवास पर हुई मुलाक़ात के दौरान नोएडा की कानून व्यवस्था, विकास कार्यों और सामाजिक संगठनों द्वारा किए जा रहे विभिन्न कार्यों की लेकर चर्चा की गयी। रक्षा मंत्री से मुलाक़ात के दौरान नोएडा मीडिया क्लब के अध्यक्ष आलोक द्विवेदी ने भी नोएडा में पत्रकारों की सुरक्षा और अन्य मुद्दों को लेकर बातचीत की,वहीं पिछले दिनों मीडिया क्लब में फ़ोटो जर्नलिस्ट द्वारा लगाई गयी फ़ोटो प्रदर्शनी की भी जानकारी रक्षा मंत्री के साथ साझा की गयी। इसके अलावा पत्रकारों के हित में चलाई जा रही केंद्र और राज्य सरकार की योजनाओं का लाभ भी नोएडा के पत्रकारों को मिले इसका भी अनुरोध रक्षामंत्री से किया गया। मुलाक़ात के दौरान मीडिया क्लब के अध्यक्ष आलोक द्विवेदी ने रक्षामंत्री को मीडिया क्लब में आने का आमंत्रण भी दिया जिसपर रक्षामंत्री ने शीघ्र ही मीडिया क्लब आने का आश्वासन दिया।

जलती आग से बचकर निकले डॉग, प्रयागराज में आरपीएफ जवानों संग करतब दिखाए, 'मैक्स' ने 3 हत्याओं का खोला था राज

प्रयागराज। प्रयागराज में आरपीएफ जवानों के साथ उनके डॉग्स ने एक से बढ़कर एक करतब दिखाए। डॉग्स रिंग में उठती आग की लपटों के बीच से कूद गए। सभी ने सैल्यूट किया और दो पैरों पर की चेकिंग करता है। इनकी ड्यूटी दो से चार घंटे की शिफ्ट में कराई जाती है, ताकि थकान असर न डाल सके। आरपीएफ कमिश्नर रेनू पी छिब्बर ने बताया- अपराधियों के लिए अब रेलवे आसान निशाना नहीं

चलकर दिखाया। इसके अलावा, डॉग्स ने यह भी दिखाया कि वे कितनी ऊंचाई तक छलांग लगा सकते हैं, पर्दे के पीछे छिपे टारगेट को कैसे भांप सकते हैं और स्टैंड अप शटडाउन का पालन कैसे करते हैं। यह भी करके दिखाय।दरअसल, रेल यात्रियों की सुरक्षा के लिए आरपीएफ की डॉग स्क्वॉड की अहम भूमिका रहती है। ये डॉग किस तरह अपने दुश्मनों या टारगेट को पहचान लेते हैं, इसे दिखाने के लिए 18वीं अखिल भारतीय डॉग प्रतियोगिता प्रयागराज में कराई गई। पांच दिन की यह प्रतियोगिता 12 सितंबर को खत्म हुई। देशभर से 16 टीमों के 137 सदस्य और 66 डॉग्स ने हिस्सा लिया। तीन ट्रेड- एक्सप्लोसिव, नार्कोटिक्स और ट्रैकर में डॉग ने मुकाबला किया। इसमें बेल्जियम नस्ल का डॉग मैक्स पहले स्थान पर रहा। मैक्स ने बिहार के बेगूसराय में तीन हत्या के मामलों को सुलझाने में मदद की थी, जिसके लिए उसे एसपी ने भी पुरस्कृत किया था। प्रतियोगिता में रेलवे सुरक्षा बल के सेवानिवृत्त सदस्य और यूपी पुलिस के विशेषज्ञ ज्यूरी मेंबर रहे। डॉग हैंडलर अमित कुमार सिंह ने बताया- मैक्स बेल्जियम मेलिनॉइस नस्ल का कुत्ता है। मैक्स छह माह की उम्र में आरपीएफ के डॉग स्क्वॉड का हिस्सा बना था। मैक्स की ट्रेनिंग में बेसिक से लेकर एडवांस ट्रेनिंग शामिल है। मैक्स को सुबह 6 बजे एक्सरसाइज करवाई जाती है। इसके बाद उसे कैनल फूड खिलाया जाता है। फिर एसी युक्त केनल में आराम करता है। हम दिन के 18 घंटे तक डॉग के साथ रहते हैं। डॉग का खाना-पीना और व्यवहार सब परिवार जैसा ही है। ड्यूटी के वक्त यह डॉग राजधानी, शताब्दी, वंदे भारत और अमृत भारत जैसी महत्वपूर्ण ट्रेनों रह गया। आधुनिक तकनीक के साथ जब बेल्जियम मेलिनॉइस जैसे प्रशिक्षित डॉग्स तैनात होते हैं, तो अपराधियों के बच निकलने की गुंजाइश बेहद कम हो जाती है। डॉग न केवल ट्रेनों और स्टेशनों पर संदिग्ध गतिविधियों को पहचानते हैं, बल्कि विस्फोटक और नशे जैसी तस्करी को भी आसानी से ट्रैक कर लेते हैं। बारिश, गर्मी, आग या ठंड हर मौसम में डॉग और उनके हैंडलर अपराध से जंग के लिए तैयार रहते हैं। हैंडलर ओमप्रकाश शर्मा ने बताया- जिस तरह सेना के जवानों या पुलिस के जवानों की ट्रेनिंग होती है, उसी तरह डॉग्स को भी प्रशिक्षण दिया जाता है। स्निफर डॉग्स की नौ माह की ट्रेनिंग आरपीएफ के तमिलनाडु के कैंप में होती है। इनका काम ट्रेन, रेलवे ट्रैक या किसी भी अन्य जगह पर किसी प्रकार के विस्फोटक का पता लगाना होता है। ये सूंघकर विस्फोटक का पता लगाने में माहिर होते हैं। जहां पर विस्फोटक रखा होता है, ये उस जगह को तलाश कर उसके पास बैठ जाते हैं। प्रयागराज में रेलवे की सुरक्षा में रैंगो, ब्रावो, विक्टर और सुल्तान डॉग्स तैनात हैं। डॉग्स सुबह-शाम प्रयागराज में प्लेटफॉर्म और ट्रैक पर निरीक्षण करते हैं। जब कोई संवेदनशील मामला होता है तो भी इन चारों को बुलाया जाता है। इसमें सबसे सीनियर रैंगो है। जो पांच साल से तैनात है। इसकी रैंक सब इंस्पेक्टर के बराबर है। इसके बाद ब्रावो और विक्टर तीन साल से सेवा दे रहे। ये स्निफर डॉग हैं। इनकी खूबी है कि सूंघ कर किसी भी विस्फोटक सामग्री का पता लगा सकते हैं। डाबर मैन सुल्तान का काम रेलवे की चोरी गई संपत्ति का पता लगाना है। सुल्तान अभी डेढ़ साल की ट्रेनिंग के बाद एक माह पहले ही दस्ते में शामिल हुआ है।

नगर निगम सदन की बैठक में पारित कई अहम प्रस्ताव-स्ट्रीट लाइटों की खराबी, साफ़-सफाई,हाउस टैक्स में राहत सहित कई प्रस्तावों पर चर्चा

प्रयागराज। नगर निगम प्रयागराज की सदन बैठक गुरुवार को दोपहर संपन्न हुई जो की नगर निगम मुख्यालय में आयोजित की गई। पार्षदों ने अपने क्षेत्रों की समस्याएं भी सदन के सामने रखीं। शहर में जलभराव की गंभीर स्थिति को देखते हुए प्रस्ताव रखा गया कि जलकल,

बैठक की अध्यक्षता महापौर उमेश चंद्र गणेश केसरवानी ने की। इसमें पार्षदों और अधिकारियों की उपस्थिति में शहर से जुड़े कई अहम मुद्दों पर चर्चा हुई और निर्णय लिए गए। बैठक में सबसे पहले गंगाप्रदूषण नियंत्रण इकाई द्वारा शहर में सीवर क्षतिग्रस्त होने और नालों में कनेक्टिविटी की समस्याओं पर चर्चा की गई। कई जल निगम और गंगाप्रदूषण नियंत्रण इकाई जैसे विभागों के साथ-साथ नगर निगम के इंजीनियरिंग विभाग को भी निर्माण कार्यों में शामिल किया जाए ताकि सही लेवलिंग और गुणवत्तापूर्ण कार्य सुनिश्चित हो सके। साथ ही यह भी तय किया गया कि भुगतान से पहले कार्य की गुणवत्ता की जांच जरूरी होगी।

समर्थ उत्तर प्रदेश-विकसित उत्तर प्रदेश अभियान अंतर्गत महिला समूह के साथ संवाद कार्यक्रम सम्पन्न

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। उत्तर प्रदेश-विकसित उत्तर प्रदेश (2047) अभियान के तहत विकास खण्ड सभागार अमावां में एक संवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम की थीम अर्थ शक्ति, सृजन शक्ति एवं जीवन शक्ति रही। कार्यक्रम में जिलाधिकारी हर्षिता माथुर विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं। इस अवसर पर राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं एवं प्रबुद्धजनों के बीच सार्थक संवाद हुआ। कार्यक्रम में पाँच सदस्यीय प्रबुद्धजनों की टीम वीरेन्द्र कुमार (सेवानिवृत्त आईएएस), बी.आर. कुशवाहा (सेवानिवृत्त कर्नल), जितेन्द्र कुमार सिंह (सेवानिवृत्त प्रोफेसर), कौशलेष कुमार सिंह (वरिष्ठ वैज्ञानिक) एवं शेखर अग्रवाल (सेवानिवृत्त मुख्य अभियंता) ने सहभाग किया।प्रबुद्धजनों

ने ग्रामीण विकास, महिला सशक्तिकरण, सुरक्षा, वित्त पोषण, बैंक लिंकेज, कौशल एवं प्रशिक्षण से जुड़े विषयों पर विस्तृत चर्चा की तथा महिलाओं को जागरूक किया। साथ ही समर्थ उत्तर प्रदेश-विकसित उत्तर प्रदेश अभियान की रूपरेखा, विगत 8 वर्षों की उपलब्धियों एवं भविष्य के रोडमैप पर भी विचार-विमर्श किया। स्वयं सहायता समूह की महिलाओं रेखा, दीपांजली मौर्या, कमरून निशा, अखिलेश कुमारी,सीमा देवी एवं सिद्धदात्री ने भी अपने अनुभव एवं सुझाव साझा किए। खण्ड विकास अधिकारी अमावां ने समूहों की प्रगति, राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन की रूपरेखा एवं आजीविका गतिविधियों का प्रस्तुतीकरण किया। कार्यक्रम के दौरान वीरेन्द्र कुमार (सेवानिवृत्त आईएएस) ने महिलाओं को प्रेरित करते हुए कहा कि 'जनपद के प्रत्येक घर से सुझाव लेकर सभी महिलाएं विकसित उत्तर प्रदेश के निर्माण में अपनी सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करें।' इस अवसर पर महिलाओं को पोर्टल एवं क्यूआर कोड के माध्यम से सुझाव प्रेषित करने का प्रशिक्षण भी दिया गया। बड़ी संख्या में प्रतिभागी महिलाओं ने ऑनलाइन माध्यम से अपने सुझाव साझा किए। कार्यक्रम में जिला विकास अधिकारी अरुण कुमार, उपायुक्त (श्रम रोजगार) प्रमोद कुमार चन्द्रौल, उपायुक्त (स्वरोजगार) सविता सिंह एवं खण्ड विकास अधिकारी अमावां संदीप सिंह, जिला प्रोबेशन अधिकारी जयपाल वर्मा, एडीएसटीओ महेंद्र सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

थाना दिवस पर मिल एरिया में डीएम-एसपी ने सुनी लोगों की शिकायतें, समयबद्ध निस्तारण का दिया निर्देश

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। जिलाधिकारी हर्षिता

माथुर व पुलिस अधीक्षक डॉ यशवीर सिंह ने मिल एरिया में थाना दिवस के अवसर पर लोगों की फरियाद सुनीं। उनके सामने भूमि पर अवैध कब्जे, मारपीट, आपसी रंजिश, महिला उत्पीड़न आदि से संबंधित शिकायतें आयीं। उन्होंने संबंधित को निर्देश देते हुए कहा कि जनता की शिकायतों का त्वरित निस्तारण कराया जाए। डीएम ने कहा कि थाना समाधान दिवस में जमीनी विवादों की शिकायतों को सूचीबद्ध कर राजस्व एवं पुलिस की संयुक्त टीम गठित कर मौके पर जाकर बिना किसी पक्षपात के उन शिकायतों का समयावधि के अंदर गुणवत्तापूर्ण निस्तारण कराए। जिससे कि फरियादियों को बार-बार अपनी शिकायत को लेकर इधर-उधर भटकना न पड़े।

उन्होंने थाना दिवस रजिस्टर और भूमि विवाद रजिस्टर को भी देखा। कहा कि रजिस्टर में दर्ज विवादो को जल्द से जल्द निस्तारित कराया जाए।इस अवसर पर पुलिस व राजस्व विभाग के अधिकारी/कर्मचारी उपस्थित रहें।

गलगोटिया कॉलेज और अल्ट्राटेक सीमेंट आधुनिक सेंटर आफ एक्सीलेंस की करेगा स्थापना

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। गलगोटिया कॉलेज ऑफ़

इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, ग्रेटर नोएडा ने अल्ट्राटेक सीमेंट के साथ एक महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। इस समझौते के अंतर्गत कॉलेज में एक अत्याधुनिक सेंटर ऑफ एक्सीलेंस की स्थापना की जाएगी, जिसका उद्देश्य सिविल इंजीनियरिंग, सामग्री विज्ञान तथा टिकाऊ निर्माण तकनीकों के क्षेत्र में अनुसंधान, कौशल विकास और शिक्षा में औद्योगिक को बढ़ावा देना है। यह समारोह की अध्यक्षता भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, कानपुर के मुख्य अभियंता डॉ. राजीव गुप्ता ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि यह एक अनुकरणीय उदाहरण है कि किस प्रकार उद्योग और शिक्षण संस्थान मिलकर तकनीकी प्रगति और स्थायित्व को बढ़ावा दे सकते हैं। उन्होने श्रेष्ठता केंद्र की स्थापना पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि यह संस्थान के अनुसंधान परिवेश को समृद्ध करेगा और मल्टीडिसीपलिनरी प्रोजेक्ट को प्रोत्साहित करेगा। इस अवसर पर अल्ट्राटेक सीमेंट के वरिष्ठ पदाधिकारी श्री विवेक जैन, संयुक्त अध्यक्ष, उत्तर क्षेत्र एवं इंजीनियर राहुल गोयल, वरिष्ठ उपाध्यक्ष, भी उपस्थित रहे। इस आयोजन में संकाय सदस्य, छात्रगण एवं उद्योग

प्रतिनिधियों ने भाग लिया, जो इस पहल की व्यापक स्वीकृति और प्रासंगिकता को दर्शाता है। गलगोटियाज के मुख्य कार्यकारी अधिकारी डॉ. ध्रुव गलगोटिया ने कहा कि ष्यह सहयोग हमारे संस्थान के उस मिशन को सशक्त करता है, जिसके अंतर्गत हम छात्रों को शैक्षणिक रूप से सक्षम और उद्योग के लिए तैयार नेतृत्वकर्ता के रूप में विकसित कर रहे हैं। श्री विवेक जैन ने कहा ष्अल्ट्राटेक का विश्वास है कि नवाचार और सस्टेनेबिलिटी के माध्यम से हम भविष्य का निर्माण कर सकते हैं। यह साझेदारी छात्रों को व्यावहारिक अनुभव, अनुसंधान के अवसर और नवीनतम औद्योगिक प्रक्रियाओं से जोड़ने का सशक्त माध्यम बनेगी। इंजीनियर राहुल गोयल ने कहा कि इस पहल से छात्रों को अत्याधुनिक तकनीकों, अनुसंधान अवसरों और उद्योग मेंटरशिप का लाभ मिलेगा, जिससे उनकी रोज़गार योग्यता में वृद्धि होगी और वे निर्माण क्षेत्र में बेहतर योगदान दे सकेंगे। गलगोटिया प्रशासन ने इस साझेदारी के महत्व को बताते हुये प्रमुख लक्ष्यों की रेखांकित किया। सीमेंट एवं कंक्रीट प्रौद्योगिकी में उन्नत अनुसंधान, टिकाऊ निर्माण तकनीकों पर केंद्रित परियोजनाएँ, छात्रों एवं संकाय के लिए विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम, कार्यशालाएँ एवं प्रमाणन संस्थान एवं अल्ट्राटेक के विशेषज्ञों के मध्य संयुक्त अनुसंधान प्रोजेक्ट पर काम किया जाना है।

ईशान शिक्षण संस्थान में ओरियेन्टेशन दीक्षारम्भ 2025 का जिलाधिकारी ने किया शुभारम्भ

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। ईशान शिक्षण संस्थान,

ग्रेटर नोएडा में सत्र 2025-26 के नवप्रवेशित विद्यार्थियों हेतु 'ओरियेन्टेशन दीक्षारम्भ 2025' का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ जनपद गौतमबुद्ध नगर की जिलाधिकारी मेधा रूपम द्वारा किया गया। जिलाधिकारी ने विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए कहा कि कठिन परिस्थितियों में भी कभी पीछे नहीं हटना चाहिए। आत्मविश्वास, दृढ़ संकल्प एवं कठिन परिश्रम के बल पर कोई भी बड़ा लक्ष्य प्राप्त किया जा सकता है। उन्होंने अपने अनुभव साझा करते हुए कहा कि वे स्वयं मनोविज्ञान की छात्रा रही हैं। जिलाधिकारी ने संस्थान के चेयरमैन डा0 डी0के0 गर्ग, मुख्य कार्यकारी अधिकारी डा0 तुषार आर्य तथा डा0 अमन आर्य की प्रशंसा करते हुए कहा कि संस्थान ने इस जनपद में वैदिक संस्कृति को संजोए रखने में सराहनीय योगदान दिया है। आयुर्वेदिक अस्पताल द्वारा दी जा रही सेवाओं की भी उन्होंने विशेष सराहना की तथा संस्थान को जनपद का 'सबसे उत्कृष्ट शिक्षण संस्थान' की उपाधि प्रदान की। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने परिसर में वृक्षारोपण किया। संस्थान प्रबंधन की ओर से उन्हें स्मृति चिन्ह एवं शॉल भेंटकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में विशेष अतिथि के रूप में पधारे आईएफएस (सेवानिवृत्त) डी0आर0 बंसल ने विद्यार्थियों को एकाग्रता एवं कठिन परिश्रम से अध्ययन करने हेतु प्रेरित किया। उन्होंने अपने छात्र जीवन के अनुभव साझा किए तथा प्रशासनिक सेवा परीक्षा की तैयारी के दौरान आने वाली चुनौतियों पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि वर्तमान में उनका परिवार भी प्रशासनिक एवं पुलिस सेवाओं के माध्यम से देश की सेवा कर रहा है। कार्यक्रम के अंतिम चरण में संस्थान के एल्यूमनी एवं मोटिवेशनल स्पीकर तपस दास महापात्रा तथा लेखिका एवं डिजिटल क्रिएटर कामिनी कुसुम ने विद्यार्थियों को कौशल विकास, अध्ययन की तकनीक एवं सफलता प्राप्त करने के सूत्रों पर मार्गदर्शन प्रदान किया। इस दौरान कॉलेज प्रबंधन समिति द्वारा विद्यार्थियों को टी-शर्ट, मेडिकल किट इत्यादि का वितरण किया गया।

'साहित्य उत्सव 2025' का सफल आयोजन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। हिंदी दिवस के अवसर पर एवियर कॉलेज ऑफ हायर

एजुकेशन के मानविकी एवं विधि विभाग द्वारा 'साहित्य उत्सव 2025' का आयोजन किया गया जिसमें मुख्य अतिथि के तौर पर माइक के जादूगर एवं काव्य शिरोमणि अवॉर्ड से सम्मानित प्रसिद्ध कवयित्री पूनम मल्होत्रा उपस्थित थीं। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में हिंदी भाषा और साहित्य के प्रति जागरूकता एवं गौरव की भावना को बढ़ाना था।उत्सव में चार प्रतियोगिताएँ आयोजित की गईं। कविता पाठ में विनीत, सिद्धि दुबे और वंशिका विजेता बने। वाद-विवाद प्रतियोगिता में परी और निर्मल ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में श्रृष्टि, श्रुति, गीतांजलि, अंकिता और करण विजेता रहे। वहीं पोस्टर प्रतियोगिता में संजू, प्रितियांशा और सनैया ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। कॉलेज की प्रबंध निदेशक कनिका सिंह ने कहा कि हिंदी केवल भाषा नहीं, बल्कि हमारी सांस्कृतिक धरोहर है। साहित्य उत्सव के माध्यम से हमने छात्रों में हिंदी के प्रति प्रेम और गर्व की भावना को प्रोत्साहित किया है। आने वाली पीढ़ियों को हिंदी की समृद्ध परंपरा से जोड़ना ही इस उत्सव का मुख्य उद्देश्य रहा। इस अवसर पर एजीक्यूटिव डायरेक्टर अमरेश सिंह, डीन एकेडमिक्स डॉ अभिषेक स्वामी आदि मौजूद थे।

16 दिवसीय वैभव महालक्ष्मी व्रत का समापन 14 सितंबर को

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। 16 दिवसीय वैभव महालक्ष्मी व्रत का

समापन दिनांक 14 सितंबर रविवार को समापन होगा। यह व्रत 31 अगस्त राधा अष्टमी से प्रारंभ हुआ था । दिनांक 14 सितंबर 2025 दिन रविवार को आश्विन मास की कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि है । इस दिन पर महालक्ष्मी पूजन का विधान है दिनांक 14.9.25 रविवार को शाम 4:30 बजे से रात्रि 7:00 बजे तक बाबा जगमोहनेश्वर महादेव मंदिर, चंदापु मंदिर प्रांगण में प्राण प्रतिष्ठित लक्ष्मी नारायण भगवान के दरबार के सामने पूजन अर्चन संपन्न किया जाएगा। जिसमें संपूर्ण पूजन सामग्री की व्यवस्था मंदिर परिसर से व्यवस्थित की जाएगी। कृपया दिनांक 14 सितंबर दिन रविवार को शाम 4:30 बजे बाबा के दरबार में पहुंच करके मां लक्ष्मी की कृपा प्राप्त करें ।इस अवसर पर 5 बार कनकधारा स्तोत्र का पाठ होगा।, 5 बार श्री सुक्तम का पाठ होगा। तथा हवन होगा तथा फिर प्रसाद का वितरण होगा।

जीएम से मिल ग्रामीण क्षेत्रों में जलापूर्ति और सीवर की रखी मांग-नोवरा

रोहिल्लापुर, सदरपुर, छलेरा, सदरपुर कॉलोनी की पानी सप्लाई पर हुई बात

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। सेक्टर 5 स्थित नॉएडा जल विभाग के कार्यालय में नॉएडा

विलेज रेसिडेंट्स एसोसिएशन के अध्यक्ष डॉक्टर रंजन तोमर ने नॉएडा प्राधिकरण के जीएम श्री आरपी सिंह से मुलाकात की एवं ग्रामीण क्षेत्रों से सम्बंधित एक मांगपत्र उन्हें सौंपा , संवाददाताओं से बात करते हुए श्री तोमर ने कहा की उन्होंने रोहिल्लापुर गाँव में बची हुई जगहों पर सीवर लाइन और जल लाइन सम्बंधित ज्ञापन दिया एवं सदरपुर , छलेरा एवं सदरपुर कॉलोनी में जहाँ पानी की पाइपलाइन आ चुकी है पर पानी उसके बाद भी चालू नहीं किया गया है उस बाबत श्री सिंह से बात रखी , जिसके बाद उन्होंने जल्द से जल्द उसके निस्तारण की बात कही और कहा की जल्द ही जहाँ पाइपलाइन डल चुकी है वहां पानी आएगा। नोवरा अध्यक्ष ने कहा की बहुत सालों से जल की समस्या बनी हुई है जो जल्द ही निस्तारित होने से ग्रामीणों को राहत मिलेगी , कुछ गाँवों में पिछले कुछ वर्षों में बेहतर जल सप्लाई और कम टीडीएस जल अब प्राप्त हो रहा है जिसके लिए संस्था ने श्री सिंह को धन्यवाद किया किन्तु अभी बहुत से गाँवों में जल सप्लाई में त्रुटियां हैं जो धीरे धीरे ठीक होनी चाहिए।

ग्रीन ग्रेटर नोएडा वेस्ट के तहत सभी दस पुलिस चौकियों पर उ0 प्र0 कल्चरल फोरम एवं नेफोमा ने बैठने के लिए बेंच और पौधे दिए

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। उत्तर प्रदेश कल्चरल फोरम एवं नेफोमा के सौजन्य

से मिशन ग्रीन ग्रेटर नोएडा के अंतर्गत ग्रेटर नोएडा वेस्ट में बिसरख थाना अंतर्गत आने वाली सभी दस पुलिस चौकियों पर पौधे एवं आगंतुकों के बैठने के लिए स्टील की बेंच को एस सिटी पुलिस चौकी में एसीपी दीक्षा सिंह एवं थाना प्रभारी बिसरख मनोज कुमार सिंह को सुपुर्द किया गया। इस अवसर पर फोरम के अध्यक्ष दीपक दूबे ने कहा कि पुलिस चौकियों में अधिकांश पीड़ित हारे थके और परेशान लोग आते हैं , चौकी के बाहर बैठने की व्यवस्था को और अच्छा करने का प्रयास किया गया है ऐसे में हम नागरिकों का भी कुछ कर्तव्य है कि जहां जहां संभव हो वहां सरकार और प्रशासन के साथ हाथ मिलाकर शहर को बेहतर बनाने में अपनी भूमिका निभानी चाहिए।

नेफोमा अध्यक्ष अन्नू खान ने कहा कि इससे पुलिस और नागरिकों के बीच सहयोग की भावना बढ़ती है साथ ही आने वाले समय में हम लोग अन्य सार्वजनिक स्थानों और पार्कों में भी इस तरह की व्यवस्था का प्रयास करेंगे।

इस अवसर पर ग्रेटर नोएडा वेस्ट की कई सोसाइटियों के निवासी, एओए पदाधिकारी एवं अन्य समाज सेवी उपस्थित थे.इस अवसर पर उमेश सिंह, अविनाश सिंह, ओम उज्ज्वल, के0 के0 सिंह, आनंद सिंह, रती रानी, कृष्णा नंद, शशि भूषण, देवेन्द्र चौधरी, दीपक शर्मा आदि सदस्य उपस्थित रहें।

ओवरलोड वाहनों के विरुद्ध परिवहन विभाग की कड़ी कार्रवाई,परिवहन विभाग द्वारा आज 13 ओवरलोड वाहनों के विरुद्ध चालान किया गया प्रशमन शुल्क रु 8 लाख 80 हजार किया गया वसूल

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी (प्रवर्तन) गौतम बुद्ध नगर डॉक्टर उदित नारायण पांडे ने बताया

कि ओवरलोडिंग वाहनों पर अंकुश लगाने के उद्देश्य से परिवहन विभाग के अधिकारीगण, सहायक संभागीय अधिकारी (प्रवर्तन) नन्द कुमार, अभिषेक कनौजिया व यात्रीकर अधिकारियों द्वारा कड़ी कार्यवाही सुनिश्चित कर रहे हैं। परिवहन विभाग द्वारा ओवर लोडिंग पर कड़ी कार्यवाही करते हुये 13 ओवरलोड वाहनों के विरुद्ध चालान कर सेक्टर और सेक्टर 142, नालेज पार्क, बादलपर में निरुद्ध किया गया तथा प्रशमन शुल्क रु 8 लाख 80 हजार आरोपित किया गया। सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी ने बताया कि परिवहन विभाग गौतमबुद्ध नगर द्वारा वित्तीय वर्ष मे माह 2025 में अब तक क्रमिक रूप से 756 वाहनों के चालान व 506 वाहन बन्द से 3 करोड़ 28 लाख रु प्रशमन शुल्क वसूल किया गया है। उन्होंने ओवरलोडिंग ट्रकों, मिनी ट्रकों के संचालकों एवं वाहन चालकों को बताया कि वाहन में क्षमता से अधिक माल लादने से कई गंभीर नुकसान भी पहुंचाता है। आइए इसके नुकसानों को समझें और ओवरलोडिंग से बचें। ओवरलोडिंग के नुकसानः- सड़क दुर्घटनाओं का खतराः अधिक वजन के कारण ट्रक का संतुलन बिगड़ सकता है, जिससे ब्रेक फेल होने, टायर फटने या वाहन के पलटने की संभावना बढ़ जाती है। यह चालक और अन्य लोगों की जान को जोखिम में डालता है। वाहन की क्षतिः- ओवरलोडिंग से ट्रक के इंजन, सस्पेंशन, टायर और ब्रेक पर अतिरिक्त दबाव पड़ता है, जिससे वाहन जल्दी खराब हो जाता है और मरम्मत का खर्च बढ़ता है। सड़कों का नुकसानः- अधिक वजन वाले वाहन सड़कों पर गड्ढे और दरारें पैदा करते हैं, जिससे सड़कें जल्दी खराब होती हैं। इससे सरकार को बार-बार मरम्मत करानी पड़ती है, जो जनता के टैक्स के पैसे का दुरुपयोग है। ईंधन की बर्बादीः-ओवरलोडेड वाहनों को चलाने में अधिक ईंधन खर्च होता है, जिससे परिवहन लागत बढ़ती है और पर्यावरण को नुकसान पहुंचता है, क्योंकि ज्यादा ईंधन जलने से प्रदूषण बढ़ता है। कानूनी परेशानीः- भारत में मोटर वाहन अधिनियम के तहत ओवरलोडिंग गैरकानूनी है। पकड़े जाने पर भारी जुर्माना(रु 20 हजार और रु 2 हजार प्रतिटन) वाहन जब्ती और चालक लाइसेन्स व परमिट निरस्तीकरण सहित अनेक कड़ी कानूनी कार्रवाई का सामना करना पड़ सकता है। समय की हानिः- ओवरलोडेड ट्रक धीमी गति से चलते हैं और बार-बार खराब होने की वजह से माल की डिलीवरी में देरी होती है, जिससे व्यापार पर असर पड़ता है। ओवरलोडिंग न करने की अपीलः-उन्होंने सभी ट्रक चालकों, मालिकों और परिवहन व्यवसायियों से अपील करते हुए कहा कि वाहनों की निर्धारित क्षमता का सम्मान करें और ओवरलोडिंग से बचें। यह न केवल आपकी और दूसरों की सुरक्षा सुनिश्चित करेगा, बल्कि आपके वाहन की उम्र बढ़ाएगा, सड़कों को सुरक्षित रखेगा और पर्यावरण की रक्षा करेगा। आइए, हम सब मिलकर जिम्मेदार नागरिक बनें और नियमों का पालन करें। ओवरलोडिंग से बचें, सुरक्षित भविष्य बनाएं!

नोएडा और ग्रेटर नोएडा में आवारा कुत्तों का आतंक,आवारा कुत्तों पर यूपी सरकार का सर्कुलर सुप्रीम कोर्ट के आदेशों का उल्लंघनःविजय गोयल

फोनरवा शहरवासियों के लिए मजबूती से लड़ेगी आवारा हिंसक कुत्तों के मामले की लड़ाई-योगेंद्र शर्मा,गोयल घूम-घूम कर RWAS के साथ बैठक करेंगे

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। फोनरवा के आव्हान पर आवारा कुत्तों के काटने की समस्या को लेकर देश भर में तीन साल से आंदोलन चला रहे लोक अभियान के अध्यक्ष और पूर्व केंद्रीय मंत्री विजय गोयल ने आज नोएडा मीडिया क्लब में संवाददाता सम्मेलन में बताया कि आवारा कुत्तों को लेकर कुछ डॉग फीडर्स ने हाय-तौबा मचा पूरे देश को बंधक बना लिया है। फोनरवा अध्यक्ष योगेन्द्र गर्म ने बताया कि नोएडा में बढ़ते कुत्तों के मामलेबीके मामले में पूर्व मंत्री विजय गोयल जी जो इस लड़ाई को काफी पहले से लड़ रहे हैं उनके साथ फोनरवा प्रतिनिधिमंडल ने मुलाकात की और नोएडा और ग्रेटर नोएडा की लड़ाई लड़े। पूर्व मंत्री विजय गोयल ने पूरे एनसीआर क्षेत्र, गाजियाबाद, फरीदाबाद, गुडगांव, दिल्ली सब जगह आवारा कुत्तों के कारण बहुत समस्याएं हैं। हजारों कुत्ते रोज काट रहे हैं, लोग चुपचाप इंजेक्शन लगवा के चले आते हैं। राज्य सरकारें प्रशासन इस समस्या की अनदेखी कर रहे हैं। सुप्रीम कोर्ट कन्फ्यूज़ हैं। दो जज की बेंच कहती है सब कुत्तों को पकड़ लो। शेल्टर होम में डाल दो।उन्हीं की 3 जज की बेंच कहती है कुत्तों को छोड़ दो। गोयल ने कहा देश भर में 12 करोड़ से अधिक कुत्ते हैं। हमारा देश कुत्तों की संख्या में सबसे आगे है। हमारा देश में कुते काटने की संख्या सबसे ज्यादा है हमारे देश में रेबीज के शिकार सबसे ज्यादा हैं। हमारे देश में सबसे ज्यादा वैक्सीन बिक रही है। बच्चे बुजुर्ग और महिला इनकी सबसे ज्यादा शिकार हैं। गोयल ने कहा अमेरिका, सिंगापुर, चाइना, जर्मनी, स्विट्जरलैंड, ब्रिटेन, थाईलैंड आप कहीं पर भी चले जाइये, आपको एक कुत्ता सड़क पर नहीं दिखाई देगा वहाँ सड़कों पर खाना खिलाना अवैध है। पेटा जैसी संस्था जो अमेरिका से चलती है वो भारत में कुत्तों को सड़कों पर रहने की वकालत करती है। कुतों से संबंधित संस्थाएं ही स्टरलाइजेशन का काम कर रही है और इसमें भारी भ्रष्टाचार है।

2. इसी लिए कुत्तों की संख्या लगातार बढ़ रही है. 3. स्टरलाइजेशन और वैक्सीनेशन बनाने वाली जो कंपनियां हैं उनका बहुत बड़ा स्वार्थ है। गोयल ने कहा अभी सुप्रीम कोर्ट ने दो महत्त्वपूर्ण आदेश दिए हैं। उनका पालन नहीं हो रहा है। गोयल ने कहा उन्होंने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री आदित्यनाथ योगी जी को पत्र लिखा है कि उत्तर प्रदेश के प्रमुख सचिव श्री अमृत अभिजात ने जो सर्कुलर निकाला है वो सुप्रीम कोर्ट के आदेशों का उल्लंघन है। इसके कारण न तो आवारा कुतों की समस्या हल होगी और सभी क्षेत्रों के अंदर झगड़े और बढ़ जाएंगे।

गोयल ने कहा सुप्रीम कोर्ट ने दो आदेश दिए हैं। 1. पहला, आवारा कुतों को अब सार्वजनिक स्थानों पर खाना नहीं डाला जा सकेगा। जिन भी स्थानों पर लोग निवास कर रहे हैं या जहाँ आवाजाही है उन सोसाइटी, अपार्टमेंट्स व सड़कों पर डॉग फीडर्स डॉग फीडिंग नहीं करा सकते, इसके लिए जो स्थानीय निकाय व प्रशासन है वो आबादी से दूर एक निश्चित स्थान बनाएगा। केवल वहीं पर डॉग फीडिंग की जा सकेगी। और यह स्थान केवल स्थानीय प्रशासन तय करेगा, इसमें किसी और की भूमिका नहीं होगी। 2. दूसरा, आदेश सुप्रीम कोर्ट का है कि जो भी काटने वाले कुते हैं आतंकित हैं एग्रेसिव है उन कुत्तों को छोड़ा नहीं जाएगा और उनको हमेशा के लिए बाड़े में बंद किया जाएगा। गोयल ने कहा उत्तर प्रदेश शासन का जो सर्कुलर है वो इन दोनों सुप्रीम कोर्ट के आदेशों का उल्लंघन करता है और इसमें भारी कन्फ्यूजन है और इसके कारण आरडब्ल्यूएस को व नागरिकों को किसी प्रकार की कोई राहत नहीं मिलेगी।

गोयल ने कहा उन्होंने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी को यह निवेदन किया है कि इस सर्कुलर को तुरंत ठीक किया जाए। गोयल ने कहा वो सुप्रीम कोर्ट में भी इसके बारे में अपना पक्ष रखेंगे। गोयल ने कहा कि उनको लगातार धमकियां मिल रही हैं उनके साथ अभद्र भाषा का इस्तेमाल कर रहा है जबकि उनके पशु प्रेम में कोई कमी नहीं है और मैंने न कभी कुतों के बारे में और ना कभी कुता खिलाने वालों के बारे में कभी भी एक अपशब्द भी नहीं कहा है। हम सब पशु प्रेमी हैं किंतु मानव जीवन बहुत महत्वपूर्ण है कुछ लोग मानव जीवन से ज्यादा। इन आवारा कुतों के काटने को प्राथमिकता दे रहे हैं, यह गलत है।आज के संवादाता सम्मेलन में फोनरवा संरक्षक त्रिलोक शर्मा, पवन यादव, विजय भाटी, सुशील यादव, अशोक मिश्रा, देवेंद्र चौहान, लाट साहब लोहिया, संजय चौहान, अशोक शर्मा, उमाशंकर शर्मा, विनोद शर्मा, राजेश सिंह,कोशिंदर यादव, भूषण शर्मा व आरडब्ल्यूए से एन पी सिंह, राघवेंद्र दुबे, अनिल खन्ना, संजीव कुमार आदि अध्यक्ष महासचिव उपस्थित रहे।

अच्छी सैलरी के लिए मोलभाव करने के कुछ तरीके पता होने चाहिए

इस रविवार को लखनऊ में आयोजित एक भव्य समारोह में 12,048 महिलाओं समेत 60,244 लोगों को पुलिसकर्मी के रूप में नियुक्ति पत्र मिल गए। इसके साथ देश के

किसी भी राज्य की सबसे बड़ी एकल भर्ती प्रक्रिया सम्पन्न हुई। मुझे यकीन है कि नियुक्ति पाने वालों में दो तरह की भावनाएं होंगी।पहली, 48 लाख अभ्यर्थियों में वे सबसे भाग्यशाली हैं और दूसरी, निश्चित ही थकान क्योंकि फरवरी, 2024 में लिखित परीक्षा रद्द हुई, जो दोबारा अगस्त, 2024 में हुई और अब जून 2025 में जाकर नियुक्ति मिल रही है।हालांकि उनका तय वेतन है, जिसके साथ अन्य सरकारी लाभ भी हैं। पर निजी क्षेत्र में नौकरी खोज रहे कई लोग आजकल ऑफर को लेकर वैसा मोलभाव नहीं कर रहे, जैसा मेरे एक शिष्य ने किया।'जिपरिक्रूटर' के पिछले तिमाही के सर्वे के अनुसार नई नौकरी पाने वालों में से 31फीसदी ने ही ऑफर पर मोलभाव किया, जो उससे पिछली तिमाही की तुलना में 18फीसदी कम था। अमेरिका का ये जॉब सर्च पोर्टल अपनी विभिन्न सुविधाओं के जरिए किसी व्यक्ति-व्यवसाय, दोनों के लिए नौकरी ढूंढने की प्रक्रिया आसान बनाता है।अधिकतर निजी कंपनियां अपने ऑफर्स को 'बेस्ट एंड फाइनल' बताती हैं। मेरे उस स्टूडेंट को फरवरी में बड़ी बहुराष्ट्रीय कंपनी से ऑफर मिला। उसकी पीजी की शुरुआत से, बीते तीन वर्षों से मैं उसे गाइड कर रहा था। कंपनी ने उसे ऑफर लेटर दिया और कहा, 'हमारी पेशकश सटीक है'। वह वॉशरूम का बहाना कर वहां से हटा और मुझे कॉल किया। उसने कहा, 'सर, आपको इसका क्या मतलब लगता है'। मैंने कहा, इसका अर्थ है कि कंपनी वेतन पर कोई मोलभाव नहीं करती और उनका ऑफर अधिकतर प्रतिस्पर्धियों की तुलना में अधिक है, ताकि वो तुम्हारे समेत अन्य सभी के साथ पारदर्शी रहें।' उसने पूछा कि अब क्या करें? ऑफर मानकर साइन करने चाहिए? मैंने कहा, 'जिन बिजनेस के पास योग्य उम्मीदवार होते हैं, वे एक कीमत तय कर सकते हैं और उस पर अड़े रह सकते हैं। पर बातचीत में एचआर की बेचैनी बाहर आ जाती है। क्या तुम सटीक तरीके से बता सकते हो कि एचआर हैड से क्या बात हुई।' उसने एक मिनट तक पूरी बात दोहराई और मैंने कहा 'उन्हें विनम्रता से कहो, आपके ऑफर के लिए धन्यवाद। पर मुझे बेहतर ऑफर की आशा थी। इसके बाद रुक जाना। उसके बोलने का इंतजार करना।'फिर मैंने उसे बताया कि यहां से बातचीत कैसे आगे बढ़ानी है। उसने वैसा ही किया। एचआर हैड ने कहा 'तो अब आपका फैसला क्या है?' मेरे शिष्य ने विनम्रता से कहा 'आपके ऑफर के लिए धन्यवाद। पर मुझे मेरे परामर्शदाता से बात करने दें और मैं एक हफ्ते में जवाब दूंगा।' इसने उन्हें असहज कर दिया। उसने वेतन से अलग प्रोडक्टिविटी बोनस का ऑफर दिया। मेरे शिष्य ने कहा, 'यदि मैं कड़ी मेहनत करूंगा तो हर प्रकार से उसका अधिकारी तो हूं, मुझे पता है कि उसे तो मैं हासिल कर लूंगा।' इसके बाद दोनों ने हाथ मिलाया और एचआर हैड ने कहा, वह शाम तक जवाब देगा। और शाम को जो ऑफर आया वो अपेक्षाओं के करीब था, हालांकि बिल्कुल वैसा नहीं, जैसा हमने सोचा था। याद रखें, कंपनियां किसी भी तरह के निगोशिएशन को शुरू होने से पहले ही खत्म करना चाहती हैं। पर वे यह भी जानती हैं कि जब प्रतिभा बेहतर हो तो वे अपने उस पुराने डायलॉग पर टिकी नहीं रह सकती कि 'स्वीकार करो या फिर छोड़ दो।' जो ऑफर बिल्कुल नॉन निगोशिएबल लग रहे हों, वहां भी बातचीत की गुंजाइश हो सकती है। समझदार कर्मचारी, जो अपना वेतन नहीं बढ़वा पाते, वो दूसरी रियायतें पा ही लेते हैं जैसे साइनिंग बोनस, हर हफ्ते वर्क फ्रॉम होम के दिन, और कहीं-कहीं बड़ा पदनाम। पर याद रहे कि अंतिम वाला कई जगहों पर सिर्फ दिखावटी होता है। मेरे एक दोस्त ने उसका साक्षात्कार कर रहे एचआर निदेशक को ये सुझाव देकर कि उनके पद का नाम 'डायरेक्टर ऑफ पीपल एंड कल्चर' होना चाहिए, एक बहुत अच्छा ऑफर हासिल कर लिया। फंडा यह है कि जब कंपनियों का पलड़ा भारी हो तो मोलभाव के कई तरीके हैं। वास्तव में आप जो चाहते हैं, उसमें स्पष्टता रखें और फिर देखें कि आप कैसे बातचीत करते चले जाते हैं।

पिता होने के एहसास के साथ ही जीवन स्वयं को सुंदरता से उद्घाटित करता है

पैरेंटल लीव के दो सप्ताह बाद मैं काम पर लौटा था। 1990 के दशक की उस शुरुआत में मैंने खुद को रजत शर्मा और फातिमा जकारिया के साथ मीटिंग्स के

दौरान एक अनजानी स्थिति में पाया। जब भी दफ्तर में फोन बजता, मुझे लगता जैसे वह मेरे लिए है। 'क्या बच्ची सो गई?' या 'क्या वह ठीक है?' या इसी तरह के विचार मेरे मन में उस नन्ही खुशी के बारे में आने लगते, जो उस समय हमारे घर आई थी। मैं संपादकीय बैठकों में इस हद तक अनमना हो जाता था कि शर्मा और जकारिया मुझसे पूछते 'क्या तुम ठीक हो? क्या घर पर सब दुरुस्त है?' पिता बनना उस समय मेरे अस्तित्व की सबसे सुखद घटना थी। मैं एक साथ बहुत सारी नई चीजों के बारे में जान रहा था- धैर्य, दुर्बलता, दृढ़ता, जब बच्चा कपड़े, चादरें आदि गंदा कर देता है तो मुंह न बनाना आदि। मेरे भीतर धीरे-धीरे एक जीवन देने वाली उदारता बढ़ रही थी। मुझे महसूस हुआ जैसे मैं बेटी को उसके जन्म से पहले से जानता था, जब मैं उसकी मां के साथ विभिन्न अपॉइंटमेंट्स में गया था और अल्ट्रासाउंड्स देखे थे, जिनमें मैंने गर्भस्थ शिशु से भौतिक दूरी के बावजूद उसके करीब रहने के तरीके खोज निकाले थे। लगभग हर रोज ही मैं उसे छाती से लगाए घूमता था, और जैसे-जैसे हमारा रिश्ता आगे बढ़ा, मौसम बदलते रहे- पहले गर्मी से बरसात और फिर धीरे-धीरे मध्य गर्मी से सर्दी तक। मेरी पत्नी और मेरा पूरा जीवन उसके इर्द-गिर्द ही घूमता था। रोजमर्रा की गतिविधियां सबसे ज्यादा मायने रखती थीं। बच्ची का स्पर्श, देर रात तक उसे भोजन देना, उसकी हर छोटी से छोटी आवाज के मायने निकालना और इससे पहले कि वह हमें थोड़ी देर सोने की मोहलत देती, धैर्यपूर्वक उसकी सफाई करना। इस गहन संबंध ने मुझे सिखाया कि बेटी और पिता के बीच का बंधन अपनी अटूट उपस्थिति के माध्यम से तेजी से आगे बढ़ रहा था। एक आदर्श पिता बनने का दबाव मेरी अति-सतर्कता में प्रकट हुआ। हर घटना ने एक नई परवाह को जन्म दिया। मैंने न केवल उसे हर तालिका और दिशा-निर्देशों के अनुसार मापा, बल्कि मुझे यह भी पता था कि उसने कितने शब्द बोले! मैं उसके बारे में डेटा एकत्र करने को लेकर आविष्ट हो चुका था। और मैं एक पिता के रूप में अपनी क्षमताओं पर प्रसन्न था। समय के साथ मैंने खुद को अधिक छूट दी और उत्कृष्टता के बाहरी मानक के बजाय उसकी स्वयं की शर्तों पर उसकी प्रगति को सराहने लगा। मैं कभी भी 'अपनी योग्यता साबित करो' वाली पैरेंटिंग मानसिकता के जाल में नहीं फंसा। मुझे लगा प्रामाणिक पैरेंटिंग का मतलब परफेक्शन नहीं, अपनी कमजोरियों के साथ जीना सीखना है। किसी भी पिता की तरह मुझे भी एहसास हुआ कि पैरेंट?हुड के लिए कोई नियमावली नहीं है। उस बड़ी जिम्मेदारी के साथ एक नुकसान भी आता है- अपने पूर्व के अस्तित्व और जीवन की सहज स्वतंत्रता की क्षति। जब भी मैं किसी उपन्यास के पन्नों में खोना शुरू करता, एक चीख, या खिलखिलाहट मेरा ध्यान भटका देती और मैं फिर से उस बिस्तर की ओर खिंचा चला जाता, जहां मेरी नन्ही खुशी सो रही होती थी। दोस्तों के साथ योजना बनाना अब पहले की तरह स्वतःस्फूर्त नहीं रह गया था। बेफिक्री से भरे दिन थोड़े समय के लिए नहीं, बल्कि हमेशा के लिए पीछे छूट गए थे। इसकी मायूसी तो थी, लेकिन पछतावा नहीं था, क्योंकि उस नन्ही परी की मुस्कान हर नुकसान की सौ गुना भरपाई कर देती थी। एक बेफिक्र ग्रेजुएट छात्र से लेकर एक पोस्ट ग्रेजुएट आशावादी पति बनने तक, मैंने पितृत्व में अपनी पीएचडी हासिल कर ली और अपने लिए एक नया नाम पाया, जिसे अमूमन 'पापा' के नाम से जाना जाता है। एक मनुष्य के रूप में हमारे दूसरे विकासों के विपरीत, माता-पिता बनना अचानक तीव्रता के साथ होता है। केवल देशकाल के परिप्रेक्ष्य के साथ ही मैं जीवन के रियर-व्यू मिरर में इस वास्तविकता को और अधिक स्पष्ट रूप से देख पाया हूं। और मैंने इस नए संतुलन के साथ तालमेल बिठाना शुरू कर दिया कि परिवार के साथ हमारा संबंध सबसे अधिक तब गहरा होता है, जब उसे नई जिम्मेदारियों की चुनौती दी जाती है और वे जिम्मेदारियां हमें खुद को फिर से परिभाषित करने के लिए मजबूर करती हैं। फंडा यह है कि जीवन वास्तव में तब हमारे सामने स्वयं को उद्घाटित करता है जब हम माता-पिता के रूप में अपनी जिम्मेदारियों को सीखने की प्रक्रिया में होते हैं।

अपनों के साथ वक्त बिताने का मन हो, तो इसे कभी न टालें

कैप्टन सुमित सभरवाल ने वादा किया था कि अपने व्यस्त समय में कुछ समय निकालकर अपने 82 साल के पिता के साथ गुजारेंगे। इसके बाद उन्होंने घरवालों को फोन किया और कहा कि वो लंदन पहुंचकर फोन करेंगे। कैप्टन सभरवाल वहीं रहते थे, जहां मैं पिछले तीन दशकों से रह रहा हूं, ये मुंबई का पवई इलाका है। मेरा भाई, जो खुद एयर इंडिया में कैप्टन है, वो भी उसी कॉलोनी में रहता है। एयरबस ए310, बोइंग 777, बी787 उड़ाने वाले कैप्टन सभरवाल शांत स्वभाव के और काम के प्रति समर्पित व्यक्ति माने जाते थे। मेरा

यकीन है, उनकी ही तरह क्रू के बाकी 11 सदस्यों और सभी यात्रियों ने भी अपने-अपने घरवालों को फोन करके वहीं चीजें कही होंगी। लेकिन इन लोगों के वादे अब कभी पूरे नही हो सकेंगे क्योंकि उन्हें लंदन ले जा रहा विमान एआई171 अहमदाबाद एयरपोर्ट से टेकऑफ करने के 32 सेकंड बाद दुर्घटनाग्रस्त हो गया। इससे मुझे जीवन के कुछ ऐसे पड़ावों की याद आ गई, जिनमें मैंने अपने परिचित लोगों को खो दिया था। 1980 के शुरुआती दौर में फार्मास्युटिकल कंपनी रॉश प्रोडक्ट्स लिमिटेड में काम करते हुए कुलकर्णी नाम के मेरे एक वरिष्ठ सहकर्मी थे। वे पैकेजिंग विभाग में सुपरवाइजर थे। हम दोनों मुंबई के पास उपनगर डोम्बिवली में रहते थे और हफ्ते में अधिकांश बार साथ यात्रा करते थे। साथ में काम करने के बावजूद, हमारे परिवार कभी एक-दूसरे से नहीं मिले। असल में हमने दोनों परिवारों के लिए उस महीने के आखिर में एक सरप्राइज़ डिनर की योजना बनाई थी, पर हमें अहसास ही नहीं था कि नसीब ने कुछ और ही सोच रखा है। उसी महीने की बात है, एक दिन कुलकर्णी ने कहा कि उन्हें कुछ जरूरी काम निपटाने हैं, इसलिए वह बाद में जाएंगे और इस कारण मैं ऑफिस से समय पर निकल गया। उसी रात कोई मेरे घर पर आया और बताया कि कुलकर्णी दफ्तर के बाहर बस स्टॉप पर खड़े हुए थे, ताकि लोकल ट्रेन पकड़ने के लिए नजदीकी रेल्वे स्टेशन तक पहुंच सकें। उन्होंने देखा कि बस दूर से आ रही है और वह इसके लिए तैयार हो गए और ठीक वहीं खड़े होकर इंतजार करने लगे, जहां बस का फुटबोर्ड आकर खड़ा रहता है। लेकिन तभी ब्रेक फेल होने के कारण बस ने अपना नियंत्रण खो दिया और बस स्टैंड को टक्कर मार दी, जिसमें कुलकुर्णी की जान चली गई। उनकी मौत रॉश प्रोडक्ट लिमिटेड के ठीक उसी एंट्री गेट पर हुई, जिस कंपनी में उन्होंने लगभग एक दशक काम किया था। कुछ ऐसी ही कहानी केएन राघवेंद्र की है, जो कई अखबारों में वरिष्ठ संपादकीय पदों पर रहे और हमने 30 साल से ज्यादा समय तक साथ काम किया। हमने मुंबई में डीएनए समेत कई अखबारों में साथ काम किया। लेकिन उनकी मौत पूरी तरह से अप्रत्याशित थी। उनकी जिंदगी के आखिरी पलों से ठीक दो दिन पहले हम साथ में नाशिक की रोड ट्रिप पर गए। नाशिक में हम दोनों ने अपने अलग-अलग आशियाने बना रखे थे और हमेशा से चाहते थे कि रिटायर्ड लाइफ मिलकर यहीं बिताएं। हम मुंबई से चले, नाशिक में दो दिन रुके और लौटने से पहले बुढ़ापे की योजना बनाई। दो दिन बाद अचानक मुझे खबर मिली कि राघवेंद्र नहीं रहे। उन्हें दरअसल बेचैनी हो रही थी और पत्नी उन्हें नजदीकी अस्पताल ले जाने में मदद के लिए पड़ोसी को बुलाने गई थीं, इस बीच राघवेंद्र पत्नी को आवाज लगाने के लिए बिस्तर से उठे और दरवाजे तक पहुंचने से पहले ही अचेत होकर गिर पड़े। तब से मैंने एक आदत बना ली है। अगर मुझे लगता है कि मुझे किसी से मिलना है, तो मैं अपना बैग पैक करता हूं, टिकट लेता हूं और मिलने के लिए निकल पड़ता हूं। अगर वे मेरे ही शहर में होते हैं, तो मैं ड्राइव करके उनसे मिलने पहुंच जाता हूं। इससे मुझे अंदर से बहुत शांति मिलती है। फंडा यह है कि ऐसे ही पलों में हमें पता चलता है कि जिंदगी का कोई भरोसा नहीं। ईश्वर ने कितने दिन का जीवन लिखा है, इस पर हमारा कोई वश नहीं, पर उन दिनों को हमने कितनी खूबसूरती से जिया, इस पर तो हमारा नियंत्रण हो ही सकता है। अपने प्रियजनों के साथ ज्यादा से ज्यादा वक्त बिताकर, खूब सारा प्रेम लुटाकर, एक उद्देश्य के साथ जीवन जिएं।

हम बच्चों की पढ़ाई में अंग्रेजी की उपेक्षा नहीं कर सकते हैं

नए राष्ट्रीय पाठ्यक्रम फ्रेमवर्क (नेशनल करिकुलम फ्रैमवर्क या एनसीएफ) में क्षेत्रीय भाषाओं में बु?नियादी शिक्षा देने पर जोर दिए जाने का स्वागत किया जाना चाहिए। लेकिन जिस वैश्वीकृत दुनिया में हम आज रह रहे हैं, उसकी जरूरतों को

देखते हुए अंग्रेजी में शिक्षा प्रदान करने पर भी पर्याप्त ध्यान देना जरूरी है। भले ही हम अंग्रेजी को बाहरी भाषा बताकर उसकी आलोचना करते हों, लेकिन हमारी रोजमर्रा की जिंदगी में यह बेहद जरूरी होती जा रही है। सामाजिक, आर्थिक, व्यावसायिक प्रगति में अंग्रेजी की महत्ता देखते हुए अब इसकी उपेक्षा नहीं की जा सकती। भारतीय युवा इस भाषा को न केवल रोजगार, बल्कि व्यावसायिक और सामाजिक तौर पर भी महत्वपूर्ण मानते हैं। एनसीएफ इस बात पर जोर देता है कि स्कूलों में साक्षरता की पहली भाषा (आर-1) आदर्श तौर पर विद्यार्थी की मातृभाषा या एक जानी-पहचानी क्षेत्रीय/राज्यभाषा होनी चाहिए, क्योंकि इससे विद्यार्थियों का भाषाई, सांस्कृतिक और बौद्धिक विकास होगा। वो बेहतर ढंग से पढ़ाई कर पाएंगे। यदि संसाधनों की कमी, कक्षाओं की विविधता और किसी बोली की मानक लिपि का अभाव होने जैसी अन्य व्यावहारिक समस्याएं आती हों तो आर-1 के तौर पर राज्यभाषा का उपयोग किया जा सकता है। विद्यार्थी जब तक किसी दूसरी भाषा में बुनियादी साक्षरता हासिल ना कर लें, उनके लिए निर्देशों का माध्यम आर-1 ही रहनी चाहिए। यानी जोर इस बात पर है कि विद्यार्थी दो भाषाओं (आर-1 और आर-2) को भली प्रकार से समझने लग जाएं। एनसीएफ के एकीकृत और प्रभावी क्रियान्वयन के लिए सभी स्कूलों को एक इम्प्लीमेंटेशन कमेटी बनानी है, जो विद्यार्थियों की मातृभाषा की मैपिंग, भाषा-संसाधनों और पाठ्यक्रम में फेरबदल के लिए जिम्मेदार होगी। गर्मी की छुट्टियां खत्म होने तक सभी स्कूलों को पाठ्यक्रम में फेरबदल का काम पूरा कर लेना है, ताकि निर्देशों की भाषा के तौर पर आर-1 का उपयोग और जरूरत पड़ने पर सही तरीके से आर-2 (मातृभाषा या क्षेत्रीय भाषा के अलावा दूसरी वैकल्पिक भाषा) का प्रयोग किया जा सके। जुलाई 2025 में फ्रेमवर्क का पालन शुरू होने से पहले शिक्षकों का प्रशिक्षण भी पूरा हो जाना चाहिए। स्कूल चाहें तो पाठ्यक्रमों में बदलाव, संसाधनों की खरीद आदि के लिए कुछ अतिरिक्त समय ले सकते हैं, लेकिन ध्यान रखना होगा कि बेवजह देरी ना हो और मासिक रिपोर्ट समय से भेजी जा सकें। इसमें संदेह नहीं कि एनसीएफ को बहुत सावधानीपूर्वक विकसित किया गया होगा, इसके बावजूद यह नौकरी की तलाश कर रहे भारतीय युवाओं की आकांक्षाओं के अनुरूप नहीं है। लोकनीति-सीएसडीएस की ओर से 2016 में 15 से 33 वर्ष के युवाओं पर किए गए एक सर्वे में 62 प्रतिशत युवाओं ने स्कूलों में अंग्रेजी माध्यम की शिक्षा को महत्वपूर्ण माना, 23 प्रतिशत ने नहीं माना और 15 प्रतिशत ने कोई राय नहीं दी। 2021 के एक अन्य सर्वे में 38 प्रतिशत युवाओं ने माना कि नौकरी तलाशने में अंग्रेजी बोलने की क्षमता का महत्व है। 35 प्रतिशत ने इसे ?थोड़ा जरूरी माना, जबकि 18 प्रतिशत ने माना कि यह कतई महत्वपूर्ण नहीं है। अंग्रेजी को लेकर भारतीय युवाओं की सोच में अब भी शायद ही कोई बदलाव हुआ हो। हाल के एक सर्वे में भी 46 प्रतिशत युवाओं ने माना है कि नौकरी तलाशने में अंग्रेजी का ज्ञान बहुत जरूरी है। 31 प्रतिशत कहते हैं कि यह किसी हद तक जरूरी है। सिर्फ 11 प्रतिशत मानते हैं कि यह बिल्कुल महत्वपूर्ण नहीं और 5 प्रतिशत इस मत के बिल्कुल खिलाफ हैं। भारतीय युवा अंग्रेजी को ना सिर्फ जॉब-मार्केट के लिए बल्कि सामाजिक प्रतिष्ठा और आत्मविश्वास के लिए भी जरूरी मानते हैं। एक सर्वे के अनुसार 23 प्रतिशत युवाओं ने माना है कि वे अंग्रेजी ना बोल पाने को लेकर बहुत चिंतित रहते हैं। 25 प्रतिशत का कहना है कि उन्हें इससे थोड़ी चिंता होती है। 32 प्रतिशत कहते हैं कि उन्हें इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि वे अंग्रेजी नहीं बोल पाते, जबकि 17 प्रतिशत ने बताया कि इस बात की चिंता तो होती है, लेकिन ज्यादा नहीं। इन सर्वेक्षणों में भारतीय युवाओं द्वारा जताई गई राय को देखें तो यह साफ है कि बड़ी संख्या में भारतीय युवा अंग्रेजी को अनेक दृष्टियों से महत्वपूर्ण मानते हैं। यह सही है कि किसी के लिए भी हिंदी या उसकी कोई भी अन्य क्षेत्रीय मातृभाषा महत्वपूर्ण है, लेकिन सावधानी से विचार करना होगा कि क्या अंग्रेजी की अनदेखी की कीमत पर ऐसा होना चाहिए? इससे भी ज्यादा जरूरी है कि अंग्रेजी और क्षेत्रीय भाषाओं में एक संतुलन बनाया जाए। इसमें संदेह नहीं है कि किसी भी युवा छात्र के लिए हिंदी या उसकी क्षेत्रीय मातृभाषा अधिक महत्वपूर्ण होती है, लेकिन हमें सावधानी से इस पर विचार करना होगा कि क्या अंग्रेजी की अनदेखी की कीमत पर ऐसा होना चाहिए? (ये लेखक के अपने विचार हैं।)

ड्रोन से राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरे लगातार बढ़ रहे हैं

दिसम्बर 1995 में पुरुलिया में आसमान से हथियारों की खेप आने पर हड़कंप मच गया था। 30 साल बाद अब पाकिस्तान से सीमावर्ती राज्यों में ड्रोन से हथियारों और ड्रग्स आपूर्ति के मामले इतने बढ़ गए हैं कि मीडिया में रिपोर्टिंग ही नहीं होती। अंतरिक्ष से निर्बाध सैटेलाइट इंटरनेट, क्रिप्टो करंसी की आपराधिकता और ड्रोन की विस्फोटक फुलझड़ियों से युद्ध और आतंक की नए तरीके से वापसी हो सकती है। इसलिए ड्रोन के नियमन से जुड़े 4 पहलुओं को समझना जरूरी है। 1.

रजिस्ट्रेशन : 2021 में बनाए गए शिथिल नियमों के बाद भारत में ड्रोन क्रांति शुरू हुई है। 250 ग्राम से कम वजन वाले नैनो ड्रोन को रजिस्ट्रेशन और लाइसेंस के बगैर शौकिया तौर पर कोई भी उड़ा सकता है। ड्रोन को 100 रु. की फीस से रजिस्टर्ड कराया जा सकता है। इसके बावजूद मॉडल रिमोट पायलट एयरक्रॉफ्ट सिस्टम वाले 25 किलो से कम के ड्रोन- जिनका रिसर्च आदि में इस्तेमाल होता है- उनके रजिस्ट्रेशन की भी जरूरत नहीं है। गैर-रजिस्टर्ड ड्रोन को कोई भी उड़ा सकता है। बड़े ड्रोन उड़ाने के लिए सिर्फ 5 दिन की ट्रेनिंग के बाद पुलिस जांच के बगैर ड्रोन पायलट का लाइसेंस मिल सकता है। सीडीएस अनिल चौहान के अनुसार पानी की बोतल जैसे छोटे ड्रोन से भी बड़े स्तर पर तबाही मचाई जा सकती है। छोटे ड्रोन इतनी तेजी से उड़ते हैं कि प्रतिक्रिया देने के लिए सिर्फ 90 सेकंड का समय मिलता है। भारत में सभी तरह के ड्रोन के रजिस्ट्रेशन को जरूरी करने के साथ उड़ान के नियमन के लिए पुलिस को अधिकार मिलने चाहिए। 2. जुर्माना : नागरिकों की सुरक्षा के लिए लिफ्ट के रजिस्ट्रेशन और मेंटेनेंस के लिए कड़े नियम और जुर्माने के प्रावधान हैं। लेकिन देश की सुरक्षा से जुड़े ड्रोन के कारोबार को खुली छूट मिली है। ग्रेटर नोएडा में लगभग 80 हजार लिफ्ट में से सिर्फ 7702 ने 15 हजार रु. की फीस देकर रजिस्ट्रेशन कराया है। बकाया लिफ्ट के रजिस्ट्रेशन के लिए जिला प्रशासन ने 10 हजार रु. का जुर्माना देने का अभियान शुरू किया है। 2024 में ट्रैफिक नियमों के उल्लंघन के लिए 8 करोड़ से ज्यादा चालान किए गए। ड्रोन नियमों के उल्लंघन के लिए अधिकतम 1 लाख रु. के जुर्माने का ही प्रावधान हैं। आपराधिक कार्रवाई के लिए ड्रोन नियमों में कोई प्रावधान नहीं हैं। पिछले चार सालों में सुरक्षा बलों ने पाकिस्तान से आए 391 ड्रोन को जब्त किया है। ड्रोन से जुड़े नियमों को नागरिक उड्डयन मंत्रालय लागू करता है। वाहनों के रजिस्ट्रेशन और ड्राइविंग लाइसेंस से जुड़े नियमों को पुलिस लागू करती है। उसी तर्ज पर ड्रोन से जुड़े मामलों में कार्रवाई के लिए राज्यों की पुलिस को स्पष्ट अधिकार मिलने चाहिए। 3. पाकिस्तान : सीमावर्ती राज्यों में पाकिस्तान ड्रोन के जरिए ड्रग्स और हथियार की नियमित आपूर्ति कर रहा है। ड्रोन नियमों के अनुसार भारत में अधिकांश इलाके ग्रीन जोन में आते हैं, जहां 400 फीट से कम ऊंचाई पर ड्रोन को लोग मनमाफिक तरीके से उड़ा सकते हैं। लेकिन ऐसे ड्रोन से लोगों की प्राइवेसी और सुरक्षा के खतरों से निपटने के लिए कोई प्रावधान नहीं हैं। यलो जोन में ड्रोन उड़ाने के लिए डीजीसीए से अनुमति लेनी पड़ती है। वहीं देश में 9969 रेड जोन हैं, जिनमें ड्रोन उड़ाना प्रतिबंधित है। पिछले दो सालों से सरकार के अनेक दावों के बावजूद पाकिस्तानी सीमा पर एंटी ड्रोन सिस्टम नहीं लगा। रूस पर यूक्रेन के हमले से साफ है कि एक लाख रु. से कम के ड्रोन से अरबों रुपयों के युद्धक विमानों को नष्ट किया जा सकता है। तस्करी, ड्रग्स और आतंकी हमलों के मद्देनजर सीमावर्ती राज्यों में सभी तरह के ड्रोन पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने की जरूरत अब आन पहुंची है। 4. स्टार्टअप : भारत में लगभग 550 स्टार्टअप ड्रोन क्षेत्र में काम कर रहे हैं, जिन्हें नियमों और टैक्स में छूट मिलती है। ड्रोन स्टार्टअप को सब्सिडी देने के लिए पीएलआई के तहत आवंटन को 18 गुना बढ़ाकर 3 हजार करोड़ रु. करने की योजना है। भारत की ड्रोन इंडस्ट्री से जुड़ी तकनीक और कलपुर्जों की आपूर्ति में चीन का वर्चस्व है। रक्षा मंत्रालय के अनुसार चीनी उपकरणों से देश की सुरक्षा और अर्थव्यवस्था को खतरा है। नमो ड्रोन दीदी जैसी कल्याणकारी योजनाओं, आपदा प्रबंधन आदि के लिए सरकार को ड्रोन का इस्तेमाल करना चाहिए। लेकिन ड्रोन से जुड़े बढ़ते खतरों को देखते हुए राष्ट्रीय सुरक्षा के लिहाज से स्टार्टअप और विदेशी कम्पनियों के लिए सख्त नियम बनने चाहिए। ड्रोन से जुड़े मामलों में राष्ट्रीय सुरक्षा के बजाय निजी स्टार्टअप के आर्थिक लाभ को वरीयता देने के दीर्घकालिक नुकसान हो सकते हैं। ड्रोन से जुड़े खतरों को देखते हुए राष्ट्रीय सुरक्षा के लिहाज से स्टार्टअप और विदेशी कम्पनियों के लिए सख्त नियम बनने चाहिए।

युवाओं को 'सस्टेनेबिलिटी' में करियर क्यों खोजना चाहिए?

आपके शहर में किस श्रेणी के कचरे का निस्तारण नगरीय निकाय कर्मचारियों के लिए सबसे बड़ा सिरदर्द हो सकता है? आप जब तक सोच रहे हैं, मैं आपको हैदराबाद लिए

आईटी प्रोफेशनल्स का शहर माना जाता है। हर दिन, इस शहर में लगभग 9 हजार टन कचरा पैदा होता है। लेकिन इस कचरे के पहाड़ के नीचे दबा 750-800 टन कचरा नगर निकाय के कर्मचारियों के लिए सबसे बड़ा सिरदर्द बन जाता है, वह भी रोजाना। हां, क्योंकि एक वक्त शहर में जो कभी-कभार का कचरा हुआ करता था, वह अब रोजाना की बात हो गई।यदि आप अनुमान नहीं लगा पाए कि यह क्या है, तो मैं जवाब देता हूं : यह टेक्सटाइल यानी कपड़े का कचरा है। हैरानी की बात है कि इस टेक्सटाइल कचरे का कम से कम 40फीसदी रिसाइकल किया जा सकता है। लेकिन इस कार्य में शामिल लोग बताते हैं कि इसका अधिकांश हिस्सा लैंडफिल में फेंक दिया जाता है। इन्हें लैंडफिल में फेंकने पर क्या होता है? ये मटेरियल विघटित नहीं होता। बल्कि मिट्टी में भीतर चला जाता है। कॉटन बायोडिग्रेडेबल है, लेकिन सेमी-सिंथेटिक और सिंथेटिक कपड़ों की है, जो कतई विघटित नहीं होते। अनुमानतः महज एक शर्ट अपने जीवनकाल में तकरीबन 20 मिलियन माइक्रोप्लास्टिक छोड़ सकती है। तो हम क्या कर सकते हैं? हम ऐसे कपड़े दान में नहीं दें, जो पहले ही फटे हुए या अनुपयोगी हैं। इनका बड़ा हिस्सा इतना क्षतिग्रस्त होता है कि इन्हें अप-साइकल भी नहीं किया जा सकता। अंततः ये लैंडफिल में ही जाते हैं। सिलाई व्यवसाय के लोगों को अपना कचरा आसान निस्तारण के लिए पृथक से इकट्ठा करना चाहिए, क्योंकि वे टेक्सटाइल कचरे में बड़ा योगदान देते हैं। आपके और मेरे जैसे आम लोग ऐसे कपड़े दान कर सकते हैं, जो बेहतर स्थिति में हों। हम उस पुराने व्यवसाय को भी प्रमोट कर सकते हैं, जिसमें पुराने कपड़ों के बदले बर्तन दिए जाते हैं। वे जानते हैं कि आपके अनचाहे कपड़ों को कैसे अप-साइकल किया जाए। नगरीय प्राधिकरण क्या ठोस कचरा प्रबंधन विशेषज्ञों को उस युवा आबादी में कचरा प्रबंधन और इसके फायदों को लेकर जागरूकता बढ़ानी होगी, जिसे 'यूज एंड थ्रो' की आदत पड़ गई है। सामान्य जागरूकता के साथ ही यदि उन्हें सिलाई व्यवसाय वाले चुनिंदा क्षेत्रों में टेक्सटाइल कचरा मिले तो वे वहां अलग से कपड़ों का संग्रहण करके उन व्यवसायों की मदद कर सकते हैं। अब मेरा पसंदीदा विषय कि युवा क्या कर सकते हैं? कई शीर्ष कंपनियों में सीएसओ एक नया पद है। इसका अर्थ है 'चीफ सस्टेनेबिलिटी ऑफिसर'। यह पद तब सृजित हुआ, जब कॉर्पोरेट सस्टेनेबिलिटी सर्वोच्च प्राथमिकता बन गई। निवेशकों के भारी दबाव और किसी कंपनी की ब्रांड इमेज को लेकर अत्यधिक संवेदनशीलता के कारण, आईपीओ का रास्ता अपनाने वाली अधिकांश कंपनियां यह पद सृजित कर रही हैं। भारत में कई विनिर्माण क्षेत्रों ने इन दिनों महसूस किया है कि सस्टेनेबिलिटी परफॉर्मेंस मुनाफे के साथ ही कंपनी की प्रगति का आकलन करने के लिए भी प्रमुख संकेतकों में से है। सीएसआर की तरह लैंगिक समानता, रिश्वत निरोधी प्रावधान, पारदर्शिता और पर्यावरणीय सस्टेनेबिलिटी भी ब्रांड छवि बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। विदेशों में सस्टेनेबिलिटी ऑफिसर कंपनी का चेहरा बन गए हैं, क्योंकि युवा ऐसे उत्पाद खरीदना चाहते हैं- जिनसे कार्बन उत्सर्जन ना हो, या बहुत कम हो। इसलिए मुनाफा कमाने के लिए यह क्षेत्र अहम हो गया है। अगर आप एमबीए कर रहे हैं तो 'सस्टेनेबिलिटी' चुनें। यह सामुदायिक विकास में मदद करने वाले किसी भी गैर लाभकारी संगठन में आपके लिए कुछ भूमिकाओं के दरवाजे खोल सकता है। याद रखें, एक अनुमान के अनुसार पृथ्वी पर हर व्यक्ति रोजाना 1.5 किलोग्राम कचरा फेंकता है। और यह केवल नगरीय निकायों के लिए ही नहीं, बल्कि पृथ्वी के लिए भी सिरदर्द बन रहा है।फंडा यह है कि सस्टेनेबिलिटी पहले भी अच्छी थी और आज भी बहुत अच्छी है। सस्टेनेबिलिटी सीखना शुरू करें, क्योंकि भविष्य में इसकी मांग बढ़ने वाली है। एन. रघुरामन

अतीत से

54 लोगों को पेड़ से बांधकर कुल्हाड़ी से काट डाला, गैंगरेप कर महिलाओं को दफनाया, बिहार में फिर कभी नहीं बना कांग्रेस का सीएम

पटना। 29 मई 1987 की एक रात। जगह- बिहार का औरंगाबाद जिला। वहीं औरंगाबाद जहां देश का इकलौता पश्चिम मुखी सूर्य मंदिर है। करीब 500 लोगों की भीड़ 'एमसीसी जिंदाबाद' नारा लगाते हुए बढ़ रही थी। हाथों में बंदूक, कुल्हाड़ी, गड़ासा और केरोसिन तेल के डिब्बे थे।थोड़ी देर बाद सभी एक जगह रुके। कुछ बात की। फिर आधे बघौरा गांव की तरफ चल पड़े और आधे दलेलचक

की ओर। दोनों गांव एक किलोमीटर की दूरी पर हैं। यहां राजपूतों का दबदबा था। बघौरा के गया सिंह वन विभाग में हेड क्लर्क थे। गांव में इकलौता पक्का मकान उन्हीं का था। शौक से बनवाए थे। सिंहद्वार पर दूर से ही आंखें ठहर जाती थीं। रात करीब 8 बजे अचानक कुछ शोर सुनाई पड़ा। उन्होंने दरवाजा खोलकर देखा, तो सामने 200-300 लोगों की भीड़ खड़ी थी। गया सिंह ने हड़बड़ाकर दरवाजा बंद कर लिया। वे दो कदम भी नहीं बढ़े थे कि भीड़ ने धक्का देकर दरवाजा तोड़ दिया। सबसे पहले घर के मर्दों को घसीटकर बाहर निकाला और लाइन में खड़ा कर दिया। इस बीच दो लड़कों ने नजर बचाकर भागना चाहा, लेकिन हमलावरों ने गोली चला दी। दोनों वहीं गिर पड़े। हमलावर उनके नजदीक गया। सांसें अभी पूरी तरह टूटी नहीं थीं। उसने गड़ासा गर्दन पर दे मारी। फिर पसीना पोंछते हुए बोला- 'अरे देख क्या रहे होष्ठ जाओ इनकी औरतों को उठा लाओ।' 20-25

हमलावर अंदर घुसे और महिलाओं-बच्चों को उठा-उठाकर बाहर पटकने लगे। सब चीख रहे थे- 'हमें मत मारो। छोड़ दो। हम तुम्हारे पैर पड़ते हैं।' एक हमलावर बोल पड़ा- '‘क्ष्क्ष्ञ बहुत गर्मी दिखाते हैं ये लोग। हमारी औरतों से मजदूरी कराते हैं। इनके सामने ही औरतों की इज्जत उतारो। तभी बदला पूरा होगा।' हमलावर, महिलाओं और लड़कियों पर टूट पड़े। उनके कपड़े फाड़ दिए। बलात्कार करने लगे। कुछ देर बाद एक अधेड़ बोल पड़ा- 'बहुत हो गया। अब सबको काट डालो।' हमलावर, महिलाओं को घसीटते हुए बरामदे में ले गए। उनकी गर्दन तखत पर रखकर जोर से दबा दी। एक हमलावर ने कुल्हाड़ी उठाई और एक-एक करके पांच महिलाओं की गर्दन उतार दी। पूरे बरामदे में खून फैल गया। हमलावर बोला- 'ठिकाने लगा दो सबको।' 8-10 लोग फावड़ा लेकर घर के सामने ही गड्ढा खोदने लगे। कुछ ही देर में गड्ढा तैयार हो गया। हमलावरों ने महिलाओं की लाश गड्ढे में डालकर ऊपर से मिट्टी भर दिया। 'अब इन क्ष्ख्र्ड़ को बांधकर ले चलो बरगद के पास। गांव वालै भी तो देखें कि हमसे टकराने का अंजाम क्या होता है।' ये सुनते ही हमलावरों ने गया सिंह और उनके परिवार के लोगों के हाथ-पैर बांध दिए। घसीटते हुए बरगद के पेड़ के पास ले गए। गांव की शुरुआत में ही बड़ा सा बरगद का पेड़ था। अब तक गांव में चीख-पुकार मच चुकी थी। हमलावर राजपूत परिवारों से चुन-चुनकर महिला, पुरुष और बच्चों को घसीटते हुए बरगद पेड़ के पास ला रहे थे। कई लोग छत से कूदकर खेतों की तरफ भाग रहे थे। हमलावर लगातार फायरिंग कर रहे थे। कुछ लोग तो मौके पर ही मारे गए। 40 साल का एक शख्स ट्रैक्टर लेकर घर लौट रहा था। हमलावरों को देखते ही चीख पड़ा- 'अरे काका हम राजपूत नहीं हैं। हम तो इनके घर काम करते हैं। हम हरिजन हैं हरिजन।' क्ष्क्ष्ट्ट झूठ बोल रहाष्ठ कहते हुए एक अधेड़ ने उसकी पीठ पर कुल्हाड़ी मार दी। दो हमलावरों ने उसे ट्रैक्टर की सीट से बांध दिया। फिर केरोसिन तेल का डिब्बा ट्रैक्टर पर उड़ेला और आग लगा दी। कुछ ही मिनटों में ड्राइवर तड़प-तड़प कर मर गया। इधर, बगल के गांव दलेलचक में कमला कुंवर कुछ घंटे पहले ही ससुराल से लौटी थीं। पिता

भोज की तैयारी कर रहे थे। मेहमान आ चुके थे। अचानक कुत्ते भौंकने लगे। कमला अपनी बहन ललिता से बोली- 'जाओ देखो तो बाहर कौन है?' ललिता ने झांककर देखा सैकड़ों हथियारबंद गांव की तरफ बढ़ रहे थे। वो चीख उठी- 'पापा, मम्मी सब भागो, नक्सली आ गए हैं।' दोनों बहनें, उनके मम्मी-पापा और बाकी रिश्तेदार खेतों की तरफ भागने लगे। तभी बगल के लोगों ने रोक लिया। कहने लगे- 'आप लोगों को कोई खतरा नहीं है। घर में ही छिप जाओ।' कुछ ही मिनटों में भीड़ ने गांव में धावा बोल दिया। राजपूतों के घरों में घुस गए। मारकाट मचाने लगे। कमला और ललिता घर के पीछे भूसे के ढेर में छिप गईं। बाकी परिवार और रिश्तेदार पकड़े गए। दो साल का बच्चा पलंग पर सो रहा था। वो भीड़ देखकर रोने लगा। हमलावर ने चीखते हुए कहा- 'इस कमीने को सबसे पहले मारो।' इतना सुनते ही एक अधेड़ ने बच्चे को उठाकर चौखट पर पटक दिया। उसका सिर फट गया। हमलावर ने बाल पकड़कर बच्चे को उठा लिया। दूसरे ने बच्चे की गर्दन पर कुल्हाड़ी दे मारी। बच्चे का सिर हमलावर के हाथ में रह गया और बॉडी नीचे गिर गई। एक ने औरतों की तरफ इशारा करते हुए बोला- 'इनकी इज्जत लूट लो और काम तमाम कर दो।' हमलावरों ने वैसा ही किया। बलात्कार करके महिलाओं और लड़कियों की गर्दन उतार दी। कमला के पिता से यह देखा नहीं गया। वे गाली देते हुए हमलावरों पर झपटे, पर उन लोगों ने दबोच लिया। दो हमलावरों ने उनका पैर पकड़ा और दो ने हाथ। 20 साल के एक लड़के ने उनके पेट में कुल्हाड़ी मार दी। वो चीख उठे। तभी हमलावर ने उनके मुंह में बंदूक का बट ठूंस दिया। चंद मिनटों में वे तड़प-तड़पकर शांत हो गए। अब एक हमलावर बोला- 'टाइम खराब मत करो। सारे मर्दों को बांध दो और ले चलो बरगद के पेड़ के पास।' हमलावरों ने रस्सी से सभी मर्दों के हाथ पैर बांध दिए और घसीटते हुए उसी बरगद के पेड़ के पास ले जाने लगे। दलेलचक के बाकी घरों में भी ऐसे ही कोहराम मचा था। हमलावरों ने महिलाएं और लड़कियों को बलात्कार के बाद घर में ही मार दिया। जबकि मर्दों के हाथ-पैर बांधकर बरगद के पेड़ के पास बैठा दिया। दलेलचक और बघौरा दोनों गांव से करीब 40-50 लोगों को पकड़कर हमलावरों ने यहां रखा था। कुछ ही देर में हमलावरों ने सबको बरगद के पेड़ से बांध दिया। ये लोग जोर जोर से चीख रहे थे- बचाओ, बचाओ। पर कोई सुनने वाला नहीं था। गांव के गैर राजपूतों ने अपने-अपने दरवाजे बंद कर लिए थे। अब तक रात के 9 बज चुके थे। हमलावरों के मुखिया ने कहा- 'इन @#$%$#@ के टुकड़े-टुकड़े कर दो।' भीड़ कुल्हाड़ी और गड़ासा लेकर टूट पड़ी। कुछ ही मिनटों में बरगद के पेड़ से दर्जनों अधकटी लाशें लटक गईं। तभी हवा में फायरिंग करते हुए एक हमलावर बोला- 'जाओ इनके घरों में आग लगा दो। जो छुपे होंगे वो भी जल मरेंगे।' भीड़ ने चुन-चुनकर दोनों गांवों के राजपूतों के घरों में आग लगा दी। फिर 'एमसीसी जिंदाबाद। छेछानी का बदला ले लिया। बदला पूरा हुआ।' का नारा लगाते हुए हमलावर निकल गए। गांव से महज तीन किलोमीटर की दूरी पर मदनपुर थाना है। भीड़ की धमक, लोगों की चीखें और गोलियों की गूंज थाने तक पहुंच चुकी थीं, पर पुलिस निकलने की हिम्मत नहीं जुटा पाई। करीब 2 घंटे बाद पांच पुलिस वाले गांव के लिए निकले। बगल के दूसरे थाने से पुलिस की एक और टीम दलेलचक पहुंची। कुछ ही देर में औरंगाबाद के एसपी सतीष झा भी पहुंच गए। दोनों गांवों में घरों से अब भी आग की ऊंची-ऊंची लपटें दिख रही थीं। एसपी सतीश झा और बाकी पुलिस वाले आग बुझाने में जुट गए। वे घर-घर जाकर पानी मांग रहे थे, लेकिन किसी ने दरवाजा नहीं खोला। इसी बीच एसपी को कुछ लोगों के कराहने की आवाज सुनाई पड़ी। पुलिस वालों को लेकर वे उस तरफ दौड़े। टॉर्च जलाई। देखा 4 साल का एक बच्चा बिस्तर लपेटे एक कोने में सिसक रहा था। थोड़ी दूर पर 20-25 साल का एक लड़का भूसे के ढेर में छिपा हुआ था। उन्होंने दोनों को बाहर निकाला। इधर, पटना तक नरसंहार की खबर पहुंच गई थी।

रात में ही डीजीपी शशिभूषण सहाय और आईजी ललित विजय सिंह, दलेचचक बघौरा के लिए निकल गए, पर गांव तक जाने के लिए पक्की सड़क नहीं थी। उन्हें पहुंचने में काफी देर हो गई। इधर, पूरी रात पुलिस आग बुझाने में जुटी रही, पर आग बुझने का नाम नहीं ले रही थी। अब सुबह के 5 बज गए थे। एक-एक करके लाशें गिनी जाने लगीं। बरगद के पेड़ के पास 29 कटी फटी लाशें मिलीं। सिर जमीन पर बिखरे पड़े थे और बाकी हिस्सा बरगद के पेड़ से बंधा हुआ था। पूरी जमीन खून से सन गई थी। ऐसा लग रहा था जैसे कोई बूचड़खाना हो। पुलिस ने दोनों गांवों में एक-एक घर की तलाशी ली। 26 लाशें मिलीं। इनमें ज्यादातर महिलाएं और बच्चे थे। कुल 55 लोग मारे गए थे। 54 राजपूत और एक हरिजन। 7 परिवार ऐसे थे, जिनके घरों में कोई जिंदा नहीं बचा था। आजादी के बाद ये बिहार का सबसे बड़ा जातीय नरसंहार था। आरोप माओवादी संगठन माओइस्ट कम्युनिस्ट सेंटर यानी एमसीसी पर लगा। तब केंद्र में कांग्रेस की सरकार थी और राजीव गांधी प्रधानमंत्री। बिहार में भी सरकार

कांग्रेस की थी और बिंदेश्वरी दुबे मुख्यमंत्री। सालों तक दोनों गांव भूतहा गांव बनकर रह गए। आज भी जले हुए घर खंडहर हैं। अगले दिन यानी 30 मई को सरकार ने नरसंहार में मारे गए लोगों का सामूहिक अंतिम संस्कार करवाया। कई लाशों की पहचान नहीं हो सकी थी। कई मृतकों के घर से कोई आया नहीं। शायद उनके परिवार में कोई बचा ही नहीं था। एक-एक चिता पर 5-7 लाशें रखी गई थीं। एक ही चिता पर 80 साल के बुजुर्ग और 6 महीने के बच्चे का अंतिम संस्कार किया गया। ये सीन देखकर वहां मौजूद लोग और पुलिस वालों की आंखें भर आई थीं। लोग जलती चिताओं से राख उठाकर तिलक लगा रहे थे। शायद ये तिलक बदले का संकेत था। पूर्व सीएम कर्पूरी ठाकुर को धक्का मारने लगी भीड़, पत्रकार ने बचाया- 31 मई की सुबह पूर्व मुख्यमंत्री कर्पूरी ठाकुर दिल्ली से सीधे दलेलचक बघौरा पहुंचे। किताब 'द जननायक कर्पूरी ठाकुर' में उपसभापति हरिवंश नारायण उस किस्से को याद करते हैं- 'मैं एक मैगजीन रिपोर्टर था। गया से औरंगाबाद होते हुए सुबह 6 बजे नरसंहार वाली जगह पहुंचा। मैंने देखा कि एक कोने में कर्पूरी ठाकुर चुपचाप खड़े थे।' उसी किताब में पटना के वरिष्ठ पत्रकार दीपक कुमार कहते हैं- 'जब भीड़ कर्पूरी को धकियाने लगी तो मुझे लगा कि उन्हें अपमानित किया जा सकता है। हमारी आंखें मिलीं और वे मेरी स्कूटर पर पीछे बैठ गए। मैं उन्हें औरंगाबाद मेन रोड तक ले गया। वहां से वे अपनी गाड़ी में बैठकर पटना चले गए।' जलते घर, वीरान गांव, नरसंहार का मंजर देख रो पड़े मुख्यमंत्री बिंदेश्वरी दुबे- 31 मई को

ही मुख्यमंत्री बिंदेश्वरी दुबे भी दलेलचक बघौरा पहुंचे। अब भी कई घरों में आग बुझी नहीं थी। फायर ब्रिगेड की गाड़ियां मंगाई गईं। फिर आग बुझाई गई। मुख्यमंत्री घर-घर जाकर देख रहे थे, पर गांव के ज्यादातर लोग भाग चुके थे। अंग्रेजी अखबार हिंदुस्तान टाइम्स के मुताबिक एक बुजुर्ग, मुख्यमंत्री को देखकर बिलखने लगा। उसकी गोद में दो छोटे-छोटे बच्चे थे। कहने लगा- 'साहब ये दोनों मेरे पोते-पोती हैं। इनके मां-बाप को मार डाला है। परिवार में बस ये ही बचे हैं। मैं अकेला इनकी देखभाल कैसे करूंगा।' यह देखकर मुख्यमंत्री भी रोने लगे। कुछ देर बाद वे पटना लौटे और अगले दिन ऐलान किया कि एमसीसी पर बैन लगाया जाएगा। इस नरसंहार में विधायक रामलखन सिंह यादव पर भी आरोप लगा था। कहा गया कि 30 अप्रैल

को वे औरंगाबाद के ही एक गांव छोटकी छेछानी में यादव महासभा के लिए गए थे। विपक्ष का दावा था कि मुख्यमंत्री भी यादव महासभा में शामिल

हुए थे। एमसीसी ने इस नरसंहार को छोटकी छेछानी का ही बदला बताया था। इसलिए विपक्ष सरकार पर और ज्यादा हमलावर था। 5 जून को जनता पार्टी के अध्यक्ष चंद्रशेखर, राम विलास पासवान और लोकदल के अजित सिंह गांव पहुंच गए। इन सब घटनाओं से सीएम पर लगातार इस्तीफे का दबाव बढ़ रहा था। जनता पार्टी और बाकी विपक्षी दल सरकार बर्खास्त करने की मांग कर रहे थे। आखिर छोटकी छेछानी में क्या हुआ था, जिसका बदला माओवादियों ने दलेलचक बघौरा में लिया- दरअसल, बघौरा गांव के बगल से कोयल नहर निकलने वाली थी। इससे वहां की जमीनों की कीमतें अचानक बढ़ गई थीं। इन जमीनों पर राजपूतों का दावा था। जबकि यादव अपना कब्जा चाहते थे। नक्सली संगठन एमसीसी यादवों की मदद कर रहा था। दलेलचक गांव में बोध गया के महंत की सैकड़ों एकड़ जमीनें थीं। एमसीसी वालों ने उनकी कुछ जमीनों पर कब्जा कर लिया था और बटाईदारों के जरिए खेती करवा रहे थे। गांव के ही एक दबंग राजपूत रामनरेश सिंह ने महंत से 46 एकड़ जमीनें खरीद लीं और बटाईदारों को भगा दिया। कहा जाता है कि रामनरेश

केंद्रीय मंत्री और बाद में पीएम बने चंद्रशेखर का करीबी था। कुछ ही दिनों बाद रामनरेश के सहयोगी कृष्णा कहार का मर्डर हो गया। सितंबर 1986 में राम नरेश के एक और सहयोगी की हत्या हो गई। आरोप एमसीसी पर लगा। 10 दिनों के भीतर ही जमींदारों ने 5-6 एमसीसी कार्यकर्ताओं की हत्या कर दी। यहां से बदले की आग और धधकती गई। 20 दिन बाद पास के ही दरमिया गांव में 11 राजपूतों की हत्या हो गई। फिर से आरोप लगा एमसीसी पर। इसके बाद सरकार ने स्पेशल ऑपरेशन चलाया। पुलिस बढ़ा दी गई। सेंट्रल फोर्सेज की तैनाती की कर दी गई। कुछ महीने मामला काबू में रहा। फिर प्रशानस ने ढील दे दी। सेंट्रल फोर्सेज को पंजाब भेज दिया गया। एसपी और टास्क फोर्स वालों को भी पटना बुला लिया गया। दरअसल, उन दिनों पंजाब उग्रवाद के दौर से गुजर रहा था। ऑपरेशन ब्लू स्टार के बाद इंदिरा गांधी की हत्या हो चुकी थी। 19 अप्रैल 1987 को राजपूत जमींदार केदार सिंह की हत्या हो गई। इस हत्या के दो घंटे बाद ही मुसाफिर यादव और राधे यादव परिवार के सात लोगों का कत्ल हो गया। मुसाफिर और राधे यादव एमसीसी के सपोर्टर माने जाते थे। कुछ रोज बाद मदनपुर बाजार में नक्सलियों ने पर्चा बंटवाया। जिसमें लिखा था- 'सात का बदला सत्तर से लेंगे।' और अगले ही महीने दलेलचक बघौरा में नरसंहार हो गया। दो साल में 3 मुख्यमंत्रियों का इस्तीफा, फिर कभी कांग्रेस का सीएम नहीं बना इस नरसंहार को लेकर विपक्ष तो हमलावर था ही, सरकार के अंदर भी अलग-अलग खेमे बंट गए थे। पूर्व सीएम जगन्नाथ मिश्रा तो अपने ही सीएम पर लापरवाही का ठीकरा फोड़ रहे थे। आनन-फानन में सरकार ने डीजीपी एसबी सहाय को हटा दिया। आईजीपी लॉ एंड ऑर्डर का भी तबादला हो गया। औरंगाबाद के एसपी भी बदल गए। पर सरकार में सबकुछ ठीक नहीं रहा। इसके बाद सीएम को दिल्ली बुलाया गया। सियासी गलियारों में कयास लगने लगे कि मुख्यमंत्री बदले जाएंगे। आखिरकार

13 फरवरी 1988 को मुख्यमंत्री बिंदेश्वरी दुबे ने इस्तीफा दे दिया। भागवत झा आजाद मुख्यमंत्री बने, लेकिन एक साल बाद उन्हें भी हटा दिया गया। इसके बाद सत्येंद्र नारायण सिंह सीएम बने। पर 7 महीने बाद दिसंबर 1989 में उनका भी इस्तीफा हो गया। अगले चुनाव में दो-तीन महीने ही बचे थे। ऐसे में राज्य की कमान एक बार फिर से जगन्नाथ मिश्रा को मिली। 1990 के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस को 324 सीटों में से महज 71 सीटें मिलीं। पिछले चुनाव से 125 कम। मगध संभाग, जहां ये नरसंहार हुआ था, वहां की 26 सीटों में से सिर्फ 10 सीटें ही कांग्रेस बचा सकी। जबकि पिछले चुनाव में उसे 19 सीटें मिली थीं। यानी आधी सीटें कांग्रेस ने गंवा दी। 122 सीटें जीतकर जनता दल ने लेफ्ट और निर्दलीयों की मदद से सरकार बनाई और लालू यादव मुख्यमंत्री बने। 1990 के अगस्त में मंडल कमिशन की सिफारिशें लागू करने का एलान हुआ और दो महीने बाद ही बीजेपी ने राम रथ यात्रा निकाल दी। इसी दौरान लालू ने बीजेपी नेता लाल कृष्ण आडवाणी को बिहार में गिरफ्तार कर लिया। यहां से लालू को पिछड़ों के साथ ही मुस्लिमों का साथ भी मिलने लगा। दूसरी तरफ आरक्षण और सवर्णों के नरसंहारों की वजह कांग्रेस के कोर वोटर्स बीजेपी की तरफ शिफ्ट होते गए। 1995 के चुनाव में कांग्रेस सिर्फ 29 सीटों ही जीत सकी। इसके बाद साल दर साल कांग्रेस कमजोर पड़ती गई। 40 साल तक बिहार में राज करने वाली कांग्रेस, राजद का छोटा भाई बनने पर मजबूर हो गई। तब से उसका सीएम तो नहीं ही बना, वह मुख्य विपक्षी पार्टी भी नहीं बन पाई। हमलावर 500, आरोपी 177, 8 उम्रकैद काटकर जेल से छूट गए- दलेलचक बघौरा गांव में 500 लोगों की भीड़ ने हमला किया था। इनमें से कुल 177 आरोपी बनाए गए। दिसंबर 1992 में औरंगाबाद सेशन कोर्ट ने 8 को फांसी की सजा सुनाई गई और बाकी सबूतों के अभाव में बरी हो गए। इस फैसले के बाद नक्सलियों ने गया के बारा गांव के पास एक थाने को घेरकर 5 पुलिस वालों की हत्या कर दी। 2011 में सुप्रीम कोर्ट ने फांसी की सजा को आजीवन कारावास में बदल दिया। इसी साल आठों आरोपी अपनी-अपनी सजा काटकर जेल से छूट गए। नरसंहार के बाद ज्यादातर राजपूत गांव छोड़कर चले गए थे। दोनों गांवों को भूतहा गांव कहा जाने लगा था। आज भी इन गांवों में राजपूतों के गिने-चुने ही घर हैं। कई परिवार तो नरसंहार के बाद लौटे ही नहीं। कल तीसरे एपिसोड में पढ़िए कहानी बारा नरसंहार की, जहां 35 भूमिहारों की हत्या कर दी गई..नोट : (यह सच्ची कहानी पुलिस चार्जशीट, कोर्ट जजमेंट, गांव वालों के बयान, अलग-अलग किताबें, अखबार और इंटरनेशल रिपोर्ट्स पर आधारित है। क्रिएटिव लिबर्टी का इस्तेमाल करते हुए इसे कहानी के रूप में लिखा गया है।) (Terrorism, World Under Siege : SK Ghosh

Terrorism, Naxalism & Insurgency in India : Dr. Ashok kumar, :Broken Promises: Caste, Crime and Politics in Bihar : Mrityunjay Sharma

https://www.indiatoday.in/magazine/indiascope/story/19921215-maoist-killers-in-bihar-accused-of-killing-43-rajput-peasants-sentenced-to-death-767289-2012-12-21?utm_source=chatgpt.com

https://www.bhaskar.com/bihar-election/news/dalelchak-baghaura-massacre-story-rajput-yadav-dalit-caste-violence-135907014.html

https://www.telegraphindia.com/bihar/wait-for-matchbox-in-ghost-village-only-two-families-remain-in-hamlet-that-witnessed-first-maoist-carnage/cid/459367)

51 किमी की रेल लाइन से मिजोरम दिल्ली से जुड़ा, बैराबी-सायरंग के बीच 45 सुरंगें, कुतुबमीनार से ऊंचा भारत का दूसरा ब्रिज, पीएम ने उद्घाटन किया

आइजोल। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को मिजोरम की पहली रेल लाइन बैराबी-सायरंग का उद्घाटन किया। 51 किमी लंबी बैराबी-सायरंग रेलवे लाइन के जरिए मिजोरम की दिल्ली, गुवाहाटी और

कोलकाता से सीधी रेल कनेक्टिविटि हो गई है। इस रेलवे रूट में 45 सुरंग, 88 छोटे और 55 बड़े ब्रिज हैं। इसके अलावा 114 मीटर ऊंचा देश का दूसरा पियर ब्रिज भी है, जो कुतुब मिनार (72 मीटर) से भी ऊंचा है।पीएम ने कहा, 'लंबे समय से हमारे देश की कुछ राजनीतिक पार्टियां वोट बैंक पॉलिटिक्स कर रही हैं। जिन्होंने मिजोरम को अनदेखा किया, लेकिन आज मिजोरम फ्रंटलाइन में हैं।' दरअसल, पीएम मोदी 2 दिन के नॉर्थ ईस्ट दौरे पर हैं। वे सुबह मिजोरम के आईजोल पहुंचे, यहां लेंगपुई एयरपोर्ट से रु9000 करोड़ के प्रोजेक्ट का शिलान्यास किया। इसके बाद पीएम मणिपुर गए। वहां चुराचांदपुर और इंफाल में रु8,500 करोड़ के प्रोजेक्ट्स का उद्घाटन किया। शाम करीब 6 बजे पीएम असम के गुवाहाटी पहुंचे। वहां भूपेन हजारिका जन्म शताब्दी समारोह में शामिल हुए। प्रधानमंत्री ने गुवाहाटी में रोड शो किया और कार से लोगों का अभिवादन किया। पीएम मोदी रात में स्टेट गेस्ट हाउस में आराम करेंगे। रविवार को, दरांग जिले से रु19,000 करोड़ के प्रोजेक्ट्स का उद्घाटन करेंगे। सायरंग से दिल्ली ट्रेन की वजह से अब यह राज्य राष्ट्रीय राजधानी दिल?ली से सीधे जुड़ गया है। यह ट्रेन हफ्ते में एक दिन चलेगी और 2510 किमी का सफर 45 घंटे 30 मिनट तय करेगी। एवरेज स्पीड 57.81 किमी प्रति घंटे होगी। सायरंग-कोलकाता ट्रेन सप्ताह में 3 दिन चलेगी। कोलकाता से सायरंग के बीच की 1530 किमी की दूरी 31.15 घंटे में पूरी होगी। यह ट्रेन सप्ताह में शनिवार, मंगलवार और बुधवार को चलेगी। इस ट्रेन की एवरेज स्पीड 48.96 किमी प्रति घंटे होगी।सायरंग-गुवाहाटी ट्रेन सायरंग से दिन में 12:30 बजे चलेगी। आधी रात के बाद 2:30 बजे गुवाहाटी पहुंचेगी। इसके साथ एक मालगाड़ी भी सायरंग से निकलेगी देश के दूसरे हिस्सों को जोड़ेगी। अभी इसकी जानकारी सामने नहीं आई है। आज से आइजोल भी देश के रेलवे मैप पर होगा। मुझे यह अवसर मिला कि मैं रेलवे लाइन का उद्घाटन कर सकूं। कई चुनौतियों से उबरते हुए यह रेल लाइन का सपना सच हो सका है। हमारे इंजीनियर की योग्यता ने इसे साकार किया। मिजोरम प्रतिभाशाली युवाओं से भरपूर है और हमारा काम उन्हें सशक्त बनाना है। हमारी सरकार यहां पहले ही 11 एकलव्य आवासीय स्कूल बना चुकी है। 6 और विद्यालयों पर काम शुरू होने वाला है। मुझे यह बताते हुए खुशी हो रही है कि इस क्षेत्र में लगभग 4500 स्टार्टअप और 25 इनक्यूबेटर काम कर रहे हैं। मिजोरम को हवाई यात्रा के लिए उड़ान योजना का भी लाभ मिलेगा। जल्द ही यहां हेलिकॉप्टर सेवाएं शुरू होंगी, जिससे मिजोरम के दूरदराज के इलाकों तक पहुंच आसान हो जाएगी। हमारे दिल हमेशा से एक-दूसरे से जुड़े रहे हैं। अब पहली बार मिजोरम का सायरंग, राजधानी एक्सप्रेस के जरिए दिल्ली से सीधे जुड़ जाएगा। यह सिर्फ एक रेल कनेक्टिविटी नहीं है, यह बदलाव की जीवनरेखा है। मिजोरम के राज्यपाल जनरल वी.के. सिंह (सेवानिवृत्त) ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने 11 साल पहले ही विजन दिया था कि विकास तभी होगा जब देश के दूर-दराज और सीमावर्ती इलाकों तक आधारभूत ढांचा पहुंचेगा। उन्होंने कहा कि यह रेल लाइन मिजोरम को देश के बाकी हिस्सों से जोड़ेगी और भविष्य में इसे म्यांमार सीमा तक भी बढ़ाया जा सकता है। मिजोरम की पार्टियां जोरम पीपल्स मूवमेंट, मिजो नेशनल फ्रंट ने भी इस परियोजना का स्वागत किया है। उनका कहना है कि इससे राज्य में आर्थिक विकास, व्यापार, पर्यटन और रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे।

चुनाव आयोग बोला- वोटर लिस्ट बनाना, बदलना सिर्फ हमारा काम, एसआईआर कराना विशेष अधिकार, सुप्रीम कोर्ट का निर्देश देना हमारे काम में दखल

नयी दिल्ली। चुनाव आयोग (EC) ने सुप्रीम कोर्ट में हलफनामा देकर कहा- पूरे देश में समय-समय पर

स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (एसआईआर) कराना उसका विशेषाधिकार है। कोर्ट इसका निर्देश देगी तो ये अधिकार में दखल होगा। आयोग ने कोर्ट में दाखिल अपने हलफनामे में कहा कि संविधान के अनुच्छेद 324 के अनुसार वोटर लिस्ट बनाना और उसमें समय-समय पर बदलाव करना सिर्फ चुनाव आयोग (EC) का अधिकार है। यह काम न किसी और संस्था और न ही अदालत को दिया जा सकता। चुनाव आयोग ने कहा कि हम अपनी जिम्मेदारी समझते हैं और वोटर लिस्ट को पारदर्शी रखने के लिए लगातार काम करते हैं। यह हलफनामा एडवोकेट अश्विनी कुमार उपाध्याय की याचिका पर दायर किया गया था। याचिका में मांग की गई थी कि- 'चुनाव आयोग को भारत में विशेष रूप से चुनावों से पहले एसआईआर कराने का निर्देश दिया जाए, ताकि देश की राजनीति और नीति केवल भारतीय नागरिक ही तय करें।'(EC)ने 5 जुलाई 2025 को बिहार को छोड़कर सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के मुख्य चुनाव अधिकारियों (CEO) को पत्र भेजकर 1 जनवरी 2026 की पात्रता तिथि के आधार पर एसआईआर की तैयारियां शुरू करने का निर्देश दिया था। चुनाव आयोग ने कहा- वोटर लिस्ट में बदलाव हमारा अधिकार- धारा 21 के मुताबिक, वोटर लिस्ट में बदलाव करने की कोई तय समय सीमा नहीं है। बल्कि ये सामान्य जिम्मेदारी है, जिसे हर आम चुनाव, विधानसभा चुनाव या किसी सीट के खाली होने पर होने वाले उपचुनाव से पहले पूरा करना जरूरी है। नियम 25 से साफ है कि मतदाता सूची में थोड़ा-बहुत या बड़े स्तर पर बदलाव करना है या नहीं, यह पूरी तरह चुनाव आयोग के फैसले पर निर्भर करता है। मतदाता सूची को सही और भरोसेमंद रखना चुनाव आयोग की कानूनी जिम्मेदारी है। इसलिए जनप्रतिनिधित्व अधिनियम, 1950 के तहत 24 जून 2025 के SIR आदेश के मुताबिक अलग-अलग राज्यों में एँं कराने का फैसला किया है। जनप्रतिनिधित्व अधिनियम, 1950 और मतदाता पंजीकरण नियम, 1960 के अनुसार आयोग को छूट है कि वह तय करे कि कब समरी रिवीजन किया जाए और कब इंटेंसिव रिवीजन। 8 सितंबर को सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि बिहार में जारी एसआईआर प्रक्रिया में आधार कार्ड को पहचान प्रमाण के तौर पर अनिवार्य रूप से शामिल किया जाए। चुनाव आयोग को 9 सितंबर तक इस निर्देश को लागू करने का निर्देश दिया था। हालांकि अदालत ने यह भी स्पष्ट किया कि आधार कार्ड नागरिकता का प्रमाण नहीं है। कोर्ट ने (EC) को निर्देश दिया कि वह वोटर सूची में नाम जुड़वाते समय दिए गए आधार नंबर की प्रामाणिकता की जांच कर सकता है। बिहार में 2003 के बाद पहली बार यह एसआईआर प्रक्रिया हो रही है। EC का कहना है कि एसआईआर का उद्देश्य उन लोगों के नाम मतदाता सूची से हटाना है जो मर चुके हैं, जिनके पास डुप्लीकेट वोटर कार्ड हैं या जो अवैध प्रवासी हैं। लेकिन विपक्षी दलों ने आरोप लगाया कि इस प्रक्रिया से लोगों को वोटिंग अधिकार से वंचित करने की साजिश हो रही है। ऍं के 24 जून के नोटिफिकेशन के अनुसार, बिहार की अंतिम मतदाता सूची 30 सितंबर को प्रकाशित की जाएगी। इस प्रक्रिया के बाद बिहार में कुल मतदाता संख्या 7.9 करोड़ से घटकर 7.24 करोड़ रह गई है। करीब 65 लाख नाम हटाए गए।

सीएम सवार थे, हॉट एयर बैलून में आग लगी, पायलट ने कहा-कपड़ा फायर प्रूफ, कलेक्टर बोलीं-ये हादसा नहा

मंदसौर। मध्यप्रदेश के गांधीसागर फॉरेस्ट रिट्रीट के पास हिंगलाज रिसोर्ट में नाइट हाल्ट के बाद शनिवार सुबह मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव हॉट बैलून में सवार हुए, लेकिन हवा की रफ्तार 20 किलोमीटर प्रतिघंटा होने से बैलून नहीं उड़ सका। इस दौरान उसके निचले हिस्से में आग लग गई, जिसे वहां मौजूद कर्मचारियों ने बुझाया। दूसरी ओर, सीएम डॉ. यादव जिस ट्रॉली में सवार थे, उसे सिक्योरिटी गार्ड्स ने संभाले रखा, जिससे डॉ. यादव सुरक्षित हैं। मुख्यमंत्री ने शुक्रवार शाम को गांधीसागर फॉरेस्ट रिट्रीट में गांधीसागर फेस्टिवल के चौथे संस्करण की शुरुआत की थी। रात में वे रिट्रीट के पास हिंगलाज रिसोर्ट में ही रुके थे। उन्होंने क्रूज पर सवार होकर चंबल डैम के बैक वाटर एरिया घूमा। शनिवार सुबह वे रिट्रीट पहुंचे। यहां बोटिंग का लुत्फ उठाया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव मंदसौर सांसद सुधीर गुप्ता के साथ हॉट एयर बैलून के रोमांचकारी सफर पर निकल रहे थे, लेकिन उस समय हवा की रफ्तार ज्यादा थी। इस वजह से बैलून उड़ नहीं सका। जब उसमें एयर भरी जा

रही थी, वह नीचे झुक गया। जिससे निचले हिस्से में आग लग गई। इसके ठीक नीचे सीएम थे। इसके चलते सीएम सिक्योरिटी भी अलर्ट हुई और ट्रॉली को संभाले रखा। दूसरी ओर, एक्सपर्ट और कर्मचारियों ने आग को बुझाया।कलेक्टर अदिति गर्ग ने बयान जारी कर कहा कि एयर बैलून में सुरक्षा के संबंध में किसी तरह की कोई चूक नहीं हुई है। मुख्यमंत्री जी केवल एयर बैलून को देखने के लिए गए थे। हॉट एयर बैलून, जैसा कि नाम से ही स्पष्ट है, गर्म हवा का गुब्बारा होता है। एक्सपर्ट ने बताया कि सुबह 6 से 7:30 बजे के बीच हवा की रफ्तार न के बराबर रहती है। हॉट एयर बैलून में हवा की रफ्तार जीरो होनी चाहिए, लेकिन जब सीएम सवार हुए, तब रफ्तार 15 से 20 किमी प्रतिघंटा तक थी। इस वजह से बैलून ऊपर नहीं जा सका।हॉट एयर बैलून पायलट इरफान ने कहा कि यह बैलून एलपीजी से चलता है। इसमें दो सिलेंडर लगते हैं। जैसे ही एलपीजी से हीट देंगे तो ऊपर जाएगा। नीचे लाने के लिए भी हीट देनी पड़ती है। बर्नर में आग एलपीजी से ही लग रही है। बर्नर को खड़ा रखेंगे, तभी बैलून में हीट जाएगी। क्लोज करने के समय ही बर्नर को बंद करते हैं। बैलून का कपड़ा फायर प्रूफ है। वह पूरी तरह से सेफ है। मैंने केरला में इसकी ट्रेनिंग ली है। सात साल से इसे चला रहा हूं। मैंने कई राइड कराई हैं।मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि गांधीसागर महासागर के समान है।

सेवा पखवाड़ा के रूप में मनेगा पीएम मोदी का जन्मदिन:खुशबू

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। भारतीय जनता युवा मोर्चा

की क्षेत्र उपाध्यक्ष खुशबू सिंह ने संगठन के निर्देश पर एक प्रेस वार्ता जिला कार्यालय भाजपा सोनभद्र पर सम्पन्न हुयी। साथ ही युवा मोर्चा के जिला पदाधिकारी बैठक कि गयी। प्रेस के बंधुओं को संबोधित करते हुए खुशबू सिंह ने बताया कि देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस 17 सितम्बर को संगठन द्वारा सेवा पखवाड़ा के रूप में मनाया जाता है जिसमें रक्तदान ,स्वच्छता, वृक्षारोपण जैसे रचनात्मक कार्यों के माध्यम से जनता के बीच जाना है, प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी रक्तदान का कार्यक्रम 17 सितंबर को जिला स्तर पर फिर मंडल स्तर पर रक्तदान षिवीर लगाकर किया जाएगा साथ ही 25 सितंबर को पंडित दीनदयाल उपाध्याय के जन्म जयंती के अवसर प्रत्येक बूथों पर स्वच्छता अभियान करते हुए चित्र पर माल्यार्पण कर एक पेड़ मां के नाम अभियान के अंतर्गत एक पौधा लगाकर मोदी को जन्म दिवस की शुभकामनाएं दिया जायेगा। प्रेस वार्ता में जिला अध्यक्ष विशाल पांडे के साथ युवा मोर्चा के जिला महामंत्री/कार्यक्रम संयोजक रक्तदान रजनीश रघुवंशी, विनय श्रीवास्तव जिला मंत्री शिवम राजपूत, उत्कर्ष पांडेय, विनीत त्रिपाठी कोषाध्यक्ष आशीष केशरी आनन्द पांडेय नगर संयोजक युवा मोर्चा उपस्थित रहे।

पीएम मोदी के 75वें जन्मदिन पर 'मोदी सम्मान समारोह' का आयोजन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 75वें जन्मदिन के अवसर पर सोनभद्र

जिले में 16 सितंबर को 'मोदी सम्मान समारोह' का भव्य आयोजन सोन पैलेस चंडी तिराहे पर 11 बजे किया जाएगा।जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में दिलीप सिंह पटेल,क्षेत्रीय अध्यक्ष भाजपा काशी क्षेत्र एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में संजीव कुमार गोंड समाज कल्याण राज्य मंत्री उत्तर प्रदेश सरकार इस समारोह के आयोजक पूर्व भाजपा जिलाध्यक्ष अशोक मिश्रा हैं, जिन्होंने शुक्रवार को पत्रकारों से बातचीत में इसकी विस्तृत जानकारी साझा की। मिश्रा ने बताया कि आधुनिक भारत के शिल्पी पीएम मोदी के जन्मदिन के इस सुअवसर पर सोनभद्र के विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान देने वाले व्यक्तियों को सम्मानित किया जाएगा। इसमें शिक्षा, साहित्यिक क्षेत्र और सांस्कृतिक मूल्यों के संरक्षण में योगदान देने वाले मनीषी शामिल हैं। उन्होंने कहा, 'जो व्यक्ति शिक्षा के क्षेत्र में अपनी सेवाएं दे चुके हैं, साहित्यिक जगत में अपनी छाप छोड़ी है या सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित करने में अग्रणी रहे हैं, उन्हें उनके योगदान के लिए विशेष सम्मान प्रदान किया जाएगा।'इसके अलावा, पिछले कुछ वर्षों में अपने विद्यालयों में उच्चतम प्रदर्शन कर अपने अभिभावकों और संस्थानों का मान बढ़ाने वाले मेधावी विद्यार्थियों को भी सम्मानित किया जाएगा। मिश्रा ने जोर देकर कहा कि विद्यार्थियों के साथ-साथ उनके शिक्षकों और विद्यालय प्रबंधन को भी इस समारोह में स्थान दिया जाएगा। उन्होंने उल्लेख किया, 'विद्यार्थी और शिक्षक किसी भी समाज की उन्नति का आधार होते हैं। उन्हें सम्मान देकर हम उन्हें देश और समाज के विकास के लिए प्रेरित करना चाहते हैं, जो एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगा।'यह समारोह न केवल पीएम मोदी के प्रति श्रद्धा व्यक्त करने का माध्यम बनेगा, बल्कि स्थानीय स्तर पर योग्य व्यक्तियों को प्रोत्साहित करने का भी प्रयास है। आयोजकों का मानना है कि इससे सोनभद्र जिले में सामाजिक जागरूकता और उत्कृष्टता को बढ़ावा मिलेगा। समारोह की तैयारियां जोरों पर हैं, और इसमें बड़ी संख्या में लोग भाग लेने की संभावना है।इस मौके पर सदर ब्लाक प्रमुख अजीत रावत,भाजपा शहर अध्यक्ष विनय श्रीवास्तव,आलोक रावत आदि लोग मौजूद रहे।

भाषावाद प्रभाव' विषय पर हुआ निबन्ध प्रतियोगिता का आयोजन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। विन्ध्य

कन्या पी0जी0 कालेज राबर्ट्सगंज में शनिवार को हिन्दी दिवस की पूर्व संध्या पर राष्ट्रीय एकता में भाषावाद का प्रभाव' विषय पर निबन्ध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

जिसमे राजकीय बालिका इण्टर कालेज राबर्ट्सगंज, चुर्क, राजा शारदा महेश इण्टर कालेज राबर्ट्सगंज, गुरूनानक बालिका इण्टर कालेज राबर्ट्सगंज, स्वामी हरसेवानन्द महाविद्यालय चुर्क के 300 प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया।

प्रतिभागियों में प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले छात्र/छात्राओं को महाविद्यालय परिवार अपने वार्षिकोत्सव को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित करेंगा।

महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ0 अंजली विक्रम सिंह, ने कहा कि प्रतियोगी कार्यक्रम से छात्रा/छात्राओं का उत्साह वर्धन होता है।

इस अवसर पर महाविद्यालय के मुख्य ट्रस्टी डॉ0 अजय कुमार सिंह, डॉ0 कैलाश नाथ, डॉ0 मालती शुक्ला, डॉ0 अरूणेन्द्र संदल, डॉ0 अनुग्रह सिंह, पंकज सिंह, अनीश, मनीष, कीर्ति तथा शिक्षणेत्तर कर्मी उपस्थित थें।

रॉबर्ट्सगंज में 21 सितंबर से शुरू होगी रामलीला, भरत मिलाप कार्यक्रम पुनः प्रारम्भ करने पर समिति में हुई चर्चा

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। रॉबर्ट्सगंजनगर के रामलीला मैदान सभागार में बुधवार की रात श्रीरामलीला समिति की बैठक हुई। बैठक का संचालन प्रमोद गुप्ता ने किया। इस दौरान 2024-25 का

आय-व्यय प्रस्तुत किया गया, जिसमें बांके बिहारी मंदिर की सेवा, पुजारी वेतन और वर्षभर के कार्यक्रमों का ब्यौरा शामिल था। उपस्थित पदाधिकारियों और सदस्यों ने इसे सर्वसम्मति से मंजूर किया। बैठक में आगामी 21 सितंबर से शुरू होने वाली रामलीला की तैयारियों पर चर्चा हुई। विमल अग्रवाल ने समिति की सदस्य संख्या बढ़ाने का सुझाव दिया, वहीं मुरारी गुप्ता ने खर्च बढ़ने के कारण आय बढ़ाने पर जोर दिया। कौशल शर्मा ने वर्षों से बंद पड़े भरत मिलाप को पुनः प्रारम्भ करने की बात कही। डॉ. धर्मवीर तिवारी ने सदस्यता शुल्क बढ़ाने और भरत मिलाप को पुनः शुरू करने पर सहमति जताई। जीतेन्द्र सिंह ने कहा कि यह परंपरा 123 वर्ष पुराना है और नगरवासियों के सहयोग से ही चलती आ रही है। खर्च बढ़ने के साथ ही मंचन को आधुनिक बनाने की आवश्यकता है। बैठक में साफ-सफाई, व्यवस्था और अन्य लीला मंचनों पर भी विचार हुआ। अंत में अध्यक्ष पवन जैन ने सभी का आभार व्यक्त किया। बैठक में राकेश गुप्ता, संगम गुप्ता, रविन्द्र केशरी, मनीष खंडेलवाल, सुशील पाठक, घनश्याम सिंघल, धर्मराज जैन, चंद्रभान अग्रवाल, प्रशांत जैन समेत बड़ी संख्या में सदस्य उपस्थित रहे।

जिला पंचायत से बन रहे यात्री भवन में भ्रष्टाचार,बिना गड्ढा खोदे,लेंथ बाधे खड़ा कर दिया पिलर

नगवां ब्लॉक में बनने है आधा दर्जन यात्री भवन,मामला बारा डांड के वन देवी के पास हो रहा निर्माण

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। विकास खंड नगवां में जिला

पंचायत निधि से आधा दर्जन यात्री भवन का निर्माण प्रस्तावित है निर्माण कार्य की जिम्मेदारी के और माते को दी गई है वर्तमान में एक यात्री भवन का निर्माण बारा डांड स्थित वन देवी के पास किया जा रहा है जिसमें ठेकेदार द्वारा बिना गड्ढा खोदे बिना लेंथ बाधे 10 फीट का पिलर खड़ा कर दिया गया है और उसी के ऊपर छत ढलाई का कार्य प्रगति पर है।जब इसकी जानकारी ग्रामीणों को हुई तो इसका विरोध करने लगे और यात्री भवन निर्माण में भ्रष्टाचार को लेकर लामबंद हो गए ग्रामीणों का आरोप है कि ठेकेदार और जेई कभी साइड पर नही आते है एक क्षेत्रीय मेठ द्वारा कार्य कराया जा रहा है और निर्माण कार्य में भारी अनियमितता बरती जा रही है।ग्रामीणों का कहना है कि ठेकेदार द्वारा मानक के विपरित खराब सामग्री का प्रयोग किया जा रहा है पिलर की ढलाई और दीवाल की जुड़ाई में बालू के साथ पत्थर के चूरन का प्रयोग धड़ल्ले से किया गया है। सूत्रों की मानी जाय तो स्थानीय मेठ द्वारा बिना गड्ढा खोदे और बिना लेंथ बाधे ही पिलर खड़ा कर दिया है पिलर निर्माण में मेठ द्वारा अपने पास पड़े खराब पुराने तीन सूत के छड़ का इस्तेमाल किया गया है जो मानक के विपरित है। जब इस पूरे मामले को लेकर जिला पंचायत के जेई राजेश यादव से सेल फोन पर वार्ता किया गया तो उनका साफ कहना था कि पिलर खड़ा करने के लिए तीन फीट का गड्ढा खोदकर लेंथ बांधना है उसके बाद ही पिलर का निर्माण करना है यह मामला मेरे संज्ञान में हो गया है इसकी जांच की जाएगी। वही ग्रामीणों ने मानक के विपरित हो रहे निर्माण कार्य को रोक दिया है ग्रामीणों मांग की है कि जिलाधिकारी सोनभद्र इस मामले की उच्चस्तरीय जांच करवाकर कर संबंधित विभाग के विरुद्ध कठोर कार्रवाई करें विभाग द्वारा कराए जा रहे भ्रष्टाचार को सहन नहीं किया जायेगा। विरोध करने वालों में राम ईश्वार, पारसनाथ, रामसजीवन, राजेन्द्र सिंह, बनारसी, अर्जुन, धीरेन्द्र, राजाकुमार, कल्लू, बिमलेश,वकिल, इत्यादि लोग सामिल रहे।

अधिवक्ता पवन कुमार को मिला राष्ट्रीय प्रतिष्ठा पुरस्कार

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र । रॉबर्ट्सगंज शहर के वरिष्ठ अधिवक्ता व अलग

पूर्वांचल राज्य की मांग कर रहे संगठन पूर्वांचल राज्य जनमोर्चा के राष्ट्रीय महासचिव अधिवक्ता पवन कुमार सिंह को पर्यावरण एवं विधि के क्षेत्र में योगदान देने के लिए लखनऊ की प्रसिद्ध सामाजिक संस्था वर्थी वैलनेस फाउंडेशन ने उन्हें राष्ट्रीय प्रतिष्ठा पुरस्कार से सम्मानित किया, फाउंडेशन की संस्थापक मानसी बाजपेई और सह संस्थापक सौम्या ने अधिवक्ता पवन कुमार सिंह को सम्मान प्रदान किया है राष्ट्रीय सम्मान मिलने पर विभिन्न संस्थाओं एवं अधिवक्ताओं ने विधि व पर्यावरण क्षेत्र में योगदान की सराहना की हैं.इस अवसर पर राजेश कुमार यादव, राजेश कुमार मौर्य, रियाज खान, संदीप जयसवाल, प्रदीप कुमार मौर्य, नवीन कुमार पांडेय, संतोष चतुर्वेदी, अनिल कुमार प्रसाद सिंह, अविनाश यादव, फूल सिंह, शांति वर्मा, शाहनवाज आलम खान, टीटू गुप्ता, राकेश कुमार, रामगुल्ली यादव, रविन्द्र पटेल,राजकुमार पटेल, राजकुमार सिंह, मार्तंड प्रसाद पटेल, शाहिद कुरैशी, धनंजय कुमार, कृष्णानानंद सिंह, शैलेंद्र कुमार, , रौसन खां आदि लोग उपस्थित रहे।

जिले में चल रहे प्रवेट हॉस्पिटल पर कब होगी कार्रवाई:उषा चौबे

कांग्रेसियों ने अवैध हॉस्पिटल बंद करने को किया विरोध प्रदर्शन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। जिले मे अवैध रूप से संचालित हॉस्पिटलो , पैथोलॉजी सेंटरो को बंद कराने, मेडिकल

कालेज मे आईसीयू को चालू कराने, डिजिटल एक्सरे को चालू कराने, मेडिकल कालेज को सहित तमाम मुद्दों को लेकर कॉग्रेस कार्यकर्ताओं ने मुख्य चिकित्साधिकारी कार्यालय पहुंचकर विरोध प्रदर्शन किया। जिला प्रवक्ता शत्रुंजय मिश्र ने कहा की बीजेपी सरकार मे सोनभद्र मे स्वास्थ्य व्यवस्था ध्वस्त हो गई है। 25 लाख आवादी वाले जनपद मे मेडिकल कालेज मे आईसीयू की सुविधा उपलब्ध न होने से गंभीर बीमारी वाले मरीज़ रेफर होने पर रास्ते मे मौत हो जाता है। डिजिटल एक्सरे मशीन एक वर्ष से बंद होने से मरीजों को दोगुनी दामों मे प्राइवेट पैथोलॉजी सेंटरो मे कराना पड़ता है।हड्डी विभाग के चिकित्सको द्वारा मरीजों को इंप्लांट की खरीद बाहर से दोगुनी दामों मे चहते दुकान से खरीदने की सलाह देते हैत जिले मे अवैध हॉस्पिटल स्वास्थ्य विभाग के संरक्षण मे संचालित हो रहा है, जिससे मरीज़ आय दिन काल के गाल मे समा रहे हैत जिला सचिव सेराज हुसैन ने कहा की जिला मुख्यालय सहित ग्रामीण क्षेत्रो मे अवैध हॉस्पिटल मे मरीजों का शोषण किया जा रहा है, स्वास्थ्य विभाग कार्यवाही के नाम पर कोरम पूरा कर रहा है, बंद हॉस्पिटलो से धन उगाही कर उन्हें पुनः चालू किया जा रहा हैत महिला जिलाध्यक्ष ऊषा चौबे ने कहा की अवैध हॉस्पिटल मे आए दिन महिलाओं के डिलेवरी के बाद चिकित्सको की लापरवाही से जच्चा बच्चों की मौत हो रही ह। लेकिन जिला प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग मौन है। जिला महासचिव राहुल सिंह पटेल ने कहा की स्वास्थ्य विभाग मे भ्रस्टाचार चरम पर है त मेडिकल कालेज मे दलालों का जमावड़ा रहता है। पूर्व जिला उपाध्यक्ष अरविंद सिंह और पूर्व जिला महासचिव कन्हैया पांडे ने कहा की बीजेपी सरकार मे स्वास्थ्य व्यवस्था बेपटरी हो चुका है त जनता बेहाल है।जनपद मे स्वास्थ्य व्यवस्था मे सुधार नहीं हुआ तो बड़ा आंदोलन किया जाएगा। कॉग्रेस नेता सुनील मिश्रा और प्रमोद कुमार पांडे ने भी जिले की स्वास्थ्य व्यवस्था की बदहाली के लिए जिले के जनप्रतिनिधो को जिम्मेदार ठहराया हैत उक्त मौके पर पूर्व पीसीसी सदस्य नूरूद्दिन खान,बंशीधर पांडे, जितेंद्र पांडे, जिला उपाध्यक्ष महिला कॉग्रेस शांति विश्वकर्मा, संतोष नागर, शिव पूजन विश्वकर्मा, सीमू, रामरूप शुक्ला, सत्यम मिश्रा, सहित तमाम कार्यकर्ता मौजूद रहे।

अधिवक्ता परिषद सोनभद्र इकाई के नई कार्यकारिणी का हुआ गठन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। अधिवक्ता परिषद के प्रदेश महामंत्री आदरणीय नीरज एवं अधिवक्ता परिषद सोनभद्र मालवीय एडवोकेट को जिम्मेदारी दी गयी।कोषाध्यक्ष सर्वेश कुमार

सोनभद्र इकाई के नई कार्यकारिणी का गठन विनोद कुमार शुक्ल महामंत्री एवं राजीव कुमार सिंह अध्यक्ष मनोनीत किए गए। बता दें कि शनिवार को सोनभद्र बार एसोसिएशन के सभागार में अधिवक्ता परिषद सोनभद्र इकाई की नई कार्यकारिणी के गठन के लिए अधिवक्ता परिषद काशी प्रांत इकाई के संरक्षक मंडल अरुण प्रताप सिंह , अमरेश चंद्र पाण्डेय एवं पदाधिकारियों के मध्य बैठक की गई जिसमें राजीव कुमार सिंह एडवोकेट को अधिवक्ता परिषद का अध्यक्ष एवं विनोद कुमार शुक्ल एडवोकेट को महामंत्री मनोनीत किया गया। वही उपाध्यक्ष पद हेतु पवन कुमार मिश्र एवं सुनील कुमार मिश्र बनाये गये। पद की जिम्मेदारी मिलने के बाद ही सभी पदाधिकारियों द्वारा नव गठित कार्यकारिणी को बधाई दी । कार्यक्रम में उपस्थित सोनभद्र बार एसोसिएशन के अध्यक्ष अरुण कुमार मिश्रा एवं महामंत्री अखिलेश कुमार पाण्डेय ने सभी पदाधिकारियों को बधाई दिए।

शिक्षक केवल ज्ञान का माध्यम नहीं, बल्कि चरित्र निर्माण के वाहक भी हैं-आर पी सिंह

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) अनपरा सोनभद्र। लायन्स क्लब रेनुसागर के तत्वावधान में शनिवार को श्याम सेवा

मण्डल रेनुसागर के परिसर में 'शिक्षक सम्मान समारोह 2025' का भव्य आयोजन किया गया। इस गरिमामयी समारोह में क्षेत्र के दर्जनों उत्कृष्ट शिक्षकों को उनके शिक्षा क्षेत्र में अतुलनीय योगदान हेतु सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ स्वागत गीत सरस्वती वंदना के साथ हुआ। समारोह में बतौर मुख्य अतिथि हिंडालको रेनुसागर के यूनिट हेड आर पी सिंह ने अपने सम्बोधन में कहा कि शिक्षक केवल ज्ञान का माध्यम नहीं, बल्कि चरित्र निर्माण के वाहक भी हैं।यूनिट हेड ने कहा कि वर्तमान समय में शिक्षा का स्वरूप बदल रहा है – तकनीकी, नवाचार और वैश्विक प्रतिस्पर्धा की चुनौती हमारे सामने है। लेकिन इन सबके बीच शिक्षक की भूमिका और भी महत्वपूर्ण हो गई है। क्योंकि केवल एक शिक्षक ही है जो बच्चों में सोचने, समझने और समाज को बेहतर बनाने का दृष्टिकोण विकसित कर सकता है।इसके पूर्व लायन्स क्लब रेनुसागर के अध्यक्ष शशि चन्द्र यादव ने आये हुये अतिथियों का स्वागत करते हुये अपने सम्बोधन में कहा कि यह समारोह हर वर्ष उन शिक्षकों को सम्मानित करने के उद्देश्य से आयोजित किया जाता है,

अपर आयकर आयुक्त ने दी अग्रिम कर और छूट संबंधी जानकारी,अपर आयकर आयुक्त ने दी अग्रिम कर और छूट संबंधी जानकारी

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। आयकर विभाग, सोनभद्र ने शुक्रवार को होटल सवेरा

राबर्ट्सगंज में जागरूकता अभियान का आयोजन किया। कार्यक्रम में अपर आयकर आयुक्त, रेंज-1 वाराणसी एतेशाम अंसारी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। अंसारी ने आयकर अधिनियम के चैप्टर 6 के तहत मिलने वाली छूट और अग्रिम कर जमा करने से संबंधित विस्तृत जानकारी दी। कार्यक्रम का आयोजन आयकर अधिकारी, वार्ड 3(3) सोनभद्र रवि शंकर सिंह ने किया। इस अवसर पर सोनभद्र जिले के चार्टर्ड एकाउंटेंट्स एसोसिएशन और बार एसोसिएशन के पदाधिकारी मौजूद रहे। कार्यक्रम में व्यापारी, बैंक अधिकारी और कर्मचारी, हिंडाल्को के अधिकारी तथा रिहंद डैम और अनपरा के अधिकारी भी शामिल हुए। वहीं उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार संगठन के जिला अध्यक्ष कौशल शर्मा ने मंच से कहा कि नीति आयोग के द्वारा पिछड़े जिलों में शामिल होने के बावजूद यह जनपद गाजियाबाद के बाद राजस्व के मामले में अव्वल है उन्होंने आयोजन मंडल का धन्यवाद ज्ञापित किया। वरिष्ठ अधिवक्ता जे.पी. गुप्ता, अनिल सिंह, चार्टर्ड एकाउंटेंट नीतीश केसरी, आकाश जायसवाल और संदीप जायसवाल समेत कई गणमान्य व्यक्ति कार्यक्रम में उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन करने वाली पूजा अग्रवाल ने सभी का आभार व्यक्त किया।

मेहंदी, सिलाई, कढ़ाई, बुनाई, हस्तशिल्प प्रतियोगिता हुई आयोजित

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। महिला कल्याण विभाग, द्वारा संकल्प के अंतर्गत 10 दिवसीय अभियान

के अंतिम दिन नगर के बाल गृह बालिका में किया गया मेहंदी प्रतियोगिता का आयोजन आयोजित हुई गोष्ठी दी गई जानकारी। वहीं महिला कल्याण विभाग द्वारा संचालित हब फॉर एंपावरमेंट ऑफ वूमेन सोनभद्र, जिला प्रोबेशन अधिकारी सोनभद्र पुनीत टंडन के निर्देशानुसार पुर्ववासी ग्रामीण उत्थान विकाश सेवा समिति द्वारा संचालित बाल गृह बालिका राबर्ट्सगंज में कार्यक्रम का आयोजन किया गया, कार्यक्रम में डीएमसी नीतू यति, जी0एस0 साधना मिश्रा, सीमा द्विवेदी, संस्था अधीक्षिका नीलम सिंह, आदि के द्वाराआज का दिन स्टेम विज्ञान तकनीकी, इंजीनियर और गणित के क्षेत्र करियर में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने की अपील करता है ताकि इस अधिक विविधता वाला और समावेशी कामगार तैयार किया जा सके ,साथ ही साथ यह दिन हमे विज्ञान और तकनीकी शिक्षा के क्षेत्र में लैंगिक असमानता की समस्या से निपटने की जरूरत है, यह विषय वेतन के मामले में पुरुषों और महिलाओं के बीच अंतर को कम करने में काफी अहम भूमिका अदा कर सकते हैं महिलाओं को सशक्त बनाने से न केवल व्यक्तियों को लाभ होगा बल्कि इससे विविध भरे नजरों और अब तक इस्तेमाल नहीं किए गए संभावनाओं के द्वारा भी खुलेंगे, यह बातें गरीबी उन्मूलन कुशल मजदूरों की कमी और टिकाऊ आविष्कार जैसी वैश्विक चुनौतियों से निपटने के लिए भी हम है यह सब आर्थिक विकास को रफ्तार देते हैं।साथ ही बाल गृह बालिका में मेहंदी, सिलाई, कढ़ाई, बुनाई, हस्तशिल्प प्रतियोगिता कराई गई, प्रतियोगिता में उत्कृष्ट कार्य करने वाली बालिकाओं को पुरस्कृत किया गया, साथ ही महिला कल्याण विभाग द्वारा संचालित समस्त योजनाओं को बताया गया। कार्यक्रम में रिंकू, राखी, सरिता, श्वेता, आदि उपस्थित रही।

बाल तस्करी से आजादी 3.0 अभियान के अंतर्गत आयोजित जागरूकता कार्यक्रम

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग नई दिल्ली के दिशा

निर्देश के क्रम में जिलाधिकारी के निर्देशन में जिला प्रोबेशन अधिकारी पुनीत टंडन के द्वारा टीम का गठन करते हुए बाल तस्करी अभियान चलाए जाने हेतु आदेशित किया गया जिसके क्रम में आज दिनांक 12 सितंबर 2025 को आदर्श इंटर कॉलेज, राबर्ट्सगंज, सोनभद्र में छात्रों को बाल तस्करी की रोकथाम और इससे निपटने के लिए जागरूक किया गया। इस अवसर पर बताया गया कि बाल तस्करी एक जघन्य अपराध है, जिसमें बच्चों को जबरन बाल श्रम, यौन शोषण, गुलामी के लिए स्थानांतरित या प्राप्त किया जाता है। इस अपराध के बारे में जागरूकता फैलाने, शिक्षा को बढ़ावा देने और बच्चों के अधिकारों की सुरक्षा के लिए परिवारों और समुदाय के साथ मिलकर काम करने की आवश्यकता है। यदि आपको बाल तस्करी का संभावना है, तो चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 पर तुरंत संपर्क करें और 112 पुलिस सहायता पर संपर्क करें। कार्यक्रम में उपस्थित रहे:-- बाल कल्याण समितिः अध्यक्ष अखिल नारायण देव पांडेय, सदस्य अमरेश चंद्र पाठक। थाना मानव तस्करी रोधी:- मानव तस्करी रोधी से मुख्य आरक्षी धनंजय सिंह, महिला आरक्षी शालिनी वैश्य व आरक्षी पंकज। जिला बाल संरक्षण इकाई:- संरक्षण अधिकारी रोमी पाठक। चाइल्ड हेल्पलाइन:- परियोजना समन्वयक मुकेश सिंह, परियोजना संयोगी स्निग्धा आहूजा। विद्यालय के अध्यापक:- प्रधानाचार्य संतोष कुमार, अमरेंद्र कुमार सिंह, मंजू सिंह, विनीत कुमार, वरुण चतुर्वेदी, उपेंद्र सिंह, महेश चांद, इंद्रेश गुप्ता, सुशील मिश्रा, राजेश केशरी। कक्षा 10 एवं 12 की छात्र/छात्रा:- दीपशिखा, नंदिनी, रागिनी, लक्ष्मी केशरी, रेशमा, शिवेंद्र, अंश, हर्ष, अश्वनी।

ट्रिपल एच करने जा रहे बड़ा ऐलान, बदल जाएगा डब्लूडब्लूई का इतिहास, फैंस को मिलेगा तगड़ा झटका

नयी दिल्ली। डब्लूडब्लूई से जुड़ी एक बड़ी खबर आ रही है। डब्लूडब्लूई के चीफ कंटेंट

ऑफिसर ट्रिपल एच ने सोशल मीडिया पर एक बड़े ऐलान का संकेत दिया है, जिसे आज यानी 12 सितंबर को डब्लूडब्लूई के यूट्यूब चैनल पर दोपहर 3:00 बजे / 12:00 बजे पर लाइव किया जाएगा। इस खबर ने रेसलिंग फैंस के बीच अटकलों का बाजार गर्म कर दिया है।

यह भारतीय समयानुसार देर रात 12:30 बजे स्ट्रीम होगा। रेसलमेनिया के लिए हो सकता है ऐलान- अटकलें लगाई जा रही हैं कि डब्लूडब्लूई अपनी सबसे बड़े सालाना इवेंट रेसलमेनिया को पहली बार उत्तरी अमेरिका से बाहर आयोजित करने की घोषणा कर सकता है। खबर है कि 2027 में रेसलमेनिया 43 सऊदी अरब में हो सकता है, जिसे सऊदीमेनिया नाम दिए जाने की चर्चा भी चल रही है। अगर यह सच होता है तो यह डब्लूडब्लूई के इतिहास में एक बड़ा बदलाव होगा। हालांकि कुछ फैंस को यह बिल्कुल भी पसंद नहीं आ रहा है क्योंकि सालों से यह इवेंट अमेरिका में ही होता रहा है।

इस घोषणा में कई बड़े सितारे शामिल होंगे, जिनमें ट्रिपल एच, द अंडरटेकर, शॉन माइकल्स, सैथ रॉलिन्स, लोगान पॉल, बियांका बेलेयर, लिव मॉर्गन, स्टेफनी वेकर और शार्लेट फ्लेयर जैसे बड़े नाम शामिल हैं। इतने बड़े नामों की मौजूदगी से यह साफ है कि यह घोषणा वाकई में बहुत खास होने वाली है। किसी छोटे ऐलान के लिए डब्लूडब्लूई इतने बड़े नामों को परेशान नहीं करता। ट्रिपल एच ने अपने सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा, 'मैंने तुमसे कहा था कि हम खेल बदल देंगे और हम तो अभी शुरुआत कर रहे हैं।' इस बयान से लगता है कि डब्लूडब्लूई कुछ ऐसा करने जा रहा है जो भविष्य में कंपनी के लिए गेम चेंजर साबित हो सकता है।

हालांकि, रेसलमेनिया के सऊदी अरब जाने की खबर के अलावा एक और चर्चा भी चल रही है। कुछ फैंस का मानना है कि यह घोषणा द रॉक और जॉन सीना के बीच एक बड़े मुकाबले के बारे में हो सकती है, जो इस साल के अंत में हो सकता है।

जैस्मिन और नूपुर वर्ल्ड बॉक्सिंग चैंपियनशिप के फाइनल में,भारत ने चार मेडल पक्के किए

नयी दिल्ली। लिवरपूल में चल रही वर्ल्ड बॉक्सिंग चैंपियनशिप में भारतीय महिला बॉक्सरों ने शानदार प्रदर्शन किया है। जैस्मिन लैम्बोरिया और नूपुर श्योराण फाइनल में पहुंच गई हैं, वहीं मीनाक्षी ने भारत को चौथा मेडल सुनिश्चित कर दिया। हालांकि, पुरुष मुक्केबाजों का अभियान 12 साल बाद पहली बार बिना किसी मेडल के समाप्त हुआ। जैस्मिन की क्लिनिकल जीत, फाइनल में पेरिस ओलिंपिक सिल्वर मेडलिस्ट से भिड़ंत महिला 57 किलोग्राम वर्ग में जैस्मिन लाम्बोरिया ने वेनेजुएला की ओमाइलीन अल्काला को 5-0 से हराकर फाइनल में जगह बना ली।वर्ल्ड कप गोल्ड मेडलिस्ट जैस्मिन पूरे मुकाबले में डोमिनेट किया। फाइनल में उनका मुकाबला पेरिस ओलिंपिक की सिल्वर मेडलिस्ट जूलिया स्जेरेमेटा से होगा। यह जैस्मिन का पहला वर्ल्ड चैंपियनशिप फाइनल होगा। महिला 80प्लस किलोग्राम वर्ग में नूपुर श्योराण ने तुर्की की सेमा दूजतास को 5-0 से मात देकर फाइनल में जगह बनाई। दिग्गज बॉक्सर हवा सिंह की पोती नूपुर ने अपनी ऊंचाई और ताकत का बेहतरीन इस्तेमाल करते हुए मुकाबले पर पूरी तरह नियंत्रण रखा। जुलाई में वर्ल्ड कप सेमीफाइनल का रीमैच लड़ते हुए नूपुर ने फिर वही प्रदर्शन दोहराया।

एशिया कप में भारत ने पाकिस्तान को 56फीसदी मैच हराए,पिछले 10 साल में पाक महज 1 मैच जीता; दोनों कभी फाइनल में नहीं भिड़े

नयी दिल्ली। भारत और पाकिस्तान के बीच एशिया कप में ग्रुप स्टेज का महामुकाबला 14 सितंबर को खेला जाएगा। टीम इंडिया ने यूएई के खिलाफ 9 विकेट

की जीत से अपने अभियान की शुरुआत की। वहीं पाकिस्तान आज ओमान के खिलाफ टूर्नामेंट में अपना पहला मैच खेलेगी।टूर्नामेंट इतिहास में दोनों ने आपस में 18 मैच खेले। 10 में भारत और 6 में पाकिस्तान को जीत मिली। हालांकि, पिछले 10 साल में राइवलरी एकतरफा सी हो गई, जहां पाकिस्तान को 7 मुकाबलों में महज 1 बार जीत नसीब हो सकी। एशिया कप 1984 से खेला जा रहा है। भारत ने 8 और पाकिस्तान ने 2 खिताब जीते हैं, लेकिन दोनों टीमें कभी फाइनल में आमने-सामने नहीं हो सकीं। स्टोरी में जानते हैं दोनों प्रतिद्वंद्वी टीमों का एशिया कप में एक-दूसरे के खिलाफ कैसा रिकॉर्ड है।1984 में पहली बार एशिया कप खेला गया, तब भारत, पाकिस्तान और श्रीलंका ने ही हिस्सा लिया। भारत ने शारजाह में पाकिस्तान को 54 रन से हराया और फिर राउंड रॉबिन फॉर्मेट जीतकर खिताब भी उठा लिया। तब श्रीलंका रनर-अप और पाकिस्तान तीसरे नंबर पर रही थी। 1984 से दोनों टीमों के बीच वनडे और टी-20 एशिया कप में 18 मैच खेले गए। 56फीसदी यानी 10 में भारत को जीत मिली, वहीं 6 मुकाबले पाकिस्तान के नाम रहे। 1997 और 2023 में दोनों टीमों के बीच 1-1 मुकाबला बेनतीजा भी रहा था।एशिया कप 14 बार वनडे और 2 बार टी-20 फॉर्मेट में खेला गया। इस दौरान वनडे फॉर्मेट में दोनों के बीच 15 मैच हुए। 8 में भारत और 5 में पाकिस्तान को जीत मिली।

इस दौरान 2 मुकाबले बेनतीजा भी रहे। यानी भारत ने पाकिस्तान को 53फीसदी वनडे मुकाबले हराए।टी-20 एशिया कप में दोनों टीमें 2016 में मीरपुर के मैदान पर पहली बार भिड़ी थीं। तब भारत ने 5 विकेट से मुकाबला जीता था। 2022 में दोनों के बीच दुबई में 2 टी-20 खेले गए। पहला मैच भारत ने और दूसरा मैच पाकिस्तान ने 5 विकेट से जीता। पिछले 10 साल में यह पाकिस्तान की भारत पर इकलौती जीत भी थी। इस दौरान भारत ने 5 मैच जीत लिए।भारत से विराट कोहली एशिया कप में पाकिस्तान के खिलाफ टॉप रन स्कोरर हैं। उनके नाम महज 8 मुकाबलों में 68 की औसत से 476 रन हैं। इनमें 2 सेंचुरी और 1 फिफ्टी शामिल हैं। विराट ने 2023 एशिया कप में पाकिस्तान के खिलाफ पिछले मुकाबले में भी शतक लगाया था। वे 2012 में 183 रन की पारी से भारत को जीत भी दिला चुके हैं। ओवरऑल टॉप स्कोरर में विराट के बाद रोहित शर्मा ने 474 रन बनाए हैं। हालांकि, दोनों ही प्लेयर्स टी-20 रिटायरमेंट के कारण एशिया कप टीम का हिस्सा नहीं हैं। मौजूदा स्क्वॉड में पाकिस्तान के खिलाफ टी-20 एशिया कप में हार्दिक पंड्या ने 33 और सूर्यकुमार यादव ने 31 रन बनाए हैं।

ऐसे में भारत की युवा बैटिंग लाइन-अप के सामने मुश्किल चैलेंज मिल सकता है। पाकिस्तान के खिलाफ एशिया कप में भारत के टॉप विकेट टेकर भुवनेश्वर कुमार हैं। उनके नाम 5 मैचों में 10 विकेट हैं। हालांकि, वे स्क्वॉड का हिस्सा नहीं हैं। उनके बाद स्पिनर कुलदीय और हार्दिक पंड्या ने 8-8 विकेट हैं। दोनों ही पाकिस्तान के खिलाफ एशिया कप खेलते नजर आएंगे। टी-20 एशिया कप में पाकिस्तान के खिलाफ हार्दिक ने 7 और अर्शदीप सिंह ने 3 विकेट लिए हैं।एशिया कप में भारत के खिलाफ पाकिस्तान के एक ही बल्लेबाज ने 400 प्लस रन बनाए हैं। शोएब मलिक के नाम 6 मुकाबलों में 432 रन हैं। युनूस खान 238 रन के साथ दूसरे टॉप स्कोरर हैं। मौजूदा स्क्वॉड में शामिल फखर जमान ने 6 मैचों में 83 रन बनाए हैं। टी-20 एशिया कप में मोहम्मद रिजवान 114 रन बनाकर टॉप पर हैं, लेकिन वे भी टीम में नहीं हैं। उनके बाद मोहम्मद नवाज ने 2 मुकाबलों में 43 रन बनाए हैं। 2022 के एशिया कप में उन्होंने ही 42 रन की पारी खेलकर पाकिस्तान को भारत के खिलाफ जीत दिलाई थी।एशिया कप में भारत के खिलाफ पाकिस्तान के टॉप गेंदबाज स्पिनर सईद अजमल हैं, उन्होंने 4 मुकाबलों में 8 विकेट लिए हैं। उनके बाद नसीम शाह ने 6 और शाहीन शाह अफरीदी ने 5 विकेट लिए हैं। नसीम को स्क्वॉड में जगह नहीं मिली, लेकिन शाहीन और हारिस रऊफ 14 सितंबर को मैच खेलते नजर आ सकते हैं। टी-20 में मोहम्मद नवाज 4 विकेट लेकर टॉप पर हैं।एशिया कप का 17वां एडिशन यूएई में खेला जा रहा है। अब तक 16 बार हुए टूर्नामेंट को भारत और पाकिस्तान दोनों ने 1-1 बार बॉयकॉट किया। 15 में से 8 बार भारत ने टूर्नामेंट जीता और 3 बार टीम रनर-अप भी रही। यानी भारत महज 4 बार ही फाइनल में जगह नहीं बना सका। इन सभी में पाकिस्तान ने खिताबी मुकाबला खेला। पाकिस्तान ने 15 एडिशन में 2 ही बार टाइटल जीता था। टीम ने 2000 में श्रीलंका और 2012 में बांग्लादेश को फाइनल हराकर खिताब जीता। टीम 2022, 2014 और 1986 में रनर-अप भी रही, लेकिन कभी भारत से खिताबी भिड़ंत नहीं कर पाई। 48 साल पुराने टूर्नामेंट में इस बार 8 टीमें हिस्सा ले रही हैं, लेकिन क्या इस बार दोनों चीर-प्रतिद्वंद्वी टीमें एक साथ फाइनल तक का सफर तय कर पाएंगी?

शाहीन के डायरेक्ट हिट से विनायक रनआउट,हारिस ने सिक्स से फिफ्टी पूरी की; आमिर ने 2 गेंदों पर दो विकेट लिए

दुबई। 2025 एशिया कप में पाकिस्तान ने अपना पहला मैच

जीत लिया है। टीम ने ओमान को 93 रन से हरा दिया। पहले बैटिंग करते हुए पाकिस्तान ने 160 रन बनाए। जवाब में ओमान की टीम 16.4 ओवर में 67 रन पर ही सिमट गई। शुक्रवार को दुबई में शाहीन अफरीदी के डायरेक्ट हिट से विनायक शुक्ला रनआउट हो गए। मोहम्मद हारिस ने सिक्स से अपनी फिफ्टी पूरी की। ओमान के स्पिनर आमिर कलीम ने एक ही ओवर पाकिस्तानी कप्तान सलमान आगा और हारिस के विकेट लिए। पाकिस्तान ने मैच के पहले ही ओवर में विकेट गंवा दिया। यहां सईम अयूब शून्य पर आउट हुए। उन्हें फैसल शाह ने एलबीडब्लू किया। वे मिडिल स्टंप की फुलर लेंथ बॉल को लेग में मारना चाहते थे, लेकिन गेंद की स्पीड जज नहीं कर सके और बॉल सीधे पैड पर जा लगी। पाकिस्तानी ओपनर साहिबजादा फरहान को दूसरे ओवर में जीवनदान मिला। शकील अहमद के ओवर की आखिरी बॉल पर आमिर कलीम से फरहान का कैच ड्रॉप हो गया। इस ओवर से महज 2 रन आए।हालांकि 11वें ओवर की आखिरी बॉल पर आमिर कलीम ने ही उन्हें पवेलियन भेजा। फुल लेंथ की बॉल पर साहिबजादा फरहान ने सामने की तरफ शॉट खेला। यहां खुद की ही बॉलिंग में कलीम ने डाइव लगाकर शानदार कैच लपक लिया। फरहान 29 बॉल पर 29 रन बनाकर आउट हुए। 10वें ओवर में मोहम्मद हारिस ने छक्के के साथ फिफ्टी पूरी की। उन्होंने एशिया कप में पहला अर्धशतक लगाया। हारिस ने सूफियान की बॉल पर मिडविकेट पर छक्का मारा। उसके बाद अगली बॉल पर चौका मारने का प्रयास किया। यहां समय श्रीवास्तव के पास कैच करने का मौका था, लेकिन वे कैच नहीं कर सके।11वें ओवर में पाकिस्तान ने दो विकेट गंवाए। कप्तान सलमान आगा शून्य और मोहम्मद हारिस 66 रन बनाकर आउट हुए। दोनों को आमिर कलीम ने लगातार बॉल पर पवेलियन भेजा। उन्होंने साहिबजादा फरहान (29 रन) को भी आउट किया। 9वें ओवर की तीसरी बॉल पर विकेटकीपर बल्लेबाज विनायक शुक्ला रनआउट हो गए। सुफियान मुकीम ने बाहर गेंद डाली। शुक्ला ने शॉट खेला। दोनों बल्लेबाजों में कन्फ्यूजन हुआ। शुक्ला ने दौड़ लगाई लेकिन शाहीन अफरीदी ने शानदार थ्रो मारकर स्टंप उखाड़ दिए। शुक्ला सिर्फ 2 रन बनाकर आउट।

सत्विक-चिराग हॉन्ग कॉन्ग ओपन के फाइनल में,चाइनीज ताइपे की जोड़ी को सीधे गेम में हराया; लक्ष्य सेन भी सिंगल्स के सेमीफाइनल में

नयी दिल्ली। सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी हॉन्ग कॉन्ग ओपन बैडमिंटन टूर्नामेंट के मेन्स डबल्स के फाइनल में पहुंच

गए हैं। भारतीय जोड़ी ने शनिवार को सेमीफाइनल मुकाबले में चाइनीज ताइपे के चेन चेंग कुआन और लिन बिंग-वेई की जोड़ी को हराया। पहले गेम में सत्विक-चिराग ने चाइनीज ताइपे की जोड़ी को 21-17 से और दूसरे गेम में 21-15 से मात दी। क्वार्टर फाइनल में मलेशियाई जोड़ी को हराया था भारतीय जोड़ी ने क्वार्टर फाइनल में मलेशिया की जोड़ी जुनैदी अरिफ और रॉय किंग याप को तीन गेम वाले मुकाबले में हराया था। पहले गेम में उन्होंने मलेशियाई जोड़ी को 21-14 से आसानी से हरा दिया। लेकिन दूसरे गेम में वे थोड़े चूक गए और 20-22 से हार गए, जिससे स्कोर 1-1 हो गया। फिर तीसरे और निर्णायक गेम में भारतीय जोड़ी ने शानदार वापसी की। वे 21-16 से जीतकर टूर्नामेंट सेमीफाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली। यह मैच एक घंटे से ज्यादा समय तक चला।लक्ष्य सेन ने अपने ही साथी खिलाड़ी आयुष शेट्टी को कड़े मुकाबले में हराकर टूर्नामेंट के मेंस सिंगल्स के सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया। दुनिया के नंबर-20 खिलाड़ी लक्ष्य ने रैंकिंग में 31वें स्थान पर काबिज आयुष शेट्टी को 21-16, 17-21, 21-13 से 1 घंटे 6 मिनट में मात दी। मैच की शुरुआत पहले गेम से ही रोमांचक रही। लक्ष्य ने इंटरवल पर 11-10 की बढ़त ली और उसके बाद अपनी रफ्तार बढ़ा दी। उन्होंने नेट पर शानदार कंट्रोल दिखाया और आयुष को कोई मौका नहीं दिया, जिससे पहला गेम 21-16 से जीत लिया। आयुष शेट्टी ने दूसरे गेम में जबरदस्त वापसी की। वे 15-11 से पीछे चल रहे थे, लेकिन अगले 12 में से 10 पॉइंट्स जीतकर स्कोर 21-17 कर मैच को तीसरे गेम तक ले गए। तीसरे और निर्णायक गेम में इंटरवल के बाद आयुष पर थकान हावी हो गई। लक्ष्य ने अपनी मजबूत डिफेंस और नेट पर बेहतरीन खेल से मैच को 21-13 से खत्म किया। यह लक्ष्य का इस साल दूसरा सेमीफाइनल है। वे अगस्त में मकाऊ ओपन में भी यहां तक पहुंचे थे। अब वे सेमीफाइनल में ताइवान के चाउ तिएन चेन से भिड़ेंगे। इससे पहले, लक्ष्य सेन ने एचएस प्रणय को 15-21, 21-18, 21-10 से मात दी थी। सात्विक साईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी ने अगस्त में संपन्न हुए वर्ल्ड बैडमिंटन चैंपियनशिप में मेंस डबल्स में ब्रॉन्ज मेडल जीता। उन्हें 31 अगस्त को बीडब्लूएफ वर्ल्ड चैंपियनशिप में मेंस डबल्स के सेमीफाइनल में चीन के चेन बो यांग और लियू यी की जोड़ी ने 19-21, 21-18, 12-21 से हराया। यह मुकाबला एक घंटे सात मिनट तक चला। ऐसे में भारतीय जोड़ी को ब्रॉन्ज मेडल से ही संतोष करना पड़ा। भारतीय जोड़ी को 2022 में भी ब्रॉन्ज मेडल मिला था।

भारत-पाकिस्तान मैच पर देश में अलग-अलग राय,आईपीएल चेयरमैन ने कहा हमें खेलना ही होगा, पंजाब किंग्स ने पोस्ट से पाकिस्तानी झंडा हटाया

नयी दिल्ली। एशिया कप में 14 सितंबर को भारत और पाकिस्तान के बीच मैच होने वाला

है। दुबई इंटरनेशनल स्टेडियम में होने वाले इस मुकाबले को लेकर भारत में अलग-अलग राय सामने आ रही है। पहलगाम आतंकी हमले और ऑपरेशन सिंदूर के बाद भारत और पाकिस्तान की क्रिकेट टीमों के बीच यह पहला मुकाबला है। कई पूर्व क्रिकेटर, राजनैतिक दल और फैंस इसका विरोध कर रहे हैं। वहीं,बीसीसीआई के कुछ अधिकारी और फैंस का एक वर्ग इस मैच के पक्ष में है। मुकाबले से 2 दिन पहले शुक्रवार को आईपीएल चेयरमैन अरुण धूमल ने कहा है- 'सरकार ने पाकिस्तान के साथ खेल संबंधों को लेकर स्थिति स्पष्ट कर दी है। एसीसी और आईसीसी टूर्नामेंटों में हमें पाकिस्तान से खेलना ही होगा। इधर, शिवसेना विधायक आदित्य ठाकरे ने कहा- 'जिस पाकिस्तान ने हम पर मसाइलें दागी। हमारे देश में आतंक फैला रहा है। पहलगाम पर निर्दोष लोगों को मारा। बीसीसीआई उस पाकिस्तान के खिलाफ खेलने को लेकर उत्साहित क्यो है?' एक दिन पहले पूर्व क्रिकेटर हरभजन सिंह ने कहा था- 'भारत और पाकिस्तान के आपसी संबंध बेहतर होने तक आपस में क्रिकेट या व्यापार नहीं होना चाहिए।' इससे पहले हरभजन की टीम इंडिया चैंपियंस ने जुलाई में इंग्लैंड में हुई वर्ल्ड लीजैंड्स चैंपियनशिप में पाकिस्तान के खिलाफ सेमीफाइनल नहीं खेला था।एक दिन पहले पंजाब किंग्स ने भारत-पाकिस्तान मैच को लेकर सोशल पोस्ट की थी। इस पोस्ट में मैच की डेट, वेन्यू और टाइम सब दिए गए हैं, लेकिन पाकिस्तान का झंडा गायब है। झंडे की जगह खाली छोड़ी गई है। इस पर फैंस अलग-अलग प्रतिक्रिया दे रहे हैं।एक दिन पहले सुप्रीम कोर्ट में भारत-पाकिस्तान मैच पर रोक लगाने की मांग की गई थी, हालांकि न्यायमूर्ति जेके माहेश्वरी और न्यायमूर्ति विजय बिश्नोई की पीठ ने इस मामले की सुनवाई करने से इनकार कर दिया और कहा कि यह सिर्फ एक मैच है।पहलगाम में आतंकी हमले के बाद क्रिकेट एशिया कप में भारत के पाकिस्तान से खेलने का विरोध हो रहा है। यहां तक कि पाकिस्तान बिहार के राजगीर में भारत की मेजबानी में हो रहे हॉकी एशिया कप से हट गया है। इस संबंध में मानसून सत्र में लोकसभा में भी सवाल उठा था। पूर्व क्रिकेटर्स की भारतीय टीम ने वर्ल्ड चैंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स में पाकिस्तान से खेलने से इनकार कर दिया था। भारत-पाकिस्तान में 3 मैच संभव-एशिया कप में भारत-पाकिस्तान के बीच 3 मुकाबले हो सकते है। पहला मैच 14 सितंबर को दुबई इंटरनेशनल स्टेडियम में खेला जाएगा। आगे जानिए 2 मैच और कैसे संभव। दूसरा मैचः एशिया कप में लीग स्टेज के बाद सुपर-4 राउंड होगा। भारत-पाकिस्तान के सुपर-4 राउंड में पहुंचने पर 21 सितंबर को भारत-पाकिस्तान की दूसरी भिड़ंत हो सकती है। तीसरा मैच : अगर दोनों टीमें फाइनल में पहुंचती हैं, तो 28 सितंबर को भारत-पाकिस्तान के बीच एशिया कप में तीसरा मुकाबला खेला जाएगा।

एशिया कप में आज SL vs BAN,बांग्लादेश ने अपना पहला मैच जीता, श्रीलंका के खिलाफ टी-20 रिकॉर्ड खराब

अबू धाबी। बांग्लादेश एशिया कप 2025 के पांचवें मुकाबले में आज छह बार की चैंपियन श्रीलंका से भिड़ेगी। ग्रुप बी का यह मैच भारतीय समयानुसार रात 8:00 बजे से अबू

धाबी के शेख जायद स्टेडियम में खेला जाएगा। एशिया कप खिताब की तलाश में लगे बांग्लादेश ने टूर्नामेंट के अपने पहले मैच में हॉन्ग कॉन्ग को हराया था। वहीं, श्रीलंका का यह पहला मैच होगा। बांग्लादेश ने अपने पहले मैच में भले ही आसानी से जीत हासिल की, लेकिन पेसर तस्कीन अहमद और लेग स्पिनर रिशाद हुसैन विकेट लेने के बावजूद काफी रन दिए थे। ऐसे में श्रीलंका के खिलाफ ऐसी कोई भी गलती बांग्लादेश को भारी पड़ सकती है। वहीं, श्रीलंका की टीम तीनों डिपार्टमेंट में संतुलित नजर आ रही है। एशिया कप में दोनों टीमों का 17 बार सामना हुआ हैं, 15 बार वनडे और 2 बार टी-20 फॉर्मेट में। वनडे फॉर्मेट में 13 मुकाबले श्रीलंका ने जीते, महज 2 मैचों में बांग्लादेश को जीत मिली। वहीं, टी-20 में 1-1 मैच का रिकॉर्ड है। पिछला एशिया कप वनडे फार्मेट में खेला गया था। जिसमें दोनों टीमों का सामना दो बार हुआ और दोनों बार श्रीलंका को जीत मिली थी। हालांकि इस बार एशिया कप टी-20 फॉर्मेट में खेला जा रहा है।वहीं, 2007-25 के बीच दोनों टीमों के बीच कुल 20 टी-20 मैच खेले गए। इसमें भी श्रीलंका हावी रही। टीम ने 12 और बांग्लादेश ने 8 मैच जीते। श्रीलंका की टीम में अच्छे बल्लेबाज, अनुभवी ऑल-राउंडर और बॉलर्स (स्पिन और पेस) हैं। स्पिनर वानिंदु हसरंगा, महिश तीक्षणा और दुनिथ वेल्लालागे की मौजूदगी टीम के स्पिन डिपार्टमेंट काफी स्ट्रॉग बनाती है। हसरंगा तो 2024 टी-20 वर्ल्ड कप के बाद से 21 विकेट ले चुके हैं।

बैटिंग में टॉप ऑर्डर भी अच्छा कर रहा है। पथुम निसांका, कुसल मेंडिस जैसे खिलाड़ी जिनके पास स्ट्राइक रोटेट करने और पावरप्ले में दबाव बनाने की क्षमता है। पिछले वर्ल्ड कप के बाद निसांका 573, परेरा 403, मेंडिस 378 रन बना चुके हैं। कप्तान चरिथ असलंका ने 200 से ज्यादा रन बनाए हैं। बांग्लादेश के पास तस्कीन अहमद, मुस्तफिजुर रहमान, और शोरिफुल इस्लाम जैसे पेसर हैं जो शुरुआती ओवरों में विकेट लेने की क्षमता रखते हैं। टीम के गेंदबाज तस्कीन अहमद पिछले वर्ल्ड कप के बाद सबसे ज्यादा 22 विकेट लिए हैं। हालांकि उन्हें आज के मैच में रन पर अंकुश लगाना होगा। टीम बैटिंग डिपार्टमेंट में अच्छा प्रदर्शन कर रही है। टीम के 4 बैटर्स 300 से ज्यादा रन बना चुके हैं। तंजिद हसन 425, कप्तान लिटन दास 425, परवेज हसन 386 और जाकिर अली ने 326 बनाए हैं। लिटन दास ने हॉन्ग कॉन्ग के खिलाफ अर्धशतक (57 रन) लगाया था। हाल की (जुलाई) टी-20 सीरीज में बांग्लादेश ने श्रीलंका को 2-1 से हराया था। टॉप ऑर्डर अच्छी शुरुआत करें तो मुकाबला मुश्किल हो सकता है श्रीलंका के लिए। श्रीलंकाः चरित असलंका (कप्तान), पथुम निसांका, कुसल परेरा, कुसल मेंडिस (विकेटकीपर), नुवानिदु फर्नांडो, कामिंडु मेंडिस, वानिंदु हसरंगा, दसुन शनाका, महीश तीक्षणा, दुशमंथा चमीरा और मथीश पथिराना। बांग्लादेश : लिटन दास (कप्तान और विकेटकीपर), तंजीद हसन, परवेज हुसैन इमोन, तौहीद हृदॉय, शमीम हुसैन, जाकिर अली, महेदी हसन, तंजीम हसन, रिशाद हुसैन, तस्कीन अहमद और मुस्तफिजुर रहमान। पिच रिपोर्ट और रिकॉर्ड पिच से आमतौर पर शुरुआत में तेज गेंदबाजों को बाउंस और कुछ स्विंग मिलती है। जैसे-जैसे इनिंग आगे बढ़ती है, पिच धीमी होती जाती है, इससे बीच और आखिरी के ओवरों में स्पिनर्स को फायदा होने लगता है।

यहां ओस आना आम बात है, जिससे दूसरी पारी में बॉलिंग मुश्किल हो जाती है। बॉल की ग्रीप नहीं बनती है और बॉल स्लिप करती है। वहीं, थोड़ी बैटर्स के लिए आसानी हो जाती है। ऐसे में टॉस जीतने वाली टीम टॉस जीतकर पहले बॉलिंग करना पसंद करेगी। अबू धाबी के इस स्टेडियम में अब तक 70 टी-20 इंटरनेशनल मैच खेले गए हैं। इनमें से 30 मैच पहले बैटिंग करने वाली टीम ने जीते हैं, जबकि 40 मैच में पहले बॉलिंग करने वाली टीम जीती है। अबू धाबी में मौसम काफी गर्म रहेगा 13 सितंबर को अबू धाबी का मौसम साफ रहेगा। हालांकि गर्मी बहुत ज्यादा रहेगी। दोपहर के समय तापमान लगभग 38 से 40ष्ट डिग्री सेल्सियस तक तक रहेगा। शाम होते-होते तापमान थोड़ा गिरेगा, लेकिन रात में भी यह लगभग 33-34ष्टसे के आसपास ही रहेगा। हल्की हवाएं चलेंगी और रात में ओस भी आएगी।

वर्ल्ड एथलेटिक्स चैंपियनशिप आज से टोक्यो में,नीरज चोपड़ा 17 सितंबर को भाला फेंकते नजर आएंगे, भारत ने 19 प्लेयर्स का स्क्वॉड भेजा

नयी दिल्ली। वर्ल्ड एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2025 आज से जापान के टोक्यो शहर में शुरू हो रही है। टूर्नामेंट 13 से 21 सितंबर तक खेला जाएगा।

भारत के स्टार जैवलिन थ्रोअर नीरज चोपड़ा 17 सितंबर को क्वालिफिकेशन राउंड में नजर आएंगे, वे जापान पहुंच चुके हैं। टूर्नामेंट के लिए भारत ने अलग-अलग इवेंट्स के लिए 19 प्लेयर्स का स्क्वॉड जापान भेजा है। नीरज ने 2023 में गोल्ड जीता था इतिहास में पहली बार मेंस जैवलिन थ्रो इवेंट में भारत के 4 प्लेयर्स हिस्सा लेंगे। नीरज के अलावा सचिन यादव, यशवीर सिंह और रोहित यादव ने भी टूर्नामेंट के लिए क्वालिफाई किया। डबल ओलिंपिक मेडलिस्ट नीरज चोपड़ा ने 2023 में बुडापेस्ट वर्ल्ड चैंपियनशिप में गोल्ड मेडल जीता था, अब वे अपना टाइटल डिफेंड करने के लिए उतरेंगे। भारत के 19 प्लेयर्स के स्क्वॉड में युवा स्प्रिंटर अनिमेश कुजुर से भी मेडल जीतने की उम्मीद है। वे वर्ल्ड चैंपियनशिप के मेंस 200 मीटर स्प्रिंट इवेंट में क्वालिफाई करने वाले भारत के पहले ही प्लेयर हैं। वे भी 17 सितंबर को ही रेस करते नजर आएंगे। वर्ल्ड एथलेटिक्स चैंपियनशिप में हिस्सा लेने के लिए नीरज चोपड़ा जापान पहुंच चुके हैं। वे 11 सितंबर को टोक्यो पहुंचे, उन्होंने 12 सितंबर से ही प्रैक्टिस भी शुरू कर दी। नीरज के सामने इवेंट में सबसे बड़ी चुनौती पाकिस्तान के अरशद नदीम रहेंगे, जिन्होंने पेरिस ओलिंपिक में गोल्ड मेडल जीतकर नीरज को दूसरे स्थान पर धकेल दिया था। नीरज ओलिंपिक में गोल्ड और सिल्वर मेडल चुके हैं। पिछली वर्ल्ड चैंपियनशिप हंगरी में हुई थी, जहां भारत ने 28 एथलीट्स को भेजा था। हालांकि, इस बार रिले टीम के क्वालिफाई नहीं कर पाने के कारण स्क्वॉड छोटा किया गया। भारत के स्क्वॉड में 14 मेंस और 5 विमेंस एथलीट्स हैं। इनमें मेडल की उम्मीदें नीरज से ही सबसे ज्यादा हैं। वर्ल्ड एथलेटिक्स चैंपियनशिप में 75 करोड़ रुपए की प्राइज मनी दांव पर है। इसके अलावा टूर्नामेंट के किसी भी इवेंट में वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाने वाले एथलीट्स को 88.30 लाख रुपए (1 लाख डॉलर) मिलेंगे। टोक्यो वर्ल्ड एथलेटिक्स चैंपियनशिप के लिए भारत की टीम- मेंसः नीरज चोपड़ा, सचिन यादव, यशवीर सिंह और रोहित यादव (जैवलिन थ्रो), मुरली श्रीशंकर (लॉन्ग जंप), गुलवीर सिंह (5000 और 10000 मीटर), प्रवीण चित्रावल और अब्दुल्लाह अबूबकर (ट्रिपल जंप), सरवेश अनिल कुशारे (हाई जंप), अनिमेश कुजुर (200 मीटर), तेजस शिरसे (110 मीटर हर्डल्स), सर्विन सबास्टियन (20 किमी रेस वॉक), रामबाबू और संदीप कुमार (35 किमी रेस वॉक)।विमेंसः पारुल चौधरी और अंकिता ध्यानी (3000 मीटर स्टीपलचेज), अन्नु रानी (जैवलिन थ्रो), प्रियंका गोस्वामी (35 किमी रेस वॉक), पूजा (800 और 1500 मीटर)।

महिमा चौधरी हुई 52 की, सुभाष घई पर करियर बर्बाद का आरोप, रोड एक्सीडेंट से चेहरे में घुसे कांच के 67 टुकड़े, कैंसर से जीतीं

मुंबई। महिमा चौधरी बॉलीवुड की जानी-मानी एक्ट्रेस हैं। वह कम उम्र से ही एक्ट्रेस बनने का सपना देखती थीं। इसी सपने को पूरा

करने के लिए उन्होंने अपनी पढ़ाई छोड़ दी और मॉडलिंग से करियर की शुरुआत की। महिमा को पहला एड आमिर खान और ऐश्वर्या राय के साथ मिला। इसके बाद उन्हें कई फिल्मों के ऑफर मिले, लेकिन उन्होंने शुरुआत में ठुकरा दिए। आखिरकार, उन्होंने सुभाष घई की फिल्म परदेस से बॉलीवुड में डेब्यू किया, जो एक बड़ी हिट साबित हुई। महिमा अपनी प्रोफेशनल लाइफ के साथ-साथ पर्सनल लाइफ को लेकर भी चर्चा में रहीं। उन्होंने साल 2006 में शादी की, लेकिन यह रिश्ता ज्यादा समय तक नहीं चल सका और 2013 में उनका तलाक हो गया। महिमा चौधरी का जन्म 13 सितंबर 1973 को पश्चिम बंगाल के दार्जिलिंग में हुआ था। उनके पिता जाट परिवार से थे, जबकि उनकी मां नेपाली थीं। महिमा उनकी इकलौती संतान थीं। महिमा स्पोर्ट्स में बहुत अच्छी थीं। पिता को लगता था कि वो बड़ी होकर स्पोर्ट्स पर्सन या आर्मी में जाएंगी, लेकिन ऐसा कुछ नहीं हुआ। 16-17 साल की उम्र में महिमा का मन फिल्मों में लगने लगा। हाई स्कूल तक की पढ़ाई दार्जिलिंग के कुर्सियांग स्थित डॉव हिल स्कूल से पूरी की। इसके बाद उन्होंने दार्जिलिंग के लोरेटो कॉन्वेंट कॉलेज में ग्रेजुएशन में एडमिशन लिया। लेकिन 1990 में पढ़ाई बीच में ही छोड़ दी और मॉडलिंग की दुनिया में कदम रख दिया। इसके साथ ही उन्होंने एक स्थानीय सौंदर्य प्रतियोगिता में भाग लिया और 'मिस दार्जिलिंग' का खिताब भी जीता। महिमा के इस फैसले से उनके पिता नाराज रहे और उनसे लगभग 1 साल तक बात नहीं की। हालांकि मां ने पूरा सपोर्ट किया। मॉडलिंग के साथ-साथ महिमा ने एड में भी काम पाने की कोशिश शुरू कर दी थी। इसी दौरान उन्हें पेप्सी के एक विज्ञापन में काम करने का मौका मिला, जिसका ऑडिशन दिल्ली में हुआ था। इस विज्ञापन में उनके साथ आमिर खान और ऐश्वर्या राय भी थे, जिन्हें मुंबई से चुना गया था।

यह महिमा का पहला विज्ञापन था, जो साल 1995 में आया था। यह उस समय के सबसे फेमस विज्ञापनों में से एक था और हर क्रिकेट मैच के दौरान इसे दिखाया जाता था। इस एड के बाद महिमा को फिल्मों के ऑफर मिलने लगे, लेकिन उन्होंने तुरंत फिल्मों में कदम नहीं रखा। उस समय उन्हें खुद पर उतना आत्मविश्वास नहीं था, इसलिए उन्होंने पहले अपने अनुभव और पहचान को बढ़ाने के लिए कई कॉमर्शियल एड किए। महिमा ने 100 से भी ज्यादा विज्ञापनों में काम किया, जिससे उन्हें इंडस्ट्री में अच्छी पहचान मिली। सुभाष घई की पड़ी नजर, बन गईं परदेस की हीरोइन- एड के बाद महिमा ने वीडियो जॉकी के तौर पर चैनल 'वी' के लिए काम किया। वह इस चैनल के लोकप्रिय शो 'पब्लिक डिमांड' को बतौर वीजे होस्ट करती थीं। एक ऐसे ही कार्यक्रम के दौरान जब महिमा शो को होस्ट कर रही थीं, फिल्म निर्माता सुभाष घई भी वहां मौजूद थे। उन दिनों वह अपनी अगली फिल्म के लिए एक नए चेहरे की तलाश कर रहे थे, जिसके लिए उन्होंने 3000 से अधिक लड़कियों के ऑडिशन लिए थे। हालांकि महिमा को देखते ही उनकी तलाश पूरी हो गई। इसके बाद उन्होंने महिमा को फिल्म परदेस का ऑफर दे दिया। यहीं से महिमा ने बॉलीवुड में अपने करियर की शुरुआत की। पहली ही फिल्म में महिमा की एक्टिंग को दर्शकों ने खूब सराहा। वह न सिर्फ रातों-रात स्टार बन गईं, बल्कि उन्हें फिल्मफेयर बेस्ट डेब्यू एक्ट्रेस का अवॉर्ड भी मिला। महिमा ने शाहरुख खान के अपोजिट फिल्म परदेस से डेब्यू किया था। वहीं, फिल्म की रिलीज के लगभग 23 साल बाद महिमा चौधरी ने डायरेक्टर सुभाष घई पर करियर बर्बाद करने का आरोप लगाया था।

बॉलीवुड हंगामा को दिए इंटरव्यू में महिमा ने बताया कि साल 1998 या 1999 में ट्रेड गाइड मैगजीन में सुभाष घई ने उनकी फोटो के साथ विज्ञापन दिया था, जिसमें लिखा था कि महिमा के साथ जो भी काम करना चाहता है उसे सुभाष घई से कॉन्टैक्ट करना होगा। इस विज्ञापन में दावा किया गया था कि महिमा ने घई के साथ कॉन्ट्रैक्ट किया है। इसलिए बिना इजाजत वह किसी अन्य प्रोड्यूसर या डायरेक्टर के साथ काम नहीं कर सकती हैं। हालांकि महिमा ने इंटरव्यू में बताया था, मैंने कभी सुभाष घई के साथ ऐसा कोई कॉन्ट्रैक्ट नहीं किया था, लेकिन फिर भी उन्होंने मुझे काफी परेशान किया था। वे मुझे कोर्ट तक ले गए और मेरा पहला शो कैंसिल करवाना चाहते थे। यह सब मेरे लिए बेहद तनावपूर्ण था। उन्होंने सभी प्रोड्यूसर्स को मैसेज भेजा कि कोई भी मेरे साथ काम न करे। उस मुश्किल दौर में मेरे साथ सिर्फ सलमान खान, संजय दत्त, डेविड धवन और राजकुमार संतोषी थे। महिमा ने यह भी बताया कि राम गोपाल वर्मा ने उन्हें फिल्म सत्या के लिए साइन किया था और उन्होंने साइनिंग अमाउंट भी ले लिया था, लेकिन शूटिंग शुरू होने से दो दिन पहले उन्हें बिना कोई सूचना दिए फिल्म से निकाल दिया गया। यह सब बातें उन्हें प्रेस से पता चलीं कि उनकी जगह उर्मिला मातोंडकर को ले लिया गया है। 1999 में रिलीज हुई फिल्म दिल क्या करे की शूटिंग के दौरान महिमा चौधरी का भयानक रोड एक्सीडेंट हुआ था। यह हादसा उनकी जिंदगी का एक ऐसा मोड़ साबित हुआ, जिसने उन्हें शारीरिक और मानसिक रूप से झकझोर कर रख दिया। पिंकविला से बातचीत में महिमा ने बताया था, मैं प्रकाश झा के साथ अजय देवगन प्रोडक्शन की फिल्म दिल क्या करे की शूटिंग कर रही थीं। शूटिंग का लास्ट दिन बचा था। मैं होटल से शूटिंग लोकेशन के लिए निकली थीं, तभी गलत डायरेक्शन से आ रहे दूध के टैंकर से लदे ट्रक ने मेरी कार को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि कांच के टुकड़े गोलियों की रफ्तार से उनके चेहरे पर जा लगे। घटना के तुरंत बाद ही मुझे अस्पताल में भर्ती कराया गया। अस्पताल पहुंचने के कुछ समय बाद सबसे पहली मेरी मां और अजय देवगन पहुंचे थे। मेरी सर्जरी हुई, जिसमें कांच के 67 टुकड़े चेहरे से निकाले गए। डॉक्टर ने मुझे सलाह दी थी कि मैं शीशे में अपना चेहरा न देखूं।

इस हादसे से मैं पूरी तरह से टूट गई थी। मुझे डर सताने लगा था कि इस कारण मेरा करियर खराब हो जाएगा। हालांकि ऐसा हुआ नहीं। खुद को संभाला और वापसी की। इसके बाद न केवल दिल क्या करे की शूटिंग पूरी की, बल्कि इसके बाद धड़कन, बागबान जैसी कई सुपरहिट फिल्मों में भी दमदार अभिनय किया। महिमा न सिर्फ अपनी प्रोफेशनल बल्कि पर्सनल लाइफ को लेकर भी चर्चा भी रहीं। नवभारत टाइम्स के मुताबिक, उनका नाम टेनिस प्लेयर लिएंडर पेस के साथ जोड़ा गया। कहा जाता है कि महिमा फेमस टेनिस प्लेयर लिएंडर पेस के साथ सीरियस रिलेशनशिप में थीं, लेकिन फिर लिएंडर की नजदीकियां इंडियन मॉडल रिया पिल्लई से बढ़ने लगी थीं। इसी के चलते महिमा ने लिएंडर पेस से ब्रेकअप कर लिया। 2 बार मिसकैरेज हुआ, शादी के 7 साल बाद तलाक- लिएंडर पेस से ब्रेकअप के बाद महिमा की जिंदगी में बॉबी मुखर्जी आए। दरअसल, बॉबी मुखर्जी महिमा के भाई के दोस्त थे। इस वजह से बॉबी का उनके घर आना-जाना था। धीरे-धीरे यह मुलाकात प्यार में बदल गई और फिर दोनों ने 2006 में शादी कर ली। बॉबी की महिमा से यह दूसरी शादी थी। पहली पत्नी से उन्होंने तलाक ले लिया था। दोनों ने 2006 में लास वेगास में गुपचुप शादी की थी, पर एक्ट्रेस ने अपनी शादी के बारे में खुलकर तभी बताया, जब उनकी बेबी बंप वाली तस्वीरें वायरल हुई थीं। साल 2007 में महिमा चौधरी ने बेटी अरियाना को जन्म दिया। साल 2007 तक महिमा और बॉबी के

लखनऊ इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल का ऐलान, नई हिंदी फिल्म शुभ संगम की घोषणा, फिल्म एक्टर राकेश बेदी ने कहा - फिल्मों को प्रोत्साहित कर रही है उत्तर प्रदेश सरकार

लखनऊ। नवाबों का शहर लखनऊ अब सिनेमा के रंग में रंगने जा रहा है। यहां आयूब खान द्वारा शुरू और आयोजित लखनऊ इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल का ऐलान किया गया है। यह तीन दिन का फिल्म महोत्सव 2 से 4 दिसम्बर 2025 तक चलेगा, जिसमें फिल्मकारों, कलाकारों और दर्शकों को एक साथ लाकर कहानियों का जश्न मनाया जाएगा। इधर मशहूर फिल्म एक्टर राकेश बेदी ने कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार फिल्मों को जिस तरह से प्रोत्साहित कर रही है, उसके लिए वह बधाई के पात्र है। उन्होंने लखनऊ की हरियाली के साथ साथ खानपान और तहजीब की भी तारीफ की। फेस्टिवल के फाउंडर, फिल्म प्रोड्यूसर, डायरेक्टर व डिस्ट्रीबूटर आयूब खान ने लखनऊ इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल के बारे में कहा ''लखनऊ एक शानदार शहर है और यहां सिनेमा को बेहद प्यार मिलता है। दिसम्बर के पहले हफ्ते में हम तीन दिन का यह फिल्म महोत्सव आयोजित कर रहे हैं। मुझे खुशी है कि राखेश बेदी, सोहम पी. शाह और

फिल्म फेडरेशन ऑफ इंडिया के अध्यक्ष बी.एन. तिवारी जैसे बड़े नाम इस खास मौके पर हमारे साथ हैं।'' इसी मौके पर आयूब खान ने अपनी आने वाली हिंदी फीचर फिल्म शुभ संगम की भी घोषणा की। फिल्म निर्देशक और जूरी सदस्य सोहम पी. शाह ने कहा ''माननीय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी के उत्तर प्रदेश राज्य में, हम यह प्रतिष्ठित फेस्टिवल लखनऊ के सहारागंज स्थित पीवीआर सिनेमा में शुरू कर रहे हैं। इस फेस्टिवल का मकसद यहां के प्रतिभाशाली लेखक, निर्देशक और कलाकारों को प्रोत्साहित करना है। यह महोत्सव 2 से 4 दिसम्बर 2025 तक पीवीआर सिनेमा, सहारागंज, लखनऊ में होगा। और खास बात यह है कि आयूब खान जी की नई हिंदी फीचर फिल्म शुभ संगम की शूटिंग भी नवंबर 2025 से उत्तर प्रदेश में ही शुरू होगी।'' ख्यातिप्राप्त वरिष्ठ फिल्म अभिनेता राखेश बेदी, जो फेस्टिवल में जूरी सदस्य भी होंगे और फिल्म शुभ संगम में भी अभिनय करेंगे, ने कहा ''लखनऊ इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल के लॉन्च और फिल्म शुभ संगम की घोषणा पर मैं आयूब खान और लखनऊ की जनता को बधाई देता हूं। मुझे खुशी है कि मैं इस फेस्टिवल में जूरी सदस्य होने के साथ-साथ फिल्म शुभ संगम में भी एक महत्वपूर्ण किरदार निभा रहा हूं।'' उन्होंने आयूब खान से अपने लंबे जुड़ाव को भी साझा किया। कह कि ''आयूब खान साहब से मेरा रिश्ता कई साल पुराना है। मुंबई में भी मैं उनके द्वारा आयोजित सिनीड्रीम्स इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल का दो साल से जूरी सदस्य रहा हूं। उनकी फिल्म बे-लगाम में भी मैंने अहम किरदार निभाया था। वे न सिर्फ एक प्रतिभाशाली लेखक और निर्देशक हैं बल्कि एक ईमानदार और अच्छे इंसान भी हैं। हमारे बीच की दोस्ती और रचनात्मक सफर मेरे लिए बहुत मायने रखता है।'' लखनऊ में लखनऊ इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल और शुभ संगम दोनों की घोषणा के साथ ही शहर एक बड़े सांस्कृतिक उत्सव के लिए तैयार है, जहां सिनेमा, कला और रचनात्मकता का जश्न मनाया जाएगा।

आधुनिक समाचार विशेष

'किरदार छोटा हो या बड़ा, पहचान दिल से बनती है'

(मुश्ताक़ खा़न) साक्षात्कारकर्ताः सुधांशु शर्मा (रेडियो हेड, आधुनिक समाचार)

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज।प्रश्न- (सुधांशु शर्मा): मुश्ताक़ जी, आपका फिल्मी सफर कई दशकों पर फैला हुआ है।

शुरुआत कैसे हुई? उत्तर- (मुश्ताक़ खा़न): मेरी शुरुआत थिएटर से हुई। एक्टिंग का शौक बचपन से था, और नासिक से मुंबई आने के बाद कई स्ट्रगल किए। पहला ब्रेक मुझे 'अल्बर्ट पिंटू को गुस्सा क्यों आता हैं' में मिला। फिर धीरे-धीरे फिल्में मिलने लगीं। प्रश्नः- आपने कई बड़े सितारों के साथ काम किया है – आमिर खान, सलमान खान, शाहरुख खान... अनुभव कैसा रहा? उत्तरः- हर कलाकार से कुछ सीखने को मिला। आमिर बहुत परफेक्शनिस्ट हैं, सलमान दिल के बहुत बड़े हैं, और शाहरुख क़े साथ काम करना एक अलग ही एनर्जी देता है। ये लोग बड़े ज़रूर हैं, लेकिन सेट पर सभी को बराबर इज़्ज़त देते हैं। प्रश्नः- आपकी कॉमिक टाइमिंग की बहुत तारीफ होती है। यह स्वाभाविक है या सीखा आपने? उत्तरः- थोड़ा स्वाभाविक जरूर है, लेकिन थिएटर ने बहुत कुछ सिखाया। रियाज़ ज़रूरी है। कॉमेडी करना ट्रैजेडी से ज़्यादा मुश्किल होता है – टाइमिंग बहुत मायने रखती है।प्रश्नः- आपको सबसे ज्यादा पहचान किस किरदार से मिली? उत्तरः- लोगों को शायद मेरी फिल्म 'वेलकम' का ड्राइवर याद होगा – 'कंट्रोल उदय कंट्रोल' (हँसते हुए)। लेकिन जुदाई, हेरा फेरी और 'हम हैं राही प्यार के' जैसे कई फिल्मों में लोगों ने मुझे नोटिस किया। प्रश्नः- आजकल की फिल्म इंडस्ट्री को आप कैसे देखते हैं? उत्तरः- तकनीक के मामले में हम बहुत आगे निकल चुके हैं। लेकिन स्क्रिप्ट और कंटेंट पर थोड़ा और ध्यान देने की ज़रूरत है। पहले इमोशन और कहानी पर ज़ोर होता था, अब थोड़ा ग्लैमर ज़्यादा है। लेकिन ओटीटी ने नए कलाकारों को मौका देना शुरू किया है, जो अच्छी बात है। प्रश्नः- नए कलाकारों को क्या संदेश देना चाहेंगे? उत्तरः- धैर्य रखो। जल्दी सफलता की चाह मत रखो। मेहनत करो, ईमानदारी से काम करो। नाम अपने आप बनता है। और सबसे ज़रूरी बात – एक्टिंग एक कला है, सिर्फ स्टार बनने का सपना मत देखो। प्रश्नः- भविष्य में क्या प्रोजेक्ट्स आ रहे हैं? उत्तरः- कुछ वेब सीरीज़ पर काम चल रहा है, और एक कॉमेडी फिल्म की शूटिंग जल्द शुरू होगी। दर्शकों से बस यही उम्मीद है कि पहले जैसा प्यार और दुआएं मिलती रहें।

एक्ट्रेस अंकिता लोखंडे के पति विक्की जैन अस्पताल में भर्ती, हाथ में पट्टी, चेहरे पर सूजन

मुंबई। एक्ट्रेस अंकिता लोखंडे के पति विक्की जैन अस्पताल में भर्ती हैं। उनके एक हाथ में पट्टी बंधी नजर आई तो वहीं दूसरे हाथ में ड्रिप लगी दिखाई दी। चेहरे पर सूजन भी है। विक्की जैन का यह वीडियो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है। एक्टर समर्थ जुरेल ने सोशल मीडिया पर यह वीडियो शेयर करते हुए विक्की जैन के जल्द से जल्द ठीक होने की कामना भी की। समर्थ जुरेल ने इंस्टाग्राम स्टोरी पर विक्की जैन का वीडियो शेयर किया। वीडियो में विक्की जैन के हाथ में पट्टी बंधी दिखाई दी और बाएं हाथ में ड्रिप लगी नजर आई। वीडियो में अंकिता लोखंडे भी नजर आईं। बता दें कि एक दुर्घटना में उनके हाथ में कांच घुस गया था और उन्हें 45 टांके लगाने पड़े थे।अंकिता लोखंडे और विक्की जैन के फैंस भी विक्की के जल्द ठीक होने की कामना कर रहे हैं और उनके स्वास्थ्य के बारे में और अपडेट का इंतजार कर रहे हैं। बता दें कि अंकिता लोखंडे और विक्की जैन अब तक 3 रियलिटी शोज 'बिग बॉस 17', 'स्मार्ट जोड़ी' और 'लाफ्टर शेफ्सः अनलिमिटेड एंटरटेनमेंट', में साथ नजर आ चुके हैं। बिग बॉस में उनके रिश्ते ने खूब सुर्खियां बटोरी थी। अंकिता लोखंडे और विक्की जैन ने 2021 में शादी की थी।

स्मृति ईरानी बोलीं- राजनीति में आने से नुकसान हुआ है, पापा के पैसे नहीं लौटाती तो उनकी पसंद के लड़के से शादी करनी पड़ती

मुंबई। एक्ट्रेस-पॉलिटिशियन स्मृति ईरानी छोटे पर्दे पर अपने आइकॉनिक टीवी शो 'क्योंकि सास भी कभी बहू थी' के दूसरे सीजन को लेकर चर्चा में बनी हुई हैं। टीवी इंडस्ट्री से राजनीति और राजनीति

से वापस टीवी में आई स्मृति ईरानी ने सोहा अली खान के शो 'ऑल अबाउट हर' में अपने करियर पर खुलकर बात की। राजनीति करियर पर बात करते हुए स्मृति ईरानी ने बताया कि राजनीति में आने से नुकसान हुआ है। एक्ट्रेस ने करियर के शुरुआती दिनों का जिक्र करते हुए कहा कि उन्होंने अपने पिता से लोन लिया था। अगर एक साल के अंदर लोन नहीं चुकाती तो उन्हें पिता के चुने हुए लड़के से शादी करनी पड़ती। अपने राजनीति करियर पर बात करते हुए स्मृति ईरानी ने कहा- राजनीति में आने से नुकसान हुआ है। लोगों का मानना है कि कोई भी एक्टर अपने करियर के अंत में राजनीति में आता है, लेकिन मैं तो शुरुआत में ही राजनीति में आ गई थी, मुझे यहां पर कहीं ज्यादा मेहनत करनी पड़ी। स्मृति ईरानी ने यह भी खुलासा किया कि उन्होंने अपने पिता से एक साल के लिए लोन लिया था, जिसके बदले में उन्होंने मुझसे वादा लिया था कि अगर मैं यह लोन नहीं चुकाती तो, मुझे उनके चुने हुए लड़के से शादी करनी पड़ेगी। दरअसल, मिस इंडिया के लिए सेलेक्ट होने के बाद स्मृति को कॉम्पिटिशन में भाग लेने के लिए एक लाख रुपए की जरूरत थी। इसके लिए एक्ट्रेस ने अपने पिता से लोन के तौर पर पैसे लिए, लेकिन उन्होंने पैसे देने के साथ शर्त रख दी। पिता ने कहा कि तुम्हें इंटरेस्ट के साथ पैसे लौटाने होंगे और अगर नहीं लौटा पाई तो फिर मैं अपनी पसंद के लड़के के साथ तुम्हारी शादी कर दूंगा। स्मृति ईरानी पिता की यह बात मान गईं। नीलेश मिश्रा के शो 'द स्लो' में स्मृति ईरानी ने बताया था कि उन्हें पिता के पैसे लौटाने के लिए क्लीनर का काम करना पड़ा था। ब्यूटी पेजेंट से मिले गिफ्ट्स से उन्होंने पिता को 60,000 रुपए वापस कर दिए, लेकिन बाकी पैसों के लिए उन्हें मैकडॉनल्ड्स में 3-4 महीने नौकरी करनी पड़ी। यहां वह हफ्ते में छह दिन काम करती थीं और छुट्टी के दिन वह ऑडिशन के लिए जाती थीं। ऑडिशन के दौरान ही उन्हें 'क्योंकि सास भी कभी बहू थी' मिला था। इस तरह एकता कपूर के शो में तुलसी बनकर स्मृति ईरानी ने हर किसी के दिल में खास जगह बना ली थी। यह सीरियल लगभग 8 साल तक चला। एक्टिंग करियर में सफलता की ऊंचाइयां हासिल करने के बाद स्मृति ईरानी ने टीवी पर 2006 में बतौर प्रोड्यूसर भी नई पारी शुरू की। उन्होंने 'थोड़ी सी जमीन थोड़ा सा आसमान' को एकता कपूर के प्रोडक्शन हाउस के साथ मिलकर को-प्रोड्यूस किया। इसके अलावा 2007 में 'विरुध' टीवी सीरियल को प्रोड्यूस किया, इसमें वसुधा का रोल भी निभाया। इसके अलावा एक सीरियल 'मेरे अपने' भी प्रोड्यूस किया, जिसमें लीड रोल में विनोद खन्ना नजर आए थे। राजनीति में भी सक्रिय होने के बाद स्मृति ईरानी टीवी से पूरी तरह से दूर हो गईं। आगे चलकर उन्होंने मानव संसाधन विकास मंत्री, भारत सरकार में कपड़ा मंत्री और सूचना और प्रसारण राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) के रूप में कार्य किया। वह महिला और बाल विकास मंत्रालय और अल्पसंख्यक मामलों के मंत्रालय के लिए केंद्रीय कैबिनेट मंत्री के पद पर रहीं। अब 25 साल के बाद तुलसी के किरदार में स्मृति ईरानी की वापसी हुई है।

लखनऊ आए बाल ठाकरे के पोते ऐश्वर्य, रूमी गेट पर मस्ती की, अनुराग कश्यप ने खाई शुक्ला की चाट

लखनऊ। बाल ठाकरे के पोते ऐश्वर्य ठाकरे शुक्रवार को लखनऊ पहुंचे। उनके साथ अनुराग कश्यप

भी आए थे। रूमी गेट पर इन सबने मस्ती की और शुक्ला की चाट के लुत्फ उठाए। दरअसल, फिल्म निशानची की टीम प्रमोशन के लिए शहर पहुंची थी। टीम में फिल्म की एक्ट्रेस वेदिका पिंटो भी थीं। प्रतिभा

सिनेमा में फिल्म के पोस्टर की लॉन्चिंग की गई। पोस्टर से कर्टन हटने के बाद फैंस ने जमकर शोर मचाया। पोस्टर लॉन्चिंग के बाद ऐश्वर्य ठाकरे और वेदिका पिंटो ने शर्मा की चाय पी, शुक्ला की चाट का लुत्फ उठाया और इमामबाड़ा भी घूमने गए। इस मौके पर डायरेक्टर अनुराग कश्यप भी मौजूद रहे। अनुराग कश्यप ने जैसे ही हेलो लखनऊ बोला फैंस ने शोर मचाकर उनका अभिवादन किया। अनुराग ने कहा कि काफी समय से इस फिल्म का इंतजार था।

19 सितंबर से सिनेमाघर में फिल्म रिलीज हो जाएगी। उसके बाद बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचेगा। फिल्म का टीजर रिलीज हो चुका है, जिसे काफी पसंद किया जा रहा है। हमें पूरा भरोसा है की फिल्म को भी दर्शकों का खूब प्यार मिलेगा। उन्होंने कहा कि फिल्म में दो भाइयों की जिंदगी की उलझी हुई कहानी दिखाई गई है, जिसका फैसला किस्मत करती है। बाकी फिल्म में क्या कुछ खास है? यह इसके लिए आपको सिनेमाघर जाना पड़ेगा। बाल ठाकरे के पोते ऐश्वर्य ठाकरे फिल्म निशानची से डेब्यू कर रहे हैं। फिल्म के पोस्टर लॉन्चिंग के दौरान उन्होंने कहा कि इस फिल्म को लेकर वह बेहद उत्साहित हैं। यहां मौजूद दर्शकों का जोश देखकर यह लगता है की फिल्म सुपरहिट होने वाली है। शहर की काफी तारीफ सुनी है। वाकई में लखनऊ बहुत खूबसूरत है। हमने यहां के खूबसूरत इमारतों के बारे में सुना था। अब करीब से देखने का अवसर मिला है। लखनवी खाने का स्वाद भी चखने का मौका मिला है। फिल्म के एक्ट्रेस वेदिका पिंटो ने कहा की फिल्म की कहानी और सॉन्ग सब कुछ बहुत अवेसम है। थिएटर में एक बार फ़िल्म देखना शुरू करेंगे तो समय का पता नहीं चलेगा। हम लोग प्रमोशन के लिए आज लखनऊ में आए हैं इस शहर की जितनी तारीफ की जाए कम है। फिल्म प्रमोशन के साथ हम लोग यहां के जायके का भी खूब लुत्फ उठाने वाले हैं।

बरेली में एक्ट्रेस दिशा पाटनी के घर फायरिंग, लॉरेंस गैंग ने ली जिम्मेदारी, कहा- संत प्रेमानंद, अनिरुद्धाचार्य का अपमान किया

बरेली। यूपी के बरेली में बॉलीवुड एक्ट्रेस दिशा पाटनी के घर फायरिंग

हुई है। बाइक से आए 2 बदमाशों ने ताबड़तोड़ 2 राउंड फायरिंग की। इसके बाद फरार हो गए। फायरिंग के वक्त घर में दिशा की बहन और पूर्व आर्मी अफसर खुशबू पाटनी, पिता रिटायर्ड डीएसपी जगदीश पाटनी, मां पद्मा पाटनी मौजूद थीं। गोली चलने की आवाज सुनकर सभी सहम गए। दिशा पाटनी मुंबई में थीं। जगदीश ने तत्काल पुलिस को सूचना दी। पुलिस को घर के बाहर से 2 खाली कारतूस बरामद हुए हैं। घर के बाहर फोर्स तैनात की गई है। फायरिंग की जिम्मेदारी रोहित गोदारा और गोल्डी बराड़ गैंग ने ली है। दोनों गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई के लिए काम करते हैं। फेसबुक पोस्ट में लिखा- संत प्रेमानंद महाराज और कथावाचक अनिरुद्धाचार्य महाराज पर टिप्पणी से नाराज होकर फायरिंग को अंजाम दिया गया है। यह सिर्फ एक ट्रेलर है। अगली बार ऐसी हरकत दोहराई गई तो किसी को जिंदा नहीं छोड़ा जाएगा। एसएसपी बरेली ने बताया, फायरिंग शुक्रवार सुबह करीब 3 बजे की गई। जांच क्राइम ब्रांच को सौंपी गई है। आसपास के सीसीटीवी खंगाले गए। जिसमें दो संदिग्ध हमलावर बाइक से जाते दिखे हैं। पुलिस ने गैंगस्टर गोल्डी बरार और उसके नेटवर्क को लेकर अलर्ट जारी कर दिया है। फेसबुक पोस्ट में लिखा- किसी को जिंदा नहीं छोड़ेंगे- गैंग ने फेसबुक पोस्ट में लिखा- भाईयों, आज खुशबू पाटनी और दिशा पाटनी के बरेली के सिविल लाइंस स्थित घर पर फायरिंग हुई है, वो हमने करवाई है। इसने हमारे पूज्य संत प्रेमानंद जी महाराज और अनिरुद्धाचार्य जी महाराज का अपमान किया है।

आधुनिक समाचार विशेष साक्षात्कार

'कला एक निरंतर साधना है' - राकेश बेदी से खास बातचीत

साक्षात्कारकर्ता - संगीता शर्मा, Magazine Head आधुनिक समाचार

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज। **प्रश्न 1: राकेश जी, आप लंबे समय से फिल्मों और**

टेलीविज़न का हिस्सा रहे हैं। इस सफर की शुरुआत कैसे हुई? उत्तरः दरअसल मेरा झुकाव अभिनय की ओर बचपन से ही था। मैंने नेशनल स्कूल ऑफ ड्रामा से प्रशिक्षण लिया और वहीं से मेरी अभिनय यात्रा की शुरुआत हुई। रंगमंच से होते हुए फिल्म और फिर टेलीविज़न तक पहुंचा। **प्रश्न 2: आपकी कॉमिक टाइमिंग को दर्शक बहुत पसंद करते हैं। क्या ये स्वाभाविक है या सीखा गया कौशल है?** उत्तरः थोड़ा दोनों का मिश्रण है। ह्यूमर एक संवेदनशील चीज़ है - यह ज़बरदस्ती नहीं किया जा सकता। मैंने अपने आसपास के जीवन से बहुत कुछ सीखा है। हां, मंच और स्क्रीन पर अभ्यास से परिपक्वता ज़रूर आई है।**प्रश्न 3: 'श्रीमान श्रीमती' और 'येस बॉस' जैसे टीवी शोज़ ने आपको घर-घर में लोकप्रिय बना दिया। आज के टीवी कंटेंट से आप कितने संतुष्ट हैं?** उत्तरः आज का टेलीविज़न काफी बदला है। तकनीक बेहतर हुई है, पर कंटेंट में मौलिकता की कमी नज़र आती है। पहले कहानियों में समाज, परिवार और मानवीय भावनाएं होती थीं। अब टीआरपी का दबाव ज़्यादा दिखता है। **प्रश्न 4: नई पीढ़ी के अभिनेताओं के साथ काम करने का अनुभव कैसा है?** उत्तरः बहुत अच्छा लगता है। आज के युवा प्रतिभाशाली हैं, लेकिन धैर्य की कमी है। सब कुछ जल्दी पाना चाहते हैं। मैंने सीखा है कि अभिनय एक निरंतर साधना है, जिसे वक्त देना पड़ता है। **प्रश्न 5: भविष्य में दर्शक आपको किस नए रूप में देख पाएंगे?** उत्तरः कुछ वेब प्रोजेक्ट्स पर काम चल रहा है। साथ ही, थिएटर मेरी आत्मा है - वहां लगातार सक्रिय हूं। मैं चाहता हूं कि लोग मुझे एक गंभीर अभिनेता के रूप में भी देखें। **प्रश्न 6: युवाओं के लिए कोई संदेश देना चाहेंगे?** उत्तरः बस यही कहूंगा कि अगर आप अभिनय या किसी भी कला क्षेत्र में आना चाहते हैं, तो पहले खुद को पहचानें, खूब अभ्यास करें और सच्चाई से मेहनत करें। सफलता ज़रूर मिलेगी।

'अबीर गुलाल' को इंडिया में रिलीज करने की तैयारी!

मुंबई। एक्ट्रेस वाणी कपूर और पाकिस्तानी कलाकार फवाद खान की रोमांटिक ड्रामा 'अबीर गुलाल' आज यानी 12 सितंबर को भारत के अलावा हर जगह रिलीज कर दिया गया है। अब चर्चा है कि यह फिल्म 26 सितंबर को भारत में रिलीज होगी। इस बारे में जब फिल्म फेडरेशन के अध्यक्ष बीएन तिवारी से बात की तो उन्होंने बताया कि पहले इस खबर का खंडन करता हूं कि यह फिल्म भारत में रिलीज हो होने जा रही है। फिर भी अगर फिल्म के मेकर इसे रिलीज करना चाह रहे है तो हम फिल्म नहीं रिलीज होने देंगे।फिल्म फेडरेशन के अध्यक्ष बीएन तिवारी ने कहा- फेडरेशन हमेशा पाकिस्तानी कलाकारों का विरोध करती आई है। अगर फवाद खान की फिल्म भारत में रिलीज होती है तो हम अपने फेडरेशन और फिल्म इंडस्ट्री की तरफ से इसका विरोध करेंगे। हम थिएटर मालिकों से भी रिक्वेस्ट करेंगे कि इस तरह की फिल्म को रिलीज ना करें। आज भी पाकिस्तान की हरकतें भारत के लिए अच्छी नहीं है।

स्वत्वाधिकारी
प्रकाशक एवं मुद्रक
डॉ. दीपक अरोरा
श्री आधुनिक प्रिन्टर्स एण्ड पैकेजर्स प्रा.लि.
1- मिर्जापुर रोड नैनी प्रयागराज उ.प्र. 211008 से मुद्रित एवं एम2ए/25 एडीए कालोनी नैनी प्रयागराज 211008 (उ.प्र.) से प्रकाशित
सम्पादक
डॉ.दीपक अरोरा
मो 0 न0 09415608783
RNI No. UPHIN/2012/41154
website:www.adhuniksamachar.com
नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी0आर0बी0 एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होगे।